बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल...

शेखावाटी मिशन-100

इतिहास

कक्षा – 12

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)
प्रभारी : शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

: missionshekhawati100@gmail.com | 9413361111, 9828336296

टीम शेखावाटी मिशन-100

घनश्यामदत्त जाट
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनू-सीकर (राज.)

रमेशचन्द्र पूनियां
जिला शिक्षा अधिकारी
चूरू (राज.)

लालचन्द नहलिया
जिला शिक्षा अधिकारी मा.
सीकर (राज.)

अमर सिंह पचार
जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
झुन्झुनू (राज.)

रिछपाल सिंह मील
अति. जिला परि. समन्वयक
समग्र शिक्षा, सीकर (राज.)

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक
कार्यालय संयुक्त निदेशक, चूरू

हरदयाल सिंह फगेड़िया
प्रभारी शेखावाटी मिशन-100
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

रामचन्द्र सिंह बगड़िया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

नीरज सिहाग
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
झुन्झुनू (राज.)

सांवरमल गहनोलिया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
चूरू (राज.)

महेश सेवदा
संयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

रामावतार भदाला
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

तकीनीकी सहयोग

राजीव कुमार, निजी सहायक | पवन ढाका, कनिष्ठ सहायक | महेन्द्र सिंह कोक, सहा. प्रशा. अधिकारी | अभिषेक चौधरी, कनिष्ठ सहायक

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

माननीय शिक्षा मंत्री की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

हम सभी के लिए यह गौरव का विषय है कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में नित नये आयाम छू रहा है। नीति आयोग के नेशनल अचीवमेंट सर्वे (NAS) 2020 में राजस्थान सम्पूर्ण भारत में तीसरे स्थान पर रहा है। इस वर्ष राजस्थान, इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में 8027 बाल वैज्ञानिकों के चयन के साथ पूरे देश में प्रथम स्थान पर रहा हैं। इसी परम्परा व सोच को निरन्तर बनाए रखने के प्रयास में इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 का क्रियान्वयन संयुक्त निदेशक परिक्षेत्र चूरु के अधीन जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा सीकर द्वारा किया जा रहा है। अनुभवी तथा ऊर्जावान विषय विशेषज्ञों की लगन व अथक मेहनत से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा जारी संशोधित पाठ्यक्रम व मॉडल पेपर के आधार पर विषयवस्तु व मॉडल पेपर तैयार किये गये हैं, जिनको बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन के लिए विद्यार्थियों तक पहुँचाया जा रहा है।

मैं इस मिशन प्रभारी सहित सभी विषयाध्यापकों की कर्मठ टीम को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने अपनी समर्पित कार्यशैली से इस नवाचारी कार्य को अंजाम दिया है। मेरा सभी संस्थाप्रधानों से आग्रह है कि वे सभी विषयाध्यापकों से समन्वय कर इस परीक्षोपयोगी सामग्री को विद्यार्थियों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें।

मैं आशा करता हूँ कि आपका प्रयास पूरे प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए एक नवाचार साबित होगा एवं उनके लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित।

3/3/21

गोविन्द सिंह डोटासरा
शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
राजस्थान सरकार, जयपुर

निदेशक महोदय की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरु संभाग, चूरु के नेतृत्व में 'शेखावाटी मिशन–100' के तहत माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक परीक्षा 2021 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों हेतु बोर्ड परीक्षा में उपयोगी विषयवस्तु एवं प्रश्नकोश तैयार किया जा रहा है हालांकि यह सत्र कोविड–19 के कारण प्रभावित रहा है इसमें विद्यार्थियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

'शेखावाटी मिशन–100' की टीम ने विद्यार्थियों के हित को देखते हुए संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार नवाचार करने का प्रयास किया। विद्यार्थियों के लिए जो विषयवस्तु व प्रश्नकोश निर्माण किया है आशा करते है कि यह विद्यार्थियों के लिए निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करने में लाभदायक सिद्ध होगा।

प्रतिभाशाली और कर्मठ ऊर्जावान शेखावाटी मिशन–100 की टीम को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

शुभकामनाओं सहित।

सौरभ स्वामी (IAS)
निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,
बीकानेर

संयुक्त निदेशक की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम में मात्रात्मक एवं गुणात्मक अभिवृद्धि हेतु एक शैक्षिक नवाचार के रूप में 2017–18 में शेखावाटी मिशन–100 शुरु किया गया था। इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा चूरु संभाग के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक सीकर को मिली है। इस नवाचारी पहल ने पिछले 03 वर्षो में चूरु संभाग में बोर्ड परीक्षा परिणाम में सफलता के नये आयाम बनाये हैं।

पिछले वर्षो में मिली इस अभूतपूर्व सफलता से अभिप्रेरित होकर इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 का दायरा बढ़ाकर 17 विषयों तक किया गया है। इस वर्ष कक्षा–10 के 07 विषयों (संस्कृत व उर्दू सहित) तथा कक्षा 12 में 10 विषयों, जिनमें अनिवार्य हिन्दी व अंग्रेजी के अलावा विज्ञान संकाय में 04 विषयों (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान व गणित) तथा कला संकाय में 04 विषयों (हिन्दी, साहित्य, राजनीति विज्ञान, इतिहास व भूगोल) के लिए बोर्ड द्वारा संशोधित पाठ्यक्रम व मॉडल पेपर के आधार पर अध्ययन सामग्री व मॉडल पेपर तैयार किये गये हैं। पाठ्य विषय वस्तु को इस प्रकार तैयार किया गया है कि सभी तरह के बौद्धिक स्तर वाले विद्यार्थी कम समय में भी अधिकतम अंक अर्जित कर सकेंगे।

शेखावाटी मिशन–100 में उन विषय विशेषज्ञों का चयन किया गया है जिनके पिछले वर्षो में अपने विषयों के गुणात्मक रूप से शानदार परीक्षा परिणाम रहे हैं।

मैं इस मिशन को सफल बनाने में सहयोग के लिए संभाग के सभी शिक्षा अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों का तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

लालचन्द बलाई
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन-100

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्यक्रम सत्र : 2020-21
उच्च माध्यमिक परीक्षा - 2021

विषय : इतिहास

सर्वश्रेष्ठ सफलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वश्रेष्ठ संकलन

हरदयाल सिंह फगेड़िया
प्रभारी शेखावाटी मिशन-100
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

लक्ष्मण राम जाट
संयोजक इतिहास
रा.मा.वि., लाडपुर (सीकर)
मो. : 9928173749

सुभाष सिंह बिजारणियां
सहसंयोजक इतिहास
रा.उ.मा.वि., मंढा मदनी (सीकर)

रामचन्द्र सोलेरा
रा.उ.मा.वि., अनोखू (सीकर)

गंगासागर बलाई
डे.खे.रा.उ.मा.वि., लोसल (सीकर)

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों

इस सत्र में बोर्ड परीक्षाएं 6 मई 2021 से आयोजित हो रही हैं। बोर्ड परीक्षा परिणाम विद्यार्थी के भविष्य की दशा एवं दिशा निर्धारित करता है। इसलिए विद्यार्थी व अभिभावक का तनावग्रस्त होना स्वाभाविक है और यह चिन्ता इस वर्ष कोविड–19 महामारी ने और बढ़ा दी। प्रत्येक विद्यार्थी परीक्षा में अच्छे अंक लाने हेतु अपनी तरफ से वर्षभर कक्षा शिक्षण, गृहकार्य व नोट्स तैयार कर तैयारी करता है परंतु गत वर्ष से कोविड–19 जैसी वैश्विक महामारी के चलते कक्षा शिक्षण कार्य अत्यधिक प्रभावित हुआ है। परीक्षा से पूर्व का समय बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। इस महामारी एवं अध्यापन कार्य के प्रभावित होने के कारण माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर ने विद्यार्थी हित को देखते हुए लगभग 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किया है जो कि अधिकतम अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी के पास सर्वोत्तम सुअवसर है।

अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए एक रणनीति बनाकर तैयारी करना आवश्यक होता है। शेखावाटी मिशन–100 इतिहास की टीम द्वारा कम समय में यह पाठ्य सामग्री तैयार की गई है। हमें विश्वास है कि निश्चित रूप से इस पाठ्य सामग्री को पढ़कर आपको सफलता मिलेगी। बोर्ड परीक्षा परिणाम में संख्यात्मक व गुणात्मक सुधार के लिए यह एक प्रयास है। प्रस्तुत पाठ्य सामग्री में परीक्षा की तैयारी हेतु उपयोगी जानकारी व महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर प्रस्तुत किए गए हैं। हमारा सुझाव है कि आप इस पाठ्य सामग्री को मन लगाकर पढ़ें और अपनी परीक्षा की रणनीति तैयार करें।

शुभकामनाओं सहित।

कक्षा–12

भारत का इतिहास

अनुक्रमणिका

अध्याय	शीर्षक	पृष्ठ सं.	अंक भार
1.	भारत का वैभव पूर्ण अतीत	(3–9)	15
2.	भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ	(10–17)	15
3.	बाह्य आक्रमण एवं आत्मसातीकरण	(हटाया गया)	–
4.	मुगल आक्रमण – उद्देश्य एवं प्रभाव	(18–21)	10
5.	उपनिवेशवादी आक्रमण	(22–23)	05
6.	आधुनिक भारत का स्वाधीनता आंदोलन	(24–31)	20
7.	राजस्थान का स्वाधीनता संग्राम एवं एकीकरण	(32–40)	15
	मॉडल प्रश्न पत्र–	(41–42)	

अध्याय–1
भारत का वैभवपूर्ण अतीत

01. किस ग्रन्थ में भारत का नाम भारतवर्ष मिलता है?
(अ) ऋग्वेद (ब) विष्णुपुराण
(स) उपनिषदो में (द) अर्थशास्त्र (ब)

02. वेदों की कुल संख्या है?
(अ) 4 (ब) 3
(स) 2 (द) 5 (अ)

03. सर्वाधिक प्राचीन पुराण कौनसा है?
(अ) मार्कण्देय (ब) ब्रहमाण्ड
(स) वायु (द) मत्स्य (द)

04. हम्मीर महाकाव्य के लेखक है?
(अ) गोडवहो (ब) विल्हण
(स) नयचन्द (द) पदमगुप्त (स)

05. सिन्धु सभ्यता का वो स्थल जो राजस्थान में स्थित है?
(अ) हुलासू (ब) रंगपुर
(स) रोपड़ (द) कालीबंगा (द)

06. बड़वा जागा, रावजी एवं भाट उपरोक्त के बारे में सही कथन है–
(अ) ये राजस्थान में गाँवों के नाम है।
(ब) ये राजस्थान में तालाबों के नाम है।
(स) ये राजस्थान में जातियों के नाम है।
(द) ये पुस्तको के नाम है। (स)

07. मेंगस्थनीज की प्रमुख पुस्तक कौनसी है?
(अ) इण्डिका (ब) भूगोल
(स) पंचतंत्र (द) सीयूकी (अ)

08. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से विशाल स्टेडियम के अवशेष प्राप्त हुए है?
(अ) चन्दूदड़ो (ब) हड़प्पा
(स) कालीबंगा (द) धोलावीरा (द)

09. जातक ग्रन्थ सम्बन्धित है–
(अ) जैन धर्म सें (ब) बौद्ध धर्म सें
(स) इस्लाम धर्म सें (द) पुराणों से (ब)

10. यात्रियों का राज कुमार किसे कहा गया है?
(द) ह्वेनसांग (ब) इत्सिंग
(स) फाहयान (द) सुंगयुंग (अ)

प्र.01 किस वेद में यज्ञों से सम्बधित जानकारी मिलती है?
उत्तर यजुर्वेद में

प्र.02 वेदांत साहित्य को कितने भागों में बांटा गया है?
उत्तर छः भागों में

प्र.03 पुराणों में सर्वाधिक प्राचीन पुराण कौनसा है?
उत्तर मत्स्य पुराण

प्र.04 मिलिन्दपन्हों नामक बौद्ध ग्रन्थ की भाषा क्या है?
उत्तर पाली भाषा

प्र.05 कौनसे ग्रन्थों से सिंहल द्वीप का इतिहास ज्ञात होता है?
उत्तर दीपवंश व महावंश

प्र.06 कोई दो बौद्ध ग्रन्थ जो संस्कृत भाषा में लिखे हुए है?
उत्तर महावस्तु व ललितविस्तार

प्र.07 आगम कौनसे साहित्य के भाग है?
उत्तर जैन साहित्य के

प्र.08 कोटिल्य की प्रमुख पुस्तक कौनसी है?
उत्तर अर्थशास्त्र

प्र.09 राजतरंगिणी के लेखक कौन है?
उत्तर कल्हण

प्र.10 राजस्थान में क्षेत्रीय साहित्य से सम्बधित एक रचना का नाम बताओं?
उत्तर चन्दबरदायी का पृथ्वीराज रासों

प्र.11 चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में कौनसा यूनानी राजदूत रहता था?
उत्तर मेगस्थनीज

प्र.12 किस अधिनियम के अन्तर्गत वंशावलिया न्यायिक साक्ष्य के रुप में स्वीकार की जाती है?
उत्तर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872

प्र.13 प्राचीनकाल में कितने प्रकार की मृदभाण्ड संस्कृतियां पाई गई है?
उत्तर चार प्रकार की

प्र.14 हाथीगुम्फा अभिलेख किससे सम्बधित है?
उत्तर खारवेल से

प्र.15 किस शासक के सिक्कों पर अश्वमेघ पराक्रम लिखा हुआ पाया गया है?
उत्तर समुद्रगुप्त के सिक्को पर

प्र.16 हड़प्पा नामक स्थल कौनसी नदी के तट पर है?
उत्तर रावी नदी के तट पर

प्र.17 सिंधु सभ्यता के किस पुरास्थल पर बन्दरगाह के अवशेष मिले है?
उत्तर लोथल

प्र.18 सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल से जुते हुए खेत के अवशेष मिले है?
उत्तर कालीबंगा

प्र.19 सिंधु सभ्यता के लोग किस धातु से परिचित थे?
उत्तर ताम्बें अथवा काँसे से

प्र.20 गुप्तकाल के कोई दो प्राचीन स्मारक कौनसे है?
उत्तर देवगढ़ व भीतरी गांव के मन्दिर

प्र.21 सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल पर विशाल स्नानागार के अवशेष पाए गए है?
उत्तर मोहनजोदड़ो

प्र.22 किस पुरास्थल पर विशाल जलाशय के अवशेष पाये गए है?
उत्तर धोलावीरा में

प्र.23 सिन्धु सभ्यता की लिपि कौनसी थी?
उत्तर भाव चित्रात्मक

शेखावाटी मिशन–100

प्र.24 मेसोपोटामिया के लोग मेलूहा किन्हे कहते थे?

उत्तर सिन्धु वासियों कों

प्र.25 किस वेंद मे भारत भूमि को माता के रुप में माना गया है?

उत्तर अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त में।

प्र.26 किस इतिहासकार का मत है कि प्रथम मानव प्राणी का उद्‌भव भारत भूमि पर हुआ?

उत्तर सर वाल्टर रेले का

प्र.27 किस पुराण में भारत को जम्बूद्वीप कहा गया है?

उत्तर अग्निपुराण में

प्र.28 प्राचीनकाल के पश्चिमी तट के दो बन्दरगाहो के नाम बताओं?

उत्तर सोपारा, भृगुकच्छ।

प्र.29 यूक्तिकल्पतरू नामक रचना किसकी है?

उत्तर राज भोज द्वारा रचित है

प्र.30 प्राचीनकालीन की नौकाशास्त्र से सम्बन्धित रचना है?

उत्तर युक्तिकल्पतरू।

प्र.31 प्राचीनकालीन लोहमत्स्य यंत्र किस कार्य हेतु था?

उत्तर दिशा ज्ञान हेतु नाविको द्वारा काम लिया जाने वाला यंत्र

प्र.32 प्राचीनकाल में नोका प्रमुख को किस नाम से पुकारा जाता था?

उत्तर कर्णधार अथवा महासार्थ

प्र.33 प्राचीनकाल में नियामक किसे कहा जाता था?

उत्तर नौका में पतवार सम्भालने वाले को

प्र.34 पाषाण कालीन मानव के उपकरण मुख्यतः किससे बने होते थे?

उत्तर पाषाण अथवा पत्थर के

प्र.35 पाषाण युग को कितने भागो में बांटा गया है?

उत्तर तीन भागों में (1. पुरापाषाण 2. मध्यपाषाण 3. नवपाषाण)

प्र.36 मध्यपाषाण काल के औजारों की प्रमुख विषेशता क्या होती है?

उत्तर ये सुक्ष्म आकार के होते थे।

प्र.37 किस काल में मानव द्वारा कृषि की शुरूआत की गई?

उत्तर नवपाषाण कालीन मानव द्वारा

प्र.38 भारत के अलावा भारतीय संस्कृति का प्रसार किन देशो में था?

उत्तर कम्बोडिया, चम्पा, मलाया, जावा सुमात्रा, बानिया व बाली तथा श्याम चीन।

प्र.39 अंगकोरवाट के मन्दिर कहा स्थित है?

उत्तर कम्बोडिया में

प्र.40 सिन्धु सभ्यता में लेख युक्त अवशेष प्रमुखतया क्या पाए गए है?

उत्तर मुहरें

प्र.41 आरण्यक ग्रन्थ किससे सम्बन्धित है?

उत्तर दार्शनिक विषयों से

प्र.42 बोद्ध धर्म के आचरण सम्बधित ग्रन्थ कौनसे है?

उत्तर त्रिपिटक

प्र.43 प्रमुख लौहस्तम्भ कहा स्थित है?

उत्तर महरोली दिल्ली में

प्र..44 अल मसुदी की प्रमुख रचना जिससे इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है?

उत्तर मिडास ऑफ गोल्ड

प्र.45 सिन्धु सभ्यता में पाई गई मुहरें किसकी बनी होती थी?

उत्तर सेलखड़ी से

प्र.01 शैल चित्र कला के बारे में आप क्या जानते है,

उत्तर प्रागैतिहासिक काल में अनेक शैला– श्रय(प्रारामि्भक मानव का निवास स्थान) में तत्कालीन मानव द्वारा चित्रांकन किया गया है जिसे शैल चित्र कहा जाता है।

प्र.02 वेदांत साहित्य किसे कहा जाता है?

उत्तर वैदिक साहित्य को ठीक तरह से समझने हेतु वेदांग साहित्य की रचना की गई जिसके छः भाग है– शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, छन्द एवं ज्योतिष।

प्र.03 समुद्रगुप्त के सिक्कों की विशेषताएं बताओं।

उत्तर समुद्रगुप्त के सिक्को पर अश्व व यूप के चिन्ह मिलते है तथा अश्वमेघ पराक्रम लिखा हुआ मिलता है जो उसके द्वारा अश्वमेघ यज्ञ करने की पुष्टि करता है, वीणा बजाने का चिन्ह उसके संगीत प्रेमी होने का प्रमाण है।

प्र.04 सिन्धु नदी का उद्‌गम स्थल कहां है?

उत्तर सिन्धु नदी का उद्‌गम स्थल तिब्बत के मानसरोवर के उत्तर में स्थित संगेखबब, सिंहमुख हिमनंद से है।

प्र.05 राजस्थान में वंशावलिया लिखने का काम करने वाली प्रमुख जातिया कौनसी है?

उत्तर राजस्थान में कुछ जातिया घर घर जाकर लोगों के वंशजों की जानकारी बहियों में लिखते हे जिनमें रावजी जागा, भाट, बड़वा, आदि जातिया है।

प्र.06 विशुद्ध साहित्यिक ग्रंथ किसे कहा गया है?

उत्तर विशुद्ध साहित्य में नाटक, टीका, व्याकरण ग्रन्थ, काव्य कथा साहित्य जिसमें तत्कालीन शासकों की सामाजिक आर्थिक जानकारी प्राप्त होती है।

प्र.07 साहित्यिक स्त्रोत किसे कहते है तथा ये कितने प्रकार के होते है?

उत्तर जो इतिहास की जानकारियां साहित्य के रूप में लिखी हुई पाई जाती है वह साहित्यिक स्त्रोत कहलाती है ये तीन प्रकार की होती है– धार्मिक, धर्मेत्तर व वंशावलिया।

प्र.08 मिलिन्दपन्हो नामक बौद्ध ग्रन्थ में किस–किसके बीच वार्ता का वर्णन है?

उत्तर बौद्ध भिक्षु नागसेन व यूनानी आक्रमणकारी मिनाण्डर के बीच

प्र.09 भारत के अलावा और कौनसे देशों में बोद्ध साहित्य पाया गया है?

उत्तर भारत के अतिरिक्त मध्य व पश्चिम एशिया तिब्बत चीन, जापान, बर्मा, श्रीलंका आदि स्थानों से।

प्र.10 आचारांग सुत्र किससे सम्बधित है?

उत्तर जैन साहित्य से जिसमें जैन साधुओं के आचरण व्यवहार से सम्बधित है।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.11 राजतरंगिणी का सामान्य परिचय बताओं?

उत्तर कल्हण द्वारा रचित कश्मीर के राजाओं का इतिहास यह एक विशुद्ध साहित्यिक ग्रन्था है जिसकी रचना 1150 में हुई।

प्र.12 तमिल साहित्य का अन्य नाम क्या है?

उत्तर तमिल साहित्य का अन्य नाम संगम साहित्य है जो एक क्षेत्रिय साहित्य है इसके रचनाकार अगस्त्य ऋषि थे।

प्र.13 प्रमुख यूनानी लेखक जिनसे भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है?

उत्तर टेसिमस, हेरोडोटस, नियकिस, एरिस्टोब्युलस, आनेक्रिटिस, स्ट्रेबो, एरियन तथा स्काईलेक्स।

प्र.14 भारत की यात्रा करने वाले प्रमुख चीनी यात्री कौन कौन थे?

उत्तर फाह्यान, सुंगयुन, ह्वेनसांग एवं इत्सिंग महत्वपूर्ण यात्री थे जिन्होने भारत की यात्रा की।

प्र.15 किस शासक के काल में प्रमुख चीनी यात्री फाह्यान भारत आया?

उत्तर सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के काल में (399–414 ई में भारत आया था)

प्र.16 तारिख ए हिन्द नामक रचना किस साहित्य से सम्बधित है?

उत्तर अरबी साहित्य से सम्बन्धित अल्बेरूनी द्वारा रचित है?

प्र.17 वंशावली लेखन की शुरूआत किसके द्वारा की गई?

उत्तर वैदिक ऋषियों द्वारा समाज को संगठित व सुव्यवस्थित करने हेतु वंशावली लेखन की शुरूआत हुई।

प्र.18 पुरातात्विक स्त्रोत से क्या अभिप्राय है?

उत्तर वो प्राचीन अवशेष जिनसे मानव क्रिया कलापो की जानकारी प्राप्त होती है।

प्र.19 भारत की प्रमुख मृदभाण्ड संस्कृतिया कौन कौनसी है?

उत्तर (1) गेरूए रंगयुक्त (2) काले व लाल (3) चित्रित
(4) स्लेटी व उत्तरी काली चमकीली ।

प्र.20 एतिहासिक स्त्रोतों के रुप में अभिलेख क्यों प्रमुख है?

उत्तर तिथि युक्त व समसामयिक होने के कारण

प्र.21 मूर्तिलेख किसे कहते है?

उत्तर शासकों द्वारा निमित कई मूर्तियों के सिर अथवा मध्य भाग पर तिथि अंकित करवाई जाती है ये लेख मूर्तिलेख कहलाते है।

प्र.22 प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त करने में सिक्कों तथा मुद्राओं की क्या भूमिका है?

उत्तर सिक्कों अथवा मुद्राओं द्वारा तत्कालीनशासको के नाम तिथि, समय, वंश परम्परा तथा रुचि व आर्थिक, सामाजिक जानकारियां पता चलती है।

प्र.23 पंचमार्क सिक्के किसे कहा जाता है?

उत्तर सर्वप्रथम प्राप्त सिक्के जो चांदी अथवा ताम्बें से बने है उन पर केवल चित्र बने है इन्हे पंचमार्क या आहत सिक्के कहा जाता है।

प्र.24 गुप्त काल में किस धातु की मुद्राए प्रचलन में थी?

उत्तर स्वर्ण व रजत दोनो प्रकार की मुद्राए प्रचलन में थी।

प्र.25 जोगलथम्बी में पाए गए सिक्के किस काल के है?

उत्तर ये सिक्के शक सातवाहन काल के है।

प्र.26 स्मारक व भवन प्राचीन इतिहास की जानकारी प्रदान करने में किस प्रकार सहायक है?

उत्तर वो सभी भवनों के अवशेष जो भूगर्भ में अथवा भूमि के उपर प्राप्त हुए जिनमें स्तूप, चेत्य, विहार, मन्दिर व राजप्रासाद दुर्ग व भवन जिनसे निर्माता व तिथियों का पता चलता है।

प्र.27 कौनसे स्मारक है जो भारतीय संस्कृति का विदेशों में प्रसार करने में सक्ष्म है?

उत्तर कम्बोडिया में अंगकोरवाट के मन्दिर जावा में बोरोबुदूर स्तुप, चीन की दिवार पर लिखा वाक्य आदि।

प्र.28 भारत में प्रमुख शैल चित्र कहां पाए गए है?

उत्तर दक्षिण पूर्वी राजस्थान, उत्तरी राजस्थान, शेखावाटी क्षेत्र तथा मध्यप्रदेश में भीमबेटका व पंच मंढी।

प्र.29 सिन्धु सभ्यता को हड़प्पा क्यो कहा जाता है?

उत्तर सबसे पहले हड़प्पा नामक स्थान की खोज होने के कारण हड़प्पा सभ्यता कहा जाता है।

प्र.30 सरस्वती नदी के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तर इस नदी का उदगम शिवालिक की पहाड़ियां से माना जाता है ये हरियाणा वा राजस्थान से होती हुई कच्छ के रण में गिरती थी वर्तमान में इसका अस्तित्व नही है।

प्र.31 आप कैसे कह सकते है कि लोथल का बन्दरगाह काफी बड़ा था?

उत्तर इतिहासकार रंगना व राव ने लिखा है कि लोथल बन्दरगाह रोम व फिनिशिया की गोदी से भी बड़ा प्राचीन व विकसित था तथा वर्तमान विशाखपट्टनम से बड़ा है।

प्र.32 सिन्धु सभ्यता में कला के प्रमुख प्रमाण क्या मिलते है?

उत्तर पत्थरों की मूर्तियाँ, मणके, मृदभाण्ड, मुहरें, कांसे मुर्तियां,मृणमूर्तियो व पात्र यहाँ की कला के उत्कृष्ट प्रमाण है।

प्र.33 सिन्धुवासियों द्वारा शल्यचिकित्सा के ज्ञाता होने के क्या सबूत है?

उत्तर कालीबंगा में मिली बालक की खोपड़ी जिससे 6 छेद हैं। इसमें कुछ छेद भर गए प्रतीत होते है।

प्र.34 किस सिन्धु स्थल से घोड़े के अवशेष मिले है?

उत्तर सुरकोटड़ा व रणघुण्डई से अवशेष तथा लोथल व रंगपुर से घोड़े की मिट्टी की मूर्तियाँ।

प्र.35 सिन्धुवासियों द्वारा धातु उपयोग के अवशेष क्या प्राप्त हुए है?

उत्तर वे लोग ताम्बें व कांसे से परिचित थे, ताम्बें के मछली के कांटे, बाणग्र, आरी, तलवार, छेनी, चाकू, बर्तन तथा कांसे से बनी नर्तकी की मुर्तियाँ।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.36 सिन्धु सभ्यता में प्राप्त मुहरों पर कौन–कौनसे जानवर के चित्र पाए गए है

उत्तर एक सींग वाला गेंड़ा,(पशु) बाघ, हाथी, सांड आदि।

प्र.37 सिन्धु सभ्यता में समाज में प्रायः कौन–कौनसे वर्ग निवास करते है?

उत्तर शासक वर्ग सामान्य वर्ग, श्रमिक वर्ग, कृषक वर्ग,आदि।

प्र.38 आपे कैसे कह सकते है कि सिन्धु सभ्यता में परिवार मातृ सतात्मक होते थे?

उत्तर मातृ देवी की मिट्टी की बनी मूर्तियों से समाज में नारी का महत्व व परिवार मातृ सतात्मक होने की जानकारी प्राप्त होती है।

प्र.01 प्राचीन कालीन भारतीय इतिहास की जानकारी में यूनानी साहित्य का योगदान बताओ

उत्तरः– जिस प्रकार भारत की संस्कृति प्राचीन है वैसे ही यूनान की भी प्राचीन संस्कृति है, भारत तथा यूनान के सम्बन्ध शुरू से ही रहे है । कई यूनानी लेखकों ने भारत के बारे में लिखा है जिनमे टेसियस हेरोडोटस निर्याकस एरिस्टोब्युलस, अनिक्रिटिस स्ट्रेबो एरियन व स्काइलेक्स आदि है इनमें से मेगस्थनीज जिसने चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में सेल्यूक्स के राजदूत के रूप में रहकर इण्डिका नामक पुस्तक की रचना की जिससे मौर्य काल की राजनैतिक व सामाजिक व्यवस्था का पता लगता है। इनके अलावा टॉलमी का भूगोल, प्लिनी दी. एल्डर की नेचुरल हिस्ट्री एरिस्टोब्यूलस की हिस्ट्री ऑफ दी वार, स्ट्रेबो का भूगोल आदि उल्लेखनीय है।

प्र.02 प्राचीन कालीन इतिहास की जानकारी के स्त्रोतों के रूप में सिक्कों का क्या योगदान है।

उत्तरः– सिक्को के द्वारा भी हमें भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है, इसमें तत्कालीन राजाओं के नाम समय, चित्र, वंश, परम्परा , धर्म, गौरवपूर्ण कार्य, कला, शासक की रूचि आदि की जानकारी मिलती है, इसमें गुप्त काल के सिक्के प्रमुख है, जिनके द्वारा समुन्द्रगुप्त की वीणा वादक तथा व्याघ्र निहन्ता होने के साक्ष्य मिलते हैं। कुमार गुप्त के समय के सिक्के उसके शैव भक्त होने की जानकारी देते है सबसे प्राचीन सिक्के चांदी व ताम्बें के मिलते है, जिनमें पंचमार्क सिक्के है। हिन्द युनानी काल के लेखयुक्त सिक्के तथा गुप्त काल में सोने व चांदी की मुद्रा चलती है। बयाना(राजस्थान) व जोगलथम्बी (नासिक) से सिक्के के ढेर मिले है जो शक सातवाहन संघर्ष की जानकारी देते है इस प्रकार मोहरों का भी सिक्को की तरह महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्र.03 पाषाण काल का क्या अभिप्राय है? समझाइए।

उत्तर– प्राचीन काल में मानव के औजार पत्थर के बने हुए थे इसलिए वो पाषाण युगीन मानव कहलाता था तथा उस समय को पाषाण काल के नाम से जाना जाता है पाषाणों को काम लेने की जानकारी 20 लाख वर्ष पुरानी पाषाण उपकरण मिलने से इनकी प्राचीनता साबित होती हैं। इस युग को तीन भागों में बाटा गया है –

1. पुरा पाषाणकाल :– 20 लाख वर्ष पुराने औजार थे जो आकार में बडे व मोटे है। लेकिन सुगढ़ नही है।

2. मध्य पाषाणकाल :– 12 हजार वर्ष पूर्व के औजार तथा सुक्ष्म आकार इस युग का मानव शिकार व पशुपालन करता था।

3. नवपाषाण युग :– मानव द्वारा कृषि कार्य की शुरूआत तथा औजारों में कुशलता कृषि कार्य में काम आने वाले औजार जैसे बसूला, छेनी, कुल्हाडिया, हथोडा, शिललोद व ओखली आदि।

प्र.04 सिन्धु सभ्यता में सामाजिक जीवन की प्रमुख विशेषताए बताओ?

उत्तर सिन्धु सभ्यता के विभिन्न अवशेषो से पता चलता है कि समाज की विभिन्न वर्गों के लोग निवास करते थे, जिनमें प्रमुख शासक वर्ग इसके अलावा कर्मचारी, सामान्य वर्ग, कृषक तथा श्रमिक वर्ग भी था

शासक व कर्मचारी उच्च्य स्थल अथवा गढी क्षेत्र में रहते थे शेष वर्ग नगर में निवास करते थे समाज में सबसे छोटी इकाई परिवार था तथा परिवार मातृसतात्मक होते थे, जिसके कई साक्ष्य प्राप्त हुए है मनके मिलने से पता चलता है कि पुरूष व महिलाए दोनों आभूषण प्रेमी थे मनोरंजन भी करते थे जिसका उदाहरण एक मुद्रा पर ढोलक का चित्र मिलना है शिकार के व संगीत के भी उदाहरण मिलते है

प्र.05 भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त करने में अभिलेखों का क्या योगदान है?

उत्तर इतिहास की जानकारी प्राप्त करने में अभिलेख भी महत्वपूर्ण है इनके ऊपर तिथि पाई जाने के कारण समय की गणना आसानी से की जा सकती है किसी राजा का नाम व समय तथा उसकी उपलब्धिया आदि की जानकारी के साथ ही राजनैतिक व आर्थिक स्थिति का पता चलता है प्रमुख अभिलेखों में अशोक के अभिलेख, खारवेल का हाथीगुम्फा, गौतमी पुत्र शातकर्णी का नासिक अभिलेखों प्रयाग प्रशस्ति आदि है। अभिलेखों में शिलालेख, गुहालेख, ताम्रलेख सभी प्रकार के है जिनसे जूनागढ़ का रूद्रदामन, चन्द्रगुप्त का मेहरोली स्तम्भ लेख प्रभावती गुप्त का ताम्र लेख, अशोक के बराबर गुहालेख, दशरथ के नागार्जुनी गुहा लेख आदि महत्वपूर्ण है।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.06 प्राचीन भारतीय इतिहास में नाविक शक्ति के बारे में बताइए।

उत्तर हमारे देश में प्राचीन काल में ही जलयानों की जानकारी प्राप्त होती है जिसमें चाहे सिन्धु सभ्यता हो या मौर्य काल व गुप्त काल हो जिसके महत्वपूर्ण अवशेष लोथल की गोदी व गुप्तकाल के सोराष्ट्र व भृगुकच्छ बन्दरगाह जिनसे दूर–दूर तक व्यापार होता था।

फाह्यान ने अपने यात्रा वृतांत में लिखा है कि मैने स्वयं ने एक बड़े जहाज से यात्रा की थी। प्राचीन काल की नाविक शक्ति की जानकारी राजा भोज की रचना युक्तिकल्पतरू के माध्यम से भी पता चलती है।

प्र.07 भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रचार–प्रसार था। उक्त कथन की विवेचना कीजिए?

उत्तर दुनिया की जितनी भी संस्कृतियां है उनमें भारतीय संस्कृति अपना विशिष्ट स्थान रखती है जो दुनिया के कोने–कोने में देखी जा सकती है जिसका उदाहरण प्राचीन काल में चीन की दीवार पर लिखा प्रसंग ''यक्षों के द्वारा परमेश्वर हमारी रक्षा करें''। भारतीय इतिहासकारों के अलावा कई विदेशी लेखकों ने इसकी विशेषताओं का वर्णन किया है जिसमें इतिहासकार म्यूर सरवाल्टर रेले आदि है। प्राचीन काल में भारतीय संस्कृति विदेशों में दूर–दूर तक फैली थी जिसके उदाहरण जावा सुमात्रा अफगानिस्तान तक प्राप्त होते है प्राचीन भारतीय संस्कृत भाषा तथा ज्ञान विज्ञान विश्व में फैला हुआ था । यहा की कला व संस्कृति के अवशेष तथा नगरों तथा लोगो के नाम भारतीय संस्कृति के प्रसार के बारे में बताती है।

प्र.08 सिन्धु सभ्यता का साधारण परिचय बताओं?

उत्तर वर्तमान पाकिस्तान में जब लाहौर में सर्वप्रथम रेल्वे लाईनों के निर्माण कार्य हो रहे थे तब टीलो से निकलने वाली ईटो के बारे में लोगों को पता चला कि यहां कोई प्राचीन नगर हो सकता है 1856 में इसकी सूचना सरकार को दी गई 1861 में पुरातत्व विभाग की स्थापना हुई दयाराम साहनी व राखलदास बनजी ने क्रमशः हड़प्पा व मोहन जोदडो का पता लगाया

सिन्धु नदी के आसपास भारत, पाकिस्तान व अफगानिस्तान में इसके अवशेष पाये गये है

इसका विस्तार पूर्व से पश्चिम 1600 किलो मीटर व उत्तर से दक्षिण 1400 किलो मीटर था।

प्र.09 सिन्धु सभ्यता में नगर नियोजन के बारे में बताइए?

उत्तर सिन्धु सभ्यता में नगर सुनियोजित तरीके से बसे हुए थे प्रत्येक नगर में राजा का आवास जिसे गढ़ी कहा गया है तथा शेष जनता के आवास थे–नगर के चारो और परकोटा होता था सड़के एक–दूसरी को समकोण पर काटती थी सड़के 9 फिट से 34 फिट तक चौड़ी होती थी गलिया 2.2 मीटर होती थी कालीबंग में सड़के 1.8, 3.6, 5.4, 7.2 मीटर चौड़ी होती थी ईटो की आकृति 4:2:1 में होती थी परकोटे की ईटो का आकार बड़ा होता था घरों में 3.4 कमरे स्नानागार, शौचालय, पाठशाला व कुए पाए गए है गन्दे पानी के निकास हेतु नालिया होती थी जो पक्की व ढकी हुई पाई गई है।

निबन्धात्मक प्रश्नोत्तर

प्र.01 प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी में पुरातात्विक स्रोतो का वर्णन कीजिए?

उत्तर प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी में पुरातात्विक स्रोतो का योगदान प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी के सर्वाधिक विश्वसनीय स्रोत पुरातत्विक स्रोत हैं। पुरातात्व का तात्पर्य अतीत के अवशेषों के माध्यम से मानव क्रिया–कलापो का अध्ययन करना है। प्राचीन भारतीय इतिहास के प्रमुख पुरातात्विक स्रोत निम्नलिखित हैं–

(1) **उत्खनन से प्राप्त अवशेष (मृद्भाण्ड, औजार व उपकरण)–**
पाषाणकालीन मानवीय संस्कृति व सभ्यता के बारे में जानकारी के लिए उत्खनन से प्राप्त पुरावशेष ही मुख्य स्रोत है प्राप्त औजारों एवं मृद्भाण्डों (मिट्टी के बर्तनों) से हम भारत के मानव की विकास–यात्रा को समझ सकते है। सिन्धु–सरस्वती सभ्यता की जानकारी उत्खनन से प्राप्त सामग्री पर ही आधारित है। इतिहासकारों के अनुसार प्राचीन भारत में चार मृद्भाण्ड संस्कृतियाँ विद्यमान रही हैं–

(i) गेरूए रंग युक्त मृद्भाण्ड संस्कृति।

(ii) काले व लाल मृद्भाण्ड संस्कृति।

(iii) चित्रित स्लेटी रंग की मृद्भाण्ड संस्कृति।

(iv) **उत्तरी** काली चमकीली परम्परा संस्कृति।

उत्खनन में सड़के, नालियाँ, ताँबे व कांस्य सामग्री, औजार, बर्तन, अभूषण आदि पुरावशेष मिले है, जिससे तत्कालीन मानव–समाज व संस्कृति की जानकारी मिलती है।

(2) **अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्त्व –**

1. राजाओं की उपलब्धियों की जानकारी –
शिलालेखों से हमें अशोक के शासन तथा उसके नैतिक सिद्धान्तों के बारे में जानकारी मिलती है। जूनागढ़ का रूद्रदामन का अभिलेख तथा खारवेल का हाथी गुफा अभिलेख भी काफी प्रसिद्ध है। प्रयाग स्तम्भलेख से समुद्रगुप्त, 'महरौली स्तम्भ लेख' से चन्द्रगुप्त द्वितीय, भीतरी स्तम्भ लेख से स्कन्द गुप्त की उपलब्धियों के बारे में जानकारी मिलती है।

2. गुप्तकाल के इतिहास की जानकारी–
ताम्रपात्र लेखों से गुप्तों की इतिहास की जानकारी मिलती है

3. राजाओं के शासनकाल की घटनाओं की जानकारी–
अशोक के अभिलेखों से उसके शासनकाल के बारे में जानकारी मिलती हैं।

4. राजाओं की सीमाओं की जानकारी –
अभिलेखों से विभिन्न शासको के राज्यों की सीमाओं की जानकारी मिलती है।

5. विभिन्न शासकों के बारे में जानकारी–
अभिलेखों से हमें शासकों के नाम, उनकी वंशावली, तिथिक्रम, समसामयिक घटनाओं आदि की जानकारी मिलती है।

6. समकालीन भारत की विभिन्न स्थितियों की जानकारी–
अभिलेखों में समकालीन भारत की राजनीति सामाजिक धार्मिक एवं आर्थिक स्थिति की जानकारी मिलती है।

7. शासकों के व्यक्तित्व तथा चरित्र की जानकारी अभिलेखों से हमें तत्कालीन शासकों के चरित्र एवं व्यक्तित्व के बारे में जानकारी मिलती है।

(3) **सिक्के व मुद्राएं** – प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी में सिक्कों मुद्राओं व मुहरों से बड़ी सहायता मिलती है।

1. सिक्कों से राजाओं के नाम, तिथिओं, वंश–परम्परा, उनकी उपलब्धियों, धर्म, कला आदि के बारे में जानकारी मिलती है।
2. सिक्कों से राजाओं के निजी गुणों की जानकारी मिलती है।
3. सिक्को के प्राप्ति स्थानों से विभिन्न शासकों के साम्राज्य विस्तार, उनके आर्थिक स्तर, विदेशी व्यापार आदि की जानकारी मिलती है।
4. सिक्कों पर अंकित तिथियों से हमें इतिहास की तिथियाँ निर्धारित करने मे सहायता मिलती है।
5. सिक्के राजाओं की धार्मिक अभिरूचियों पर प्रकाश डालते है।
6. सिक्कों से तत्कालीन कला के स्तर पर प्रकाश पड़ता है। इससे नवीन तथ्यों की भी जानकारी मिलती है।

(4) **स्मारक व भवन** – भवन, मन्दिर, दुर्ग, स्तूप, स्तम्भ, विहार, राजप्रसाद आदि प्राचीन भारत की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक स्थिति एवं कृलाकृति व संस्कृति पर प्रकाश डालते है। मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा के अवशेषो से हमें वहॉ की सभ्यता एवं संस्कृति की जानकारी मिलती है।

(5) **मूर्तियां, शैल चित्र व अन्य कलाकृतियाँ** – मूर्तियों से तत्कालीन कला, धर्म, संस्कृति और सामाजिक जीवन की जानकारी मिलती है। शैल चित्रों से प्रागैतिहासिक काल के मानव के सांस्कृति, सामाजिक व धार्मिक जीवन की जानकारी मिलती है। अजन्ता की चित्रकला, दुर्गों व महलो के भित्ति चित्र से भी प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी मिलती है।

प्र.02 प्राचीन काल में भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार का वर्णन कीजिए?

उत्तर हमारी भारतीय संस्कृति प्राचीनकाल से ही गौरवपूर्ण रही है तथा बिना किसी आक्रमण के सम्पूर्ण विश्व में फैली हुई थी। प्राचीन अवशेषों में चीन की दीवार पर संस्कृत भाषा में लिखा वाक्य है कि यक्षों के द्वारा परमेश्वर हमारी रक्षा करे। भारतीय इतिहासकारों के अलावा पश्चिमी लेखको ने भी भारतीय संस्कृति का उल्लेख किया है जिनमें म्यूर, सर वालटर रेले, कर्नल अल्काट आदि है।

फ्रांसीसी विद्वान वाल्टेयर को ऋग्वेद की प्रति भेट की गई तब उसने कहा कि यह देन इतनी अमूल्य है कि पाश्चात्य राष्ट्र सदैव इसके ऋणी रहेगा।

मेक्स मूलर ने कहा है कि भारतीय संस्कृति दक्षिण अमेरिका में भी पाई जाती है जिसके सबूत अपने आप को सूर्यवंशी मानना, विजयादशी रामसीतोत्सव व रामजन्मोत्सव मनाना है।

प्राचीन धर्म ग्रन्थों में जिनमें पुराण जो कि भारत को जम्बूद्वीप के नाम से पुकारते है समुद्री द्वीपो को दीपान्तर कहा जाता था। अरबी भूगोलवेता अल मसूदी ने भारतीय साम्राज्य जमीन व समुद्र दोनों पर बताया है। भारत का विस्तार दूर–दूर तक था तथा शक्तिशाली जलयानों के द्वारा लोग समुद्री यात्रा करते थे तथा बर्मा, श्याम, इण्डोनेशिया, मलेशिया आस्ट्रेलिया, बोर्निओ, फिलिपिन्स, जापान आदि देशो तक जाते थे।

पश्चिमी समुद्री तट पर स्थित बन्दरगाहों से द्रविड पर्यटक तथा यात्री अफ्रीका तक जाते थे।

कुछ शूरवीर हिमालय के उत्तर पूर्व भाग में गए तथा तिब्बत, मंगोलिया, सिक्यांग उत्तरी चीन मंचूरिया साईबेरिया तक गए और भारतीय संस्कृति को फैलाया। इसी प्रकार एक शाखा पश्चिम की और फैली तथा गांधार इराक, पर्शिया,इरान, तुर्किस्तान, अरब, टर्की तथा दक्षिणी रूस के विभिन्न राज्यों एवं फिलीस्तीन तक भारतीय संस्कृति को फैलाया इसी प्रकार सुसंस्कृत आर्य लोग विश्व के कोने –कोने में गए एवं संसार के सभी भागों में जाकर वहा के निवासियों को सुस्कृत बनाने का कार्य किया भारतीय ऋषियों का प्रमुख आदर्श कृणवन्तो विश्व आर्य के साथ समुद्र पार दूर–दूर तक गए कोण्डिन्य में फुनान संस्कृति का निर्माण किया कम्बू कम्बोडिया पहुंचा चम्पा और अनाम में बलाढ्य हिन्दु राज्य की स्थापना हुई। सुमात्रा में श्रीविजय का शासन स्थापित हुआ अश्व वर्मन बोर्निओ पहुचा

इस प्रकार ये वीर जहॉ जहॉ गए वहा भारतीय ज्ञान–विज्ञान की फैलाया जिसमें भारतीय दर्शन, विज्ञान, ज्योतिष गणित, स्थापत्य, युद्धशास्त्र आदि इण्डोचाइना, इण्डोनेशिया, कम्बोडिया में मिले संस्कृत भाषा के लेख भारतीय संस्कृति के प्रमाण है यहां के बोद्ध व विष्णु के मंदिर तथा बोरोबुदूर व अंगकोरवाट का भव्य शिल्प अजन्ता एलोरा से मिलते जुलते है साथ ही इन स्थानों के तथा स्मारकों के नाम भारतीय नामों से मिलते जुलते है इन सब तथ्यों से पता चलता है कि भारतीय संस्कृति दुनिया भर में फैली हुई थी।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.03 सिन्धु घाटी सभ्यता की आर्थिक उपलब्धियों की विवेचना कीजिए?

उत्तर सिन्धु वासियों द्वारा की जाने वाली विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के अवशेष प्राप्त होते है

जिनमें 1. कृषि 2. पशुपालन 3. उद्योग धन्धे 4. तथा व्यापार में पशुपालन में अन्य पशुओं की भांति घोड़े से भी परिचित थे जिसके अवशेष सुरकोरड़ा तथा रण घुण्डई से प्राप्त होते है

- ''रंगपुर व लोथल से घोडे की मिट्टी की मूर्तिया मिली है'' SR Raw. कच्छ सरस्वती नदी शोध अभियान के दौरान सरस्वती नदी के तट पर घोड़ो की अस्थियों मिली है – V.S.Bakankan
- **कृषि** –सिन्धुवासी कृषि के क्षेत्र में पारंगत थे जिसके प्रमाण कालीबंगा में जुते हुए खेत के अवशेष मिलना तथा हड़प्पा तथा मोहन जोदड़ो से प्राप्त होने वाले अन्नागार है ऐसा अनुमान है कि वो लोग गेहूँ, जौ, मोटे अनाज, ज्वार, दाल व चावल से परिचित थे

  एक साथ दो फसल करने के भी संकेत मिलते है तथा कृषि में काम आने वाले औजार पाए गए है।
- **उद्योग व्यवसाय** – विभिन्न प्रकार के औजार व उपकरण पाए गए है जिनसे उनका धातु उद्योग की झलक मिलती है औजार ताम्बे के होते थे जिनमें बाणाग्र, चाकू, मछली पकड़ने के कांटे आदि है तथा कांसे से बनी नर्तकी की मूर्ति के साथ ही बैल, कुत्ते तथा पक्षियों की कई कला कृतियां पाई गई है।

  मिट्टी के बर्तनों का निर्माण, मनके बनाना जिसका उदाहरण चन्हूदड़ो तथा लोथल में मिले मनको के ढेर है मनके विभिन्न धातुओं से बनने के भी प्रमाण पाए गए है।

  मुहरो में मुख्य रूप से सेलखड़ी से बनी हुई पाई गई जिनकी संख्या 2500 के आसपास है इन मुहरो पर विभिन्न पशुओं तथा पेड़–पौधों के चित्र पाए गए है।

  वस्त्र उद्योग में कपास पैदा करना, वस्त्र बनाने वाले उपकरण उपलब्ध हुए है जिनसे अनुमान है कि वो वस्त्र उद्योग से परिचित थे।
- **व्यापार व वाणिज्य** – सिन्धुवासी स्थानीय व विदेशी दोनो व्यापार करते थे जिनके विभिन्न प्रकार के साक्ष्य मिले हैं प्रमुख व्यापारिक सामान में ताम्बा, रत्न धातुऐं आदि थे। विभिन्न धातुएं विभिन्न स्थानों से मंगवाने के अनुमान है जैसे ताम्बा राजस्थान से सोना मैसूर से आदि विदेशी व्यापार मेसोपोटामिया से होने के साक्ष्य मिले है जिनमें अभिलेख तथा मुहरों का मिलना है। लोथल तथा मेसोपोटामिया में मिली मुहरो की समानता विदेशी व्यापार का दर्शाती है। व्यापार में माप तोल अथवा बाट काम में लेते थे बाट की श्रृंखला बढ़ते क्रम में होती थीं

  जैसे – 1, 2, 4, 8, 16, 32, 64 तक

प्र.04 भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त करने में धार्मिक साहित्य का योगदान बताइए?

उत्तर भारतीय इतिहास की जानकारी प्रदान करने में धार्मिक साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान है

धार्मिक साहित्य को मुख्यतःतीन भागों में बांटा गया है–

(I) ब्राह्मण साहित्य (II) बौद्ध साहित्य (IIII) जैन साहित्य

- ब्राह्मण साहित्य – इस साहित्य में सर्वाधिक प्राचीन ग्रन्थ वेद है जो संख्या में चार है।

  (I) ऋगवेद – जो सर्वाधिक प्राचीन है जिसमें 10 मण्डल व 1028 सुक्त है

  (II) युजर्वेद – जो यज्ञों से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करता है

  (IIII) सामवेद – गायन से सम्बन्धित है

  (IV) अथर्व वेद – अथर्वा कृषि द्वारा रचित जिसमें ब्रह्मज्ञान धर्म समाज निष्ठा, औषधि का प्रयोग शत्रुओं का दमन रोग निवारण, तन्त्र मन्त्र आदि से सम्बन्धित है
- प्रत्येक वेद के चार भाग है

  ब्राह्मण ग्रन्थ : यज्ञ और कर्मकाण्डो पर आधारित साहित्य ब्राह्मण ग्रन्थ कहलाते है।

  आरण्यक – इन की रचना जंगलों में ऋषियों द्वारा की गई। इनमें दार्शनिक विषयों की जानकारी मिलती है।

  उपनिषद् – इनमें गूढ़ विषयों एवं नैतिक आचरण की जानकारी मिलती है।

  वेंदांग साहित्य – इसके छः भाग है शिक्षा, कल्प, व्याकरण निरुक्त, छन्द, ज्योतिष

  चार उपवेद – आयुवेद, धनुर्वेद, शंथर्ववेद, शिल्प वेद है जिनमें चिकित्सा, सैन्य विद्या, शिल्पविद्या आदि की जानकारी मिलती है। रामायण, महाभारत नामक ग्रन्थों से भी भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है।

  स्मृतिया – मनुस्मृति तथा याज्ञवल्य स्मृति भी है ।

  पुराण – जिनकी संख्या 18 है ये भी सांस्कृतिक ज्ञान के भण्डार है इनके पांच विषय है । सबसे प्राचीन पुराण मत्स्य है।

–बौद्ध साहित्य –

- **त्रिपिटक** – ये बोद्ध धर्म के सर्वाधिक ज्ञान के भण्डार है संख्या में तीन है। जिनमें बौद्ध धर्म के नियम आचरणों से सम्बन्धित है
- **जातक कथाए** – इनकी संख्या 549 है जिसमें महात्मा बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाए है बोद्ध ग्रन्थ पाली भाषा व संस्कृत दोनों में पाए गए है। भारत के अलावा अन्य देशों में भी बोध साहित्य उपलब्ध होता है जिनमें मध्य व पश्चिम एशिया, तिब्बत, चीन, जापान, ब्रह्मा, श्रीलंका आदि देशों में प्रमुख है। अतः बौद्ध साहित्य महत्त्वपूर्ण साहित्यिक स्रोत है।

– जैन साहित्य –

- जैन साहित्य में भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है इनमें महत्वपूर्ण ग्रन्थ आगम है

  जैन साहितय की प्रमुख भाषा प्राकृत है
- अन्य जैन ग्रन्थ – कथाकोष, परिशिष्ट पर्वन, भद्रबाहूचरित कल्पसूत्र, भगवतीसूत्र आदि प्रमुख है भद्रबाहू चरित जिसमें जैन मुनी भद्रबाहु तथा चन्द्रगुप्त मौर्य के जीवन के अंन्तिम समय की कहानी है ।

  इस प्रकार हम कह सकते है कि भारतीय इतिहास की जानकारी में धार्मिक साहित्य का बड़ा योगदान है।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय–2
भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ

प्र.1 चंद्रगुप्त मौर्य ने किस शासक को पराजित करके मौर्य साम्राज्य की स्थापना की ?
(अ) सेल्यूकस (ब) सिकंदर
(स) घनानंद (द) पुष्यमित्र (स)

प्र.2 प्रयाग प्रशस्ति में किस गुप्त शासक की विजयों का उल्लेख है?
(अ) चंद्रगुप्त प्रथम (ब) स्कंदगुप्त
(स) समुद्रगुप्त (द) कुमारगुप्त (स)

प्र.3 किस भारतीय गणितज्ञ ने दशमलव प्रणाली का सर्वप्रथम विवेचन किया ?
(अ) वराह मिहिर (ब) ब्रह्मगुप्त
(स) धनवंतरी (द) आर्यभट्ट (द)

प्र.4 बिंदुसार किस नाम से प्रसिद्ध था ?
(अ) अमित्रघात (ब) शत्रुघात
(स) सर्वमित्रम् (द) परमहितेषी (अ)

प्र.5 सेल्यूकस ने अपने किस राजदूत को चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा था?
(अ) चाणक्य (ब) मेगस्थनीज
(स) डाइमेकस (द) डायोनिसस (ब)

प्र.6 मौर्य काल में राजकीय कोष का मुख्य अधिकारी होता था ?
(अ) सन्निधाता (ब) समाहर्ता
(स) पुरोहित (द) कर्मांतिक (अ)

प्र.7 गुप्त साम्राज्य का संस्थापक कौन था ?
(अ) घटोत्कच (ब) चंद्रगुप्त द्वितीय
(स) श्रीगुप्त (द) समुद्रगुप्त (स)

प्र.8 निम्न में से कौन गुप्तकालीन चिकित्सा शास्त्री नहीं है ?
(अ) वाग्भट्ट (ब) धनवंतरी
(स) नागार्जुन (द) आर्यभट्ट (द)

प्र.9 निम्न में से कौन सा ग्रंथ कालिदास का नहीं है ?
(अ) अभिज्ञान शकुंतलम (ब) रघुवंश
(स) मुद्राराक्षस (द) मालविकाग्निमित्रम (स)

प्र.10 पाणिनी द्वारा रचित ग्रंथ कौन सा है ?
(अ) अष्टाध्यायी (ब) वार्तिक
(स) सेतुबंध (द) सांख्यकारिका (अ)

प्र.11 किस ग्रंथ में चोल कालीन इतिहास की जानकारी मिलती है ?
(अ) अष्टाध्यायी (ब) वार्तिक
(स) महाभारत (द) सभी (द)

प्र.12 चोल साम्राज्य का द्वितीय संस्थापक कौन था ?
(अ) विजयालय (ब) आदित्य प्रथम
(स) राजराज प्रथम (द) राजेंद्र प्रथम। (अ)

प्र.13 बृहदीश्वर मंदिर का निर्माण किसने करवाया ?
(अ) राजेंद्र प्रथम (ब) राजराज प्रथम
(स) करिकाल (द) विजयालय (ब)

प्र.14 पर्सी ब्राउन ने किस मंदिर को भारतीय वास्तुकला का निकष माना जाता है ?
(अ) बृहदीश्वर मंदिर (ब) ऐरातेश्वर मंदिर
(स) सुंदरेश्वरमंदिर (द) त्रिभुवनेश्वर मंदिर (अ)

प्र.15 चोल काल में वैष्णव संप्रदाय को किस नाम से जाना जाता है?
(अ) नयनार (ब) आलवार
(स) पौराणिक (द) कोई नही (ब)

प्र.16 चंद्रगुप्त मौर्य की 'चंद्रगुप्त' संज्ञा का प्राचीनतम अभिलेखीय साक्ष्य किस अभिलेख से मिलता है?
उत्तर रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख ।

प्र.17 चंद्रगुप्त मौर्य की दक्षिण विजय के बारे में जानकारी किन ग्रंथों से मिलती है ?
उत्तर तमिल ग्रंथों अहनामूर और मुरनानुरू ।

प्र.18 चंद्रगुप्त मौर्य ने कब और किस यूनानी शासक को पराजित किया था ?
उत्तर 305 ईसा पूर्व तथा सेल्यूकस ।

प्र.19 चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनानी राजदूत कौन था ?
उत्तर मेगस्थनीज ।

प्र.20 चंद्रगुप्त मौर्य को किस मुनि ने जैन धर्म में दीक्षित किया था ?
उत्तर भद्रबाहु।

प्र.21 बिंदुसार के समय तक्षशीला में हुए विद्रोह का उल्लेख किस पुस्तक में मिलता है ?
उत्तर दिव्यावदान ।

प्र.22 बिंदुसार के दरबार में आने वाला यूनानी राजदूत कौन था ?
उत्तर डाइमेकस ।

प्र.23 अशोक का राज्याभिषेक कब हुआ ?
उत्तर करीब 269 ईपू।

प्र.24 अभिलेखों में अशोक को किस नाम से संबोधित किया गया है?
उत्तर देवानामप्रिय ,देवनाप्रियदर्शी ।

प्र.25 किन अभिलेखों में अशोक का नाम 'अशोक' मिलता है ?
उत्तर मास्की एव गुर्जरा।

प्र.26 कल्हण की राजतरंगिणी के अनुसार 'श्रीनगर' की स्थापना किसने की ?
उत्तर अशोक ने।

प्र.27 अशोक ने कलिंग पर आक्रमण कब किया ?
उत्तर अपने राज्यभिषेक के आठवें वर्ष में लगभग 261 ई.पू में।

प्र.28 अंतिम मौर्य शासक कौन था ?
उत्तर बृहद्रथ ।

प्र.29 कलिंग की राजधानी कहां थी ?
उत्तर तोशली ।

प्र.30 अशोक के कलिंग आक्रमण की जानकारी कहां से मिलती है ?

उत्तर खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख ।

प्र.31 अशोक के धम्म की परिभाषा किस स्तंभ लेख से मिलती है ?

उत्तर द्वितीय स्तंभ लेख से ।

प्र.32 शुंग वंश का संस्थापक कौन था ?

उत्तर पुष्यमित्र शुंग ।

प्र.33 मौर्य प्रशासन के शीर्षस्थ अधिकारी को किस नाम से जाना जाता था ?

उत्तर तीर्थ।

प्र.34 मौर्य काल में गुप्तचरों की कौन सी संस्थाएं प्रचलित थी ?

उत्तर 1. संस्था 2. संचार

प्र.35 अशोक के समय मौर्य साम्राज्य में कितने प्रांत थे ?

उत्तर 5 प्रांत।

प्र.36 स्ट्रेबो ने बिंदुसार के लिए किस नाम का प्रयोग किया ?

उत्तर अलिट्रोकेड्स।

प्र.37 बिंदुसार के शासनकाल में आने वाले दो विदेशी राजदूतों के नाम बताइए?

उत्तर 1. यूनानी शासक ऐण्टियोकस प्रथम ने डाइमेकस
2. मिश्र के राजा फिलाडेल्फस ने डायोनिसस को भेजा था।

प्र.38 अशोक ने अपने राज्याभिषेक के सातवें वर्ष में किन क्षेत्रों को विजय किया ?

उत्तर कश्मीर और खोतान के क्षेत्रों पर।

प्र.39 अशोक द्वारा बसाए गए दो नगरों के नाम लिखिए ?

उत्तर 1. श्रीनगर 2. ललितपत्तन ।

प्र.40 चंद्रगुप्त मौर्य ने किस वंश के शासक को पराजित कर मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी ?

उत्तर चंद्रगुप्त मौर्य ने नंद वंश के शासक धनानंद को पराजित कर 322 ईसा पूर्व में मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

प्र.41 चंद्रगुप्त प्रथम ने कौन सी उपाधि धारण की थी ?

उत्तर महाराजाधिराज।

प्र.42 समुद्रगुप्त का दरबारी कवि तथा महासंधिविग्रहक कौन था ?

उत्तर हरिषेण ।

प्र.43 प्रयाग प्रशस्ति किस शासक से संबंधित है ?

उत्तर समुद्रगुप्त।

प्र.44 प्रयाग प्रशस्ति की रचना किसने की ?

उत्तर हरिषेण।

प्र.45 प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त को क्या कहा गया है ?

उत्तर कविराज, लाख गायों का दानी, उच्च कोटि का विद्वान, विद्या का संरक्षक व धर्म का प्राचीर आदि।

प्र.46 श्रीलंका के किस शासक ने समुद्रगुप्त से 'गया' में बौद्ध मंदिर बनाने की अनुमति मांगी थी ?

उत्तर राजा मेघवर्मन ।

प्र.47 समुद्रगुप्त के पराक्रम तथा दिग्विजय का वर्णन किस में किया गया ?

उत्तर प्रयाग प्रशस्ति।

प्र.48 समुद्रगुप्त ने किस नीति के तहत आर्यवर्त को अपने साम्राज्य में मिलाया ?

उत्तर राजप्रसभोद्धरण नीति के तहत्।

प्र.49 समुद्रगुप्त ने दक्षिण के राज्यों के खिलाफ किस नीति का अवलंबन किया ?

उत्तर ग्रहणमोक्षानुग्रह नीति।

प्र.50 किसने समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहां ?

उत्तर स्मिथ।

प्र.51 चंद्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावती का विवाह किसके साथ किया ?

उत्तर वाकाटक नरेश रूद्रसेन द्वितीय।

प्र.52 किसके समय चीनी यात्री फाह्यान भारत आया था ?

उत्तर चंद्रगुप्त द्वितीय

प्र.53 चंद्रगुप्त द्वितीय ने किसको पराजित करने के उपलक्ष में चांदी के विशेष सिक्के जारी किए ?

उत्तर शकों को।

प्र.54 बयाना में मिले मुद्राभांड किस गुप्तकालीन शासक से संबंधित है ?

उत्तर कुमारगुप्त।

प्र.55 नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की ?

उत्तर कुमारगुप्त ने।

प्र.56 किस गुप्त शासक के समय भारत में हुणों का आक्रमण हुआ था?

उत्तर स्कंदगुप्त।

प्र.57 ह्वेंसाग ने किस गुप्त शासक को शक्रादित्य बताया ?

उत्तर कुमारगुप्त।

प्र.58 किस गुप्त शासक ने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की ?

उत्तर चन्द्रगुप्त द्वितीय और स्कन्दगुप्त।

प्र.59 किस गुप्त शासक के समय सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण करवाया गया?

उत्तर स्कंदगुप्त।

प्र.60 गुप्तकालीन मंदिर किस शैली में बने हुए थे ?

उत्तर नागर शैली।

प्र.61 गुप्त कालीन मूर्तिकला के प्रमुख केंद्र कौन–कौन से थे ?

उत्तर मथुरा, सारनाथ और पाटलिपुत्र ।

प्र.62 महाकवि कालिदास किस गुप्त शासक के समकालीन था ?

उत्तर चंद्रगुप्त द्वितीय।

प्र.63 गुप्तकालीन रसायन शास्त्र एवं धातु शास्त्र की उन्नति का एक श्रेष्ठ उदाहरण बताइए ?

उत्तर महरौली का लौह स्तंभ।

प्र.64 स्मृति ग्रंथों की रचना किस काल में हुई?

उत्तर गुप्त काल में।

प्र.66 गुप्त काल में चीन का रेशम भारत में किस नाम से लोकप्रिय था?

उत्तर चिनांशुक।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.67 गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया ?
उत्तर ब्रह्मगुप्त।
प्र.68 प्राचीन काल में पश्चिमी समुद्री तट पर स्थित बंदरगाह कौन सा था ?
उत्तर भृगुकच्छ (भड़ौच) ।
प्र.69 प्राचीन काल में पूर्वी भारत में सबसे बड़ा व्यापारिक बंदरगाह कौन सा था?
उत्तर ताम्रलिप्ति ।
प्र.70 गुप्तकालीन भूमि कर कौन–कौन से थे ?
उत्तर उपरिकर और उद्रंग।
प्र.71 गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्रा को किस नाम से जाना जाता था ?
उत्तर दीनार
प्र.72 गुप्त काल में 'श्रेणी' व्यवस्था क्या थी ?
उत्तर गुप्तकालीन शिल्पी, उद्यमी व व्यापारियों के संगठित संघों को श्रेणी कहा जाता था ।
प्र.73 दसपुर(मंदसौर) में किस व्यापारिक श्रेणी ने मंदिर का निर्माण करवाया ?
उत्तर तंतुवाहो (जुलाहों) ।
प्र.74 गुप्तकालीन प्रमुख व्यापारिक केंद्र कौन–कौन से थे ?
उत्तर मथुरा, उज्जैन, पेशावर, पैठान ।
प्र.75 गुप्त संवत की शुरुआत कब और किसके द्वारा की गई ?
उत्तर गुप्त संवत 319–320 ईसवी में चंद्रगुप्त प्रथम के द्वारा चलाया गया ।
प्र.76 हिंदू विधियों का संकलन किस युग में हुआ ?
उत्तर गुप्त काल में ।
प्र.77 बाघ की गुफा के भित्ति चित्र किससे संबंधित है ?
उत्तर बाघ की गुफा के भित्ति चित्र लौकिक जीवन से संबंधित है।
प्र.78 चोल साम्राज्य की महत्वपूर्ण जानकारियां कहां से मिलती है?
उत्तर अष्टाध्यायी, वार्तिक, महाभारत , संगम साहित्य और टॉलमी।
प्र.79 चोलो का शासकीय चिन्ह क्या था ?
उत्तर बाघ।
प्र.8 'गगैंकोंडचोल' की उपाधि धारण करने वाला चोल शासक कौन था ?
उत्तर राजेंद्र प्रथम।
प्र.81 चोल प्रशासन की प्रमुख विशेषता क्या थी ?
उत्तर ग्रामीण एवं नगरीय स्तर पर स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था।
प्र.82 चोल शासक किस धर्म के अनुयाई थे ?
उत्तर शैव (नयनार) ।
प्र.83 चोल स्थापत्य कला की मुख्य देन क्या थी ?
उत्तर मंदिर निर्माण कला।
प्र.84 चोल मंदिर किस शैली में बने हुए थे ?
उत्तर द्रविड़ शैली।
प्र.85 नटराज शिव की कांस्यमूर्ति किस कला की देन है ?
उत्तर चोल कला।
प्र.86 किस चोल शासक के काल में वैदिक महाविद्यालय स्थापित किया गया ?
उत्तर राजेंद्र प्रथम।
प्र.87 चोल प्रशासन ने प्रांतों को किस नाम से जाना जाता था ?
उत्तर मण्डलम् ।
प्र.88 कल्हण की पुस्तक का क्या नाम है।
उत्तर राजतरंगिणी।
प्र.89 राजतरंगिणी नामक ग्रंथ में किस राज्य के इतिहास की जानकारी मिलती है ?
उत्तर कश्मीर राज्य।
प्र.90 स्थानीय स्वशासन का प्राचीनतम साक्ष्य का उल्लेख किस काल में देखने को मिलता है ?
उत्तर चोल काल।
प्र.91 नालंदा विश्वविद्यालय की दो विशेषताएं बताइए।
उत्तर 1. यहां देश–विदेश से छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते थे।
2. विद्यार्थियों का प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता था ।
प्र.92 ब्रह्मस्फुटसिद्धांत खंड खाद्यक ग्रंथ की रचना किसने की ?
उत्तर ब्रह्मगुप्त ।
प्र.93 गुप्त काल में रसायन तथा धातु विज्ञान के रूप में कौन सा विद्वान प्रसिद्ध था ?
उत्तर नागार्जुन।
प्र.94 गुप्त काल में वैशेषिक दर्शन एवं अणुसिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया ?
उत्तर कणाद ऋषि ने।
प्र.95 गुप्त साम्राज्य के पतन की प्रमुख दो कारण लिखिए?
उत्तर 1. गुप्तो के पतन का मूल कारण केंद्रीय शक्ति का दुर्बल होना था ।
2. डॉ हेम चंद्र राय चौधरी ने गुप्त सम्राटों का बौद्ध धर्म की ओर झुकाव को भी इनके पतन का कारण माना है ।
प्र.96 अशोक के धम्म को परिभाषित कीजिए ।
उत्तर विभिन्न वर्गों, जातियों तथा संस्ःतियों को एक सूत्र में बांधने तथा अपनी प्रजा के नैतिक उत्थान के लिए अशोक ने जिन आचारों की संहिता प्रस्तुत की, उसे अभिलेखों में धम्म कहा गया है।
प्र.97 अशोक ने धम्म की नीति की क्रियान्वति के लिए क्या उपाय किया ?
उत्तर अशोक ने धम्म के प्रतिपादन हेतु व्यावहारिक उपाय किए। इस हेतु अशोक ने न केवल युद्ध की नीति का परित्याग किया, अपितु आमजन के दुख दर्द एवम् उनकी आवश्यकताओं को समझा उसने नौकरशाहों को तत्काल न्याय देने तथा लोकहित के कार्य करने हेतु पाबंद किया। अशोक ने सार्वजनिक हित के कार्य किए यथा परिवहन, सिंचाई, कुओं, सरायों आदि का निर्माण करवाया। इन समस्त सार्वजनिक हित के कार्यों का उद्देश्य धम्म को स्वीकार कराना था ।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.98 अशोक के द्वारा किए गए प्रशासनिक सुधार का वर्णन कीजिए।

उत्तर अशोक ने चंद्रगुप्त मौर्य की प्रशासनिक व्यवस्था का अनुसरण किया यद्यपि उसने अपनी नीतियों एवं उद्देश्यों के क्रियान्वयन की दृष्टि से कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन एवं सुधार भी किए।अशोक ने प्रजा को अपनी संतान बताया एवं राजा के कर्तव्य के रूप में सर्वलोकहित और पराक्रम को रखा, जिसका उल्लेख उसके चौथे स्तंभ लेख एवं कलिंग पृथक लेख में मिलता है। राजुक, युक्त एवं प्रादेशिक आदि अधिकारियों की नियुक्ति की, जो न्याय भूमि एवं लेखा संबंधी थे। 13वें वर्ष में अशोक ने धम्म महामात्र पद का सृजन किया, जिनका कार्य विभिन्न संप्रदायों में सामंजस्य, अकारण दंडितों के परिवारों को सहायता प्रदान करना था। अशोक ने ऐसी व्यवस्था की, जिससे हर समय, हर जगह राजा के पास जनता के सुख–दुख एवं समस्याओं की खबर पहुंचे । इस हेतु अशोक ने प्रतिवेदकों की नियुक्ति की, जिसका उल्लेख 6वें शिलालेख में मिलता है।

प्र.99 सुदर्शन झील का उल्लेख कहां मिलता है ? वर्णन कीजिए।

उत्तर सुदर्शन झील का उल्लेख रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख में मिलता है। उसके अनुसार चंद्रगुप्त मौर्य के सौराष्ट्र प्रांत के गवर्नर वैश्य पुष्य गुप्त द्वारा जन कल्याण हेतु सुदर्शन झील का निर्माण करवाया एवं स्वयं रुद्रदामन द्वारा इसकी मरम्मत कराने का उल्लेख मिलता है। स्कंद गुप्त के जूनागढ़ अभिलेख अनुसार भारी बरसात के कारण टूटने से झील के बांध का पुनर्निर्माण सौराष्ट्र प्रांत के राज्यपाल पर्णदत के पुत्र व गिरनार के प्रशासक चक्रपालित ने करवाया । सुदर्शन झील प्राचीन भारतीय शासकों द्वारा जल प्रबंधन एवं संरक्षण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्र.100 नालंदा विश्वविद्यालय का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर नालंदा भारत का प्रमुख शिक्षा केंद्र था। गुप्त सम्राट कुमारगुप्त प्रथम ने इसका निर्माण कराया। गुप्त एवं पूर्व मध्यकाल में इसकी ख्याति पराकाष्ठा पर थी। देश विदेश से छात्र शिक्षा ग्रहण करने यहां आते थे। जिनका प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता था ।शिक्षकों एवं छात्रों की संख्या 10,000 से अधिक थी। यहां धर्म, विज्ञान, उद्योग, तर्क आदि की शिक्षा दी जाती थी। यहां विशाल पुस्तकालय भी था। शीलभद्र यहां के प्रसिद्ध कुलपति था।

प्र.101 मौर्यों के शासन काल में प्रचलित दो प्रकार के न्यायालयों के नाम लिखिए।

उत्तर 1. धर्मस्थीय – यह दीवानी मुकदमों की सुनवाई करते थे।
2. कंटकशोधन –यह फौजदारी मुकदमों की सुनवाई करते थे

प्र.102 धम्म महामात्र की नियुक्ति का उल्लेख कहां मिलता है ?

उत्तर अशोक ने 13वें वर्ष में धम्म महामात्र पद का सृजन किया, जिसका कार्य विभिन्न संप्रदायों में सामंजस्य, अकारण दण्डितों के परिवारों को सहायता प्रदान करना था ।

प्र.103 प्रतिवेदकों का प्रमुख कार्य क्या था?

उत्तर अशोक ने ऐसी व्यवस्था की, जिसमें हर समय, हर जगह राजा के पास जनता के सुख–दुख एवं समस्याओं की खबर पहुंचे। इस हेतु अशोक ने प्रतिवेदकों की नियुक्ति की, जिसका उल्लेख छठे शिलालेख में मिलता है ।

प्र.104 मौर्यकालीन व गुप्तकालीन साहित्य ग्रंथ ––––

1. अर्थशास्त्र – कौटिल्य 2. कल्प सूत्र – भद्रबाहु
3. पंचतंत्र – विष्णु शर्मा 4. मुद्राराक्षस – विशाखदत्त
5. कथासरित्सागर – सोमदेव
6. वृतकथामंजरी – क्षेमेन्द्र 7. राजतरंगिणी – कल्हण
8. स्वप्नवासवदत्ता – भाष 9. मृच्छकटिकम् – शुद्रक
10. अभिज्ञान शकुंतलम – कालिदास
11. अमरकोश – अमर सिंह
12. रघुवंश – कालिदास

प्र.105 गुप्तकालीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित ग्रंथ–

1. आर्यभट्ट – दशगितिक सूत्र , आर्याष्टशतक
2. भास्कर प्रथम – भाष्य
3. वराहमिहिर – पंचसिद्धान्तिका, वृहत्संहिता, वृहत् जातक
4. ब्रह्मगुप्त – ब्रह्मस्फुट सिद्धांत खंड खाद्यय
5. वाग्भट्ट – अष्टांग ह्रदय
6. पालकाप्य – हस्तायुर्वेद

प्र.106 अशोक की धम्म नीति का विवेचनात्मक वर्णन कीजिए।

या

अशोक के धम्म व उनकी जनकल्याणकारी अवधारणा को समझाइए।

उत्तर **अशोक का धम्म**

विभिन्न वर्गों, जातियों और संस्कृतियों को एक सूत्र में बाँधने तथा अपनी प्रजा के नैतिक उत्थान के लिए अशोक ने जिन आचारों की संहिता प्रस्तुत की, उसे अभिलेखों में 'धम्म' कहा गया है।

अशोक के धम्म के प्रमुख सिद्वान्त

अशोक के धम्म के प्रमुख सिद्वान्त निम्नलिखित थे–

(1) **सहिष्णुता–** अशोक ने धम्म के अंतर्गत धार्मिक सहिष्णुता पर बल दिया। उसने विभिन्न विचारों, विश्वासों एवं आस्थाओं के मध्य सहिष्णुता पर बल दिया। मनुष्य का अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए।

(2) **अहिंसा–** इसके अंतर्गत अशोक ने युद्व व हिंसा के द्वारा विजय प्राप्ति का त्याग करने तथा प्राणी मात्र के प्रति हिंसा नही करना आदि पर बल दिया।

(3) **आडम्बरहीनता–** अशोक ने अन्धविश्वासों के फलस्वरूप जो निरर्थक अनुष्ठान और यज्ञ किये जाते है, ऐसे बाह्याडम्बरों की निन्दा की। अशोक के अनुसार मनुष्य को धम्म–मंगल अर्थात् सच्चे रीति–रिवाजों का पालन करना चाहिए।

(4) **लोककल्याण–** अशोक ने धम्म के अंतर्गत लोककल्याणकारी कार्यों पर बल दिया। अशोक ने वृक्षारोपण, सरायों, सड़कों, सिंचाई तथा कुंओं का निर्माण करवाया।

(5) **श्रेष्ठ पवित्र नैतिकता–** अशोक के धम्म के सिद्वान्त में श्रेष्ठ नैतिक, पवित्र आचरण, सदाचार एवं सत्यवादिता पर भी बल दिया गया।

अशोक के धम्म के सिद्वान्त प्रत्येक धार्मिक सम्प्रदाय से सम्बन्ध रखने वाले लोगों के लिए स्वीकार्य थे।

शेखावाटी मिशन–100

धम्म की जनकल्याणकारी अवधारणा – अशोक के धम्म में जनकल्याणकारी अवधारणा भी थी। उसमें अनेक ऐसे कार्य शामिल थे जो जनसाधारण के कल्याण से सम्बन्धित थे। ऐसे कार्य सातवें स्तम्भ लेख एवं दूसरे शिलालेख में लिखित हैं। इनमें वृक्षारोपण, सराय, सड़कें, सिंचाई, कुंओं के निर्माण आदि की व्यवस्था थी। अशोक ने प्रथम स्तम्भ लेख में धम्म की प्राप्ति के लिए धर्म यात्रा, धर्म मंगल, धर्म दान, शुश्रूषा आदि की व्यवस्था की। दूसरे स्तम्भ लेख में धम्म की परिभाषा बताते हुए अशोक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पापों से दूर रहे; कल्याणकारी कार्य करें, दया, दान, सत्य, पवित्रता व मृदुता का अवलम्बन करे। तीसरे स्तम्भ लेख में उसने प्रचंडता, निष्ठुरता, क्रोध, घमण्ड एवं ईर्ष्या आदि का निषेध किया।

धम्म की नीति की क्रियान्विति– अशोक ने धम्म के प्रतिपादन के लिए व्यावहारिक उपाय किए।

(1) **युद्ध की नीति का परित्याग–** अशोक ने युद्ध की नीति का परित्याग कर दिया तथा सामान्य लोगों के दुःख–दर्द एवं उनकी आवश्यकताओं को समझा।

(2) **सार्वजनिक हित के कार्य–** अशोक ने सार्वजनिक हित के कार्य किए, उसने सड़कों, सरायों, सिंचाई तथा कुंओं का निर्माण करवाया।

(3) **हिंसा पर प्रतिबन्ध–** अशोक ने हिंसा पर प्रतिबन्ध लगाया तथा पशु बलि का निषेध कर दिया।

(4) **समान नागरिक आचार संहिता, दण्ड संहिता पर बल देना–** अशोक ने समान नागरिक आचार संहिता तथा दण्ड संहिता के सिद्धान्त को जन्म दिया तथा क्रियान्वित किया।

(5) **धम्म आयोग भेजना–** अशोक ने अनेक स्थानों पर धम्म आयोग भेजे एवं विदेशों में भी धम्म का प्रचार–प्रसार किया। उसने धम्म महामात्रों को नियुक्त किया।

अशोक के धम्म की नीति का मूल्यांकन– यद्यपि अशोक के धम्म के मूल सिद्धान्त सहिष्णुता, अहिंसा, लोक कल्याणकारी नीति तथा सदाचार थे, परन्तु समग्र रूप से यह नीति अशोक के पीछे फलीभूत नहीं हो सकी। इसके निम्नलिखित कारण थे–

(1) अशोक के उत्तराधिकारी धम्म की नीतियों को उसी रूप में क्रियान्वित नही कर सके।

(2) धम्म दुर्बल शासकों, राजनीतिक अनिश्चितता व सीमाओं की असुरक्षा के कारण फलीभूत नहीं हो सका क्योंकि धम्म की नीति का क्रियान्वन शान्तिकाल में ही संभव है, जब राष्ट्र युद्धों से पूर्णतः मुक्त हो।

(3) परवर्ती शासक अशोक की दूरदर्शिता को नहीं समझ पायें।

(4) धम्म महामात्र अपने असीमित अधिकारों द्वारा जनता के कार्यों में अनुचित हस्तक्षेप करने लग गये।

यद्यपि अशोक के धम्म की नीति फलीभूत नहीं हो सकी तथापि अशोक प्रशंसा का पात्र है कि उसने एक पथ–प्रदर्शक सिद्धान्त की आवश्यकता को समझते हुए धम्म की नीति का प्रतिपादन किया, जो वर्तमान में भी प्रासंगिक है।

प्र.107 समुद्रगुप्त एक बहुआयामी प्रतिभा से युक्त एक महान शासक था। उक्त कथन की सविस्तार व्याख्या कीजिए ।

या

समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा जाता है। उक्त कथन की सविस्तार व्याख्या कीजिए ।

उत्तर चन्द्रगुप्त प्रथम के बाद उसका पुत्र समुद्रगुप्त 335 ई. में राजगद्दी पर बैठा। हरिषेण द्वारा रचित 'प्रयाग–प्रशस्ति' से हमें समुद्रगुप्त की विजयों एवं उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। समुद्रगुप्त की विजयों एवं उपलब्धियों का वर्णन निम्नानुसार हैं–

(1) **प्रारम्भिक विजय–** सर्वप्रथम समुद्रगुप्त ने नागवंश के दो राजाओं अच्युत तथा नागसेन को पराजित किया।

(2) **आर्यावर्त की विजय–** समुद्रगुप्त ने आर्यावर्त अर्थात् गंगा, यमुना व दोआब पर सैनिक अभियान किया, जो दो चरणों में पूरा हुआ। उसने आर्यावर्त के 9 राजाओं को परास्त किया और उनके राज्यों को अपने साम्राज्य में सम्मिलित कर लिया। ये 9 राजा थे –

1. रूद्रदेव	2. मतिल	3. नागदत
4. चन्द्रवर्मन	5. गणपति	6. नागसेन
7. अच्युत	8. नंदिन	9. बलवर्मा

इन्हें राजप्रसभोद्धरण नीति के तहत साम्राज्य में मिलाया।

(3) **आटविक राज्यों पर विजय –** समुद्रगुप्त ने मध्य भारत के आटविक राज्यों पर भी विजय प्राप्त की और उन्हें अपना भृत्य (परिचारक) बनाया।

(4) **दक्षिणापथ की विजय –** समुद्रगुप्त ने दक्षिणापथ के 12 राजाओं को पराजित किया। ये पराजित राजा थे – 1. कोशल का महेन्द्र 2. महाकान्तर को व्याघ्रराज 3. कोराल का मण्टराज 4. पिष्टपुर का महेन्द्र गिरि 5. कोट्टूर का स्वामिदत्त 6. एरनपल्ली का दमन 7. कांची का विष्णु गोप 8. अवमुक्त का नीलराज 9. वेंगी का हस्तिवर्मा, 10. पल्लक का उग्रसेन 11. देवराष्ट्र का कुबेर तथा 12. कुस्थलपुर का धनंजय।

समुद्रगुप्त ने दक्षिणापथ के राजाओं के प्रति 'ग्रहणमोक्षानुग्रह' की नीति अपनाते हुए इन राजाओं के राज्यों को वापस लौटा दिये। वह जानता था कि इन दूरस्थ राज्यों पर प्रत्यक्ष शासन करना अत्यन्त कठिन था।

(5) **सीमान्त राज्यों और गणराज्यों की विजय–** समुद्रगुप्त की विजयों और सैनिक शक्ति से भयभीत होकर सीमान्त राज्यों और गणराज्यों ने बिना युद्ध किये ही समुद्रगुप्त की अधीनता स्वीकार कर ली। ये शासक समुद्रगुप्त को सब प्रकार के कर देते थे और उसकी आज्ञाओं का पालन करते थे। सीमान्त राज्य निम्न थे– 1. समतट 2. डवाक 3. कामरूप 4. नेपाल 5. कर्तपुर। पश्चिमी भारत के गणराज्य थे– 1. मालव 2. आर्जुनायन 3. यौधेय 4. मद्रक 5. आभीर 6. प्रार्जुन 7. सनकानीक 8. काक 9. खरपरिक।

(6) **पड़ोस के विदेशी राज्यों के द्वारा समुद्रगुप्त से अधीन मैत्री करना–** समुद्रगुप्त की विजयों और सैनिक शक्ति से भयभीत होकर पड़ोस के विदेशी राज्यों ने समुद्रगुप्त से मैत्री याचना की। इन विदेशी राज्यों को निम्नलिखित शर्तें स्वीकार करनी पड़ती थीं– 1. आत्मनिवेदन, 2. कन्योपायान, 3. दान, 4. गुरूत्मदंकित आदि। ये विदेशी राज्य थे– 1. दैवपुत्र 2.शाही–शाहानुशाही, 3. शक– मरुण्ड, 4. सिंहल।

समुद्रगुप्त का साम्राज्य विस्तार– समुद्रगुप्त ने भारत के बहुत बड़े भाग को अपने अधीन कर लिया। उसके साम्राज्य में कश्मीर, पश्चिमी पंजाब, पश्चिमी राजपूताना, सिन्ध और गुजरात के अतिरिक्त शेष सम्पूर्ण भारत सम्मिलित था।

अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान– अपनी दिग्विजय के उपलक्ष्य में समुद्रगुप्त ने अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान किया।

समुद्रगुप्त का मूल्यांकन– (1) समुद्रगुप्त एक वीर योद्धा, कुशल सेनापति और महान विजेता था। डॉ. स्मिथ ने समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा है। (2) वह एक योग्य प्रशासक था। (3) वह एक कुशल राजनीतिज्ञ भी था। (4) वह स्वयं एक उच्च कोटि का विद्वान था तथा 'कविराज' कहलाता था। (5) वह गायन व संगीत में निपुणता में गुरू तुम्बरु तथा नारद को लज्जित करने वाला, लाख गायों का दानी, विद्या का संरक्षक एवं धर्म का प्राचीर कहा जाता है। (6) विभिन्न सिक्कों से समुद्रगुप्त के विद्वान, संगीतज्ञ, गायक, दानी, धर्मनिष्ठ, पराक्रमी, विनयशील आदि वैयक्तिक गुणों का पता चलता है। इस प्रकार समुद्रगुप्त एक बहुआयामी प्रतिभा से युक्त **एक महान शासक था।**

प्र.108 गुप्त काल प्राचीन भारत का स्वर्ण काल था । उक्त कथन की सविस्तार व्याख्या किजिए।

या

गुप्तकालीन कला, साहित्य एवं विज्ञान के रूप में हुई उन्नति की विवेचना कीजिए।

उत्तर **गुप्तकाल प्राचीन भारत का स्वर्ण–युग**

गुप्त राजवंश का शासन काल भारतीय इतिहास में स्वर्ण–युग के नाम से पुकारा जाता है। इस युग में सामाजिक, धार्मिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में अत्यधिक उन्नति हुई। गुप्तकाल में देश में सुख–शान्ति एवं समृद्धि बढ़ी तथा साहित्य, कला, विज्ञान आदि सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व उन्नति हुई। तत्कालीन भारत की इसी सर्वांगीण सभ्यता के आधार इतिहासकारों ने गुप्तकाल को प्राचीन भारत का स्वर्ण–युग कहा है।

निम्नलिखित आधारों पर गुप्तकाल को प्राचीन भारत का स्वर्ण–युग कहा जाता है–

(1) **महान् सम्राटों का युग –** गुप्त सम्राट महान् विजेता, सुयोग्य प्रशासक एवं प्रजावत्सल शासक थे। उन्होंने अनेक विजयें प्राप्त की तथा गुप्त साम्राज्य की सीमाओं का विस्तार किया।

(2) **राजनीतिक एकता स्थापित करना –** गुप्त सम्राटों ने देश के अधिकांश भागों को जीत कर एक विशाल साम्राज्य स्थापित किया और उसे राजनीतिक एकता प्रदान की।

(3) **उत्तम शासन–व्यवस्था –** गुप्त सम्राटों ने अपने साम्राज्य में सुदृढ़ एवं उत्तम शासन–व्यवस्था की स्थापना की जिसके फलस्वरूप देश में सुख–शान्ति एवं समृद्धि बढ़ी और देश का सर्वांगीण विकास हुआ।

(4) **कलाओं की उन्नति –** गुप्तकाल में वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला और संगीतला आदि की अत्यधिक उन्नति हुई। इस युग की कला में आध्यात्मिकता, शालीनता तथा भारतीयता की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। अजन्ता व बाघ की गुफाओं के गुहाचित्र, देवगढ़, तिगवा, भूमरा, भीतरी गाँव आदि के मन्दिर, बुद्ध, महावीर स्वामी तथा विष्णु की सुन्दर मूर्तियां आदि इस युग की कला के चरमोत्कर्ष के प्रतीक है जो सामाजिक समृद्धि एवं सौहार्द के द्योतक है।

(5) **साहित्य के क्षेत्र में उन्नति –** गुप्तकाल में साहित्य के क्षेत्र में अत्यधिक उन्नति हुई। गुप्तकाल संस्कृत साहित्य के सृजन का काल था। इस युग में अनेक साहित्यकार हुए जिन्होंने उच्च कोटि के ग्रन्थ लिखे। कालिदास, विशाखदत्त, शूद्रक, विष्णु शर्मा, भारवि आदि ने उच्च कोटि की रचनाएँ की। इस युग में धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य की भी रचना हुई।

(6) **विज्ञान की उन्नति –** गुप्तकाल में ज्योतिष, गणित, चिकित्साशास्त्र, रसायन शास्त्र आदि क्षेत्रों में अत्यधिक उन्नति हुई। आर्यभट्ट, वराहमिहिर, बह्मगुप्त नागार्जुन आदि ने विज्ञान की विभिन्न शाखाओं का विकास किया। वाग्भट्ट, धनवन्तरि आदि इस युग के प्रसिद्ध चिकित्साशास्त्री थे, जिन्होंने चिकित्साशास्त्र के विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(7) **आर्थिक समृद्धि का युग –** गुप्तकाल में आर्थिक क्षेत्र में अत्यधिक उन्नति हुई। यह युग जनता की आर्थिक समृद्धि का युग था। इस युग में कृषि, उद्योग तथा व्यापार–वाणिज्य आदि सभी उन्नत अवस्था में थे। इनकी उन्नति के कारण भारत अत्यन्त धन–सम्पन्न देश बना हुआ था।

(8) **वैदिक धर्म एवं पौराणिक धर्मों की उन्नति –** गुप्त युग हिन्दू धर्म के पुनरूत्थान का युग था। गुप्तकाल में वैदिक धर्म एवं पौराणिक धर्मों का पुनरुद्वार हुआ। इस युग में वैष्णव धर्म तथा शैव धर्म का व्यापक प्रभाव था। अनेक वैष्णव मन्दिरों तथा शैव मन्दिरों का निर्माण हुआ।

(9) **धार्मिक सहिष्णुता –** ब्रह्मण धर्म के प्रबल पोषक होते हुए भी गुप्त–सम्राट धर्म–सहिष्णु थे। वे सभी धर्मों का आदर करते थे। सभी को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त थी। हिन्दू धर्म के द्वार विदेशियों के लिए खुले हुए थे।

उपर्युक्त कारणों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि गुप्तकाल प्राचीन भारत का स्वर्ण–युग था। श्री अरविन्द ने लिखा है कि, "भारत ने अपने इतिहास में अपनी जीवन–शक्ति को विभिन्न क्षेत्रों में इतनी पल्लवित होते हुए कभी नहीं देखा जितना गुप्तकाल में विकास हुआ।"

शेखावाटी मिशन–100

प्र.109 गुप्त कालीन आर्थिक जीवन की विवेचना कीजिए।

उत्तर **गुप्तकालीन आर्थिक जीवन**

गुप्तकाल में आर्थिक जीवन समृद्ध था। विस्तृत साम्राज्य तथा सुयोग्य प्रशासन के कारण कृषि, पशुपालन, उद्योग–धन्धें तथा व्यापार–वाणिज्य की महत्वपूर्ण उन्नति हुई।

(1) **कृषि** – गुप्तकाल में गेहूँ, चावल, गन्ना, ज्वार, बाजरा, मटर, दाल, तिल, सरसों, अलसी, कालीमिर्च, अदरक आदि की खेती की जाती थी। तीन फसलें उगायी जाती थी। एक फसल श्रावण के महीने में , दूसरी बसन्त में तथा तीसरी चैत्र या बैसाख में तैयार होती थी। हल में लोहे के फाल का प्रयोग किया जाता था। कृषक अधिकाशतः वर्षा पर निर्भर रहते थे। परन्तु वर्षा के अतिरिक्त कुंओं, नहरों, झीलों, बाँधों आदि का भी सिंचाई के साधनों में प्रयोग किया जाता था।

(2) **पशुपालन** – इस युग में पशुपालन भी जीविका का एक अन्य प्रमुख साधन था। गाय, घोड़े, भैस, ऊँट, बकरी, भेड़, गधा, कुता आदि जानवार पाले जाते थे। बैल हल चलाने और सामान ढोने के काम आता था।

(3) **उद्योग एवं शिल्प** – गुप्तकाल में अनेक उद्योग–धन्धें विकसित थे। इस युग में धातु–शिल्प, वस्त्र उद्योग, आभूषण–कला, काष्ठ उद्योग, पाषाण उद्योग, हाथी दांत का काम, धातु कर्म, बर्तन उद्योग, जहाज उद्योग, संगतराशी, पच्चीकारी, चमड़े का उद्योग, तेल उद्योग आदि उन्नत अवस्था में थे। महरौली का लौह स्तम्भ धातु विज्ञान की उन्नति का श्रेष्ठ उदाहरण है। सुल्तानगंज की बुद्ध की मूर्ति गुप्तकालीन ताम्रशिल्प का श्रेष्ठ उदाहरण है। गुप्तकालीन धातु कर्म का सर्वोतम रूप इस काल के सिक्कों में देखा जा सकता है।

गुप्तकाल की हजारों स्वर्ण मुद्रायें प्राप्त हुई है जो विशुद्व है तथा कलात्मक भी। गुप्तकाल की आर्थिक सम्पन्नता, कलात्मकक सौन्दर्य सृष्टि तथा तकनीकी कौशल के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। वस्त्र–निर्माण भी गुप्तकाल का एक प्रमुख उद्योग था।

(4) **श्रेणी संगठन** – गुप्तकालीन शिल्पियों, व्यापारियों तथा व्यवसायियों ने अपने संघ बना लिए थे जो 'श्रेणी' या 'निगम' कहलाते थे। अपने व्यवसायों को चलाने हेतु उनके अपने नियम और कोष थे। वे आधुनिक बैंकों की भाँति काम करते थे तथा वे ऋण ब्याज पर देते थे और निधियाँ ब्याज पर अपने पास रखते थे।

(5) **व्यापार–वाणिज्य** –

(अ) **आन्तरिक व्यापार** – आन्तरिक व्यापार सड़कों और नदियों के द्वारा किया जाता था। सार्थ भ्रमणशील व्यापारी थे। उज्जैन, भड़ौंच, प्रतिष्ठान, विदिशा, प्रयाग, वैशाली आदि महत्वपूर्ण व्यापारिक नगर थे।

(ब) **विदेशी व्यापार** – चीन, लंका, फारस, अरब, ईथोपिया, रोम आदि से भारत के व्यापारिक सम्बन्ध थे। चीन का रेशम भारत में अत्यधिक लोकप्रिय था। भड़ौच, कैम्बे, सोपारा, कल्याण आदि महत्वपूर्ण बन्दरगाह थे। ताम्रलिप्ति पूर्वी भारत में होने वाले सामुद्रिक व्यापार का सबसे बड़ा केन्द्र था। भारत में चीन से रेशम, ईथोपिया से हाथीदांत व अरब, ईरान, बैक्ट्रिया से घोड़ों का आयात किया जाता था। मसालें, मोती, वस्त्र, हाथीदांत, नील आदि का निर्यात किया जाता था।

(6) **राजस्व के स्त्रोत** – गुप्तकालीन प्रमुख कर निम्नलिखित थे–

(1) भाग– राजा को भूमि के उत्पादन से प्राप्त होने वाला 1/6 हिस्सा।

(2) भोग– राजा को प्रतिदिन फल–फूल, सब्जियों के रूप में दिया जाने वाला कर।

(3) उपरि कर एवं उद्रंग– ये एक प्रकार के भूमि कर थे।

(4) इस समय भूमि, रत्न, खानें एवं नमक आदि राजस्व के अन्य महत्वपूर्ण स्रोत थे। भू–राजस्व कुल उत्पादन का 1/4 से 1/6 भाग तक होता था।

प्र.110 मौर्यकालीन प्रशासन का विवेचनात्मक वर्णन कीजिए।

उत्तर **मौर्यकालीन प्रशासन**

केन्द्रीय प्रशासन

राजा – राजा शासन प्रणाली का केन्द्र बिन्दु था, महत्वपूर्ण एवं नीति सम्बन्धी निर्णय राजा स्वयं लेता था। व्यवस्थापिका, न्यायपालिका व कार्यपालिका की समस्त शक्तियाँ उसमें निहित थी।

मंत्रिपरिषद् – राजा को परामर्श देने के लिए मन्त्रिपरिषद थी, जिनकी नियुक्ति वंश व योग्यता के आधार पर राजा करता था। अन्तिम निर्णय का अधिकार राजा का था। एक आन्तरिक परिषद् होती थी, जिसे मन्त्रिण् कहा जाता था। जिसके 3–4 सदस्य होते थे। महत्वपूर्ण विषयों पर राजा मन्त्रियों से परामर्श करता था।

शेखावाटी मिशन–100

अधिकारी – शीर्षस्थ राज्याधिकारी जो संख्या में 18 थे। इन्हें 'तीर्थ' कहा जाता था। वे केन्द्रीय विभागों को कार्यभार देखते थे, जिनमें कोषाध्यक्ष, कर्मान्तिक, समाहर्ता, पुराहित, एवं सेनापति प्रमुख थे। इसके अतिरिक्त अर्थशास्त्र में 26 अध्यक्षों का उल्लेख मिलता है, जो राज्य की आर्थिक गतिविधियों का नियमन करते थे। वे कृषि, व्यापार, वाणिज्य, बांट–माप, कताई–बुनाई, खान, वनों आदि का नियमन एवं नियंत्रण करते थे।

नगर प्रबन्ध – नगर प्रबन्ध हेतु 5–5 सदस्यों की 6 समितियां होती थी, जो विभिन्न कार्यों, उद्योग एवं शिल्प, विदेशियों, जनगणना, वाणिज्य–व्यापार, निर्मित वस्तुओं की देखभाल, बिक्रीकर आदि के नियमन–विपणन एव रखरखाव का कार्य करती थी। अर्थशास्त्र के अनुसार 'नागरक' नगर प्रशासन का अध्यक्ष, गोप तथा स्थानिक उसके सहायतार्थ कर्मचारी थे।

सेना – सैन्य विभाग का सबसे बड़ा अधिकारी सेनापति होता था। सेना की 6 शाखायें थी। जो क्रमशः पैदल, अश्व, हाथी, रथ, यातायात एवं नौ सेना में विभक्त थी। 5–5 सदस्यों की समिति इनकी देखरेख करती थी, जबकि कौटिल्य अर्थशास्त्र में चतुरंगबल को सेना का मुख्य अंग बताता है। 'नायक' युद्धक्षेत्र में सेना का नेतृत्व करने वाला अधिकारी होता था।

गुप्तचर व्यवस्था – प्रशासन तंत्र के साथ–साथ गुप्तचर्या का भी विस्तृत जाल बिछाया गया था, जो मन्त्रियों से लेकर आम जनता की गतिविधियों पर नजर रखते थे। गुप्तचरों को संस्था एवं संचार नाम से पुकारा जाता था।

न्याय– धर्म, व्यवहार, चरित्र एवं राजशासन न्याय संहिता के स्रोत थे। धर्मस्थीय एवं कंटक–शोधन न्यायालय क्रमशः दीवानी तथा फौजदारी मामले सुलझाते थे। न्यायपीठ पद्धति विद्यमान थी, राजा सर्वोच्च न्यायाधीश था। राजुक, व्यावहारिक आदि न्यायिक अधिकारी थे। संग्रहण व द्रोणमुख स्थानीय एवं जनपद स्तर के न्यायालय होते थे। दण्ड व्यवस्था अत्यन्त कठोर थी।

राजस्व प्रशासन– समाहर्ता राजस्व विभाग का प्रमुख अधिकारी था। दुर्ग, राष्ट्र, व्रज, सेतु, वन, खाने, आयात–निर्यात आदि राजस्व प्राप्ति के मुख्य स्रोत थे। सन्निधाता राजकीय कोष को मुख्य अधिकारी होता था।

जनोपयोगी कार्य– मौर्य साम्राज्य में जनपयोगी सेवाओं में सिंचाई, सड़क, सराय, चिकित्सा आदि को महत्व दिया गया, जिसकी व्यवस्था प्रशासनिक अधिकारी करते थे।

प्रान्तीय शासन – साम्राज्य पांच प्रान्तों में विभाजित था। जिनका प्रशासक राजकुमार होता था, जो मन्त्रिपरिषद् एवं अमात्यों के माध्यम से शासन संचालित करता था। पांच प्रमुख प्रान्त थे– उत्तरापथ, दक्षिणापथ, अवन्तिपथ, एवं मध्यप्रान्त तथा कलिंग। धर्म महामात्र तथा अमात्य प्रान्तीय अधिकारी थे, जो धम्म एवं अन्य कार्य देखते थे। प्रान्तों को आहार या विषय में बाँटा गया था, जो विषयपति के अधीन होते थे।

जनपद व ग्रामीण – जनपद स्तर पर प्रदेष्ट, राजुक व युक्त नाम अधिकारी थे जो भूमि, न्याय व लेखों संबंधी दायित्व वहन करते थे। ग्रामिक, ग्रामीण स्तरीय अधिकारी था। गोप एवं स्थानिक जनपद व गांवों के बीच मध्यस्थता का कार्य करते थे। इस प्रकार मौर्यकालीन प्रशासन एक केन्द्रीयकृत व्यवस्था थी। जनमत का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्थाएँ प्रायः नगण्य थी। गुप्तचर सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप करते थे। नौकरशाही को विस्तृत अधिकार प्राप्त थे।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय–4
(मुगल आक्रमण उद्देश्य एवं प्रभाव)

प्र.1 महमूद गजनवी ने भारत पर कितनी बार आक्रमण किए ?
(अ) 14 (ब) 16
(स) 17 (द) 21 (स)

प्र.2 तराइन का प्रथम युद्ध कब लड़ा गया ?
(अ) 1190 (ब) 1182
(स) 1192 (द) 1191 (द)

प्र.3 महाराणा सांगा ने बाबर की सेना को किस स्थान पर पराजित किया ?
(अ) खानवा (ब) बयाना
(स) बाड़ी (द) खातोली (ब)

प्र.4 दुर्गादास राठौड़ किस रियासत से संबंधित था ?
(अ) आमेर (ब) मारवाड़
(स) मेवाड़ (द) कोटा (ब)

प्र.5 महाराणा प्रताप के विख्यात हाथी का नाम था ?
(अ) चेतक (ब) रामलाल
(स) वीरम (द) रामप्रसाद (द)

प्र.6 मेवाड़ में सर्वाधिक दुर्गों का निर्माण करने वाला शासक था ?
(अ) महाराणा कुंभा (ब) महाराणा सांगा
(स) महाराणा प्रताप (द) महाराणा उदय सिंह (अ)

प्र.7 अकबर ने नागौर दरबार का आयोजन कब किया था ?
(अ) 1568 (ब) 1580
(स) 1570 (द) 1576 (स)

प्र.8 शिवाजी का प्रथम अभियान किस राज्य की विरुद्ध था ?
(अ) बीजापुर (ब) शिवनेर
(स) रायगढ़ (द) पुरंदर (अ)

प्र.9 पृथ्वीराज चौहान और मुहम्मद गौरी के बीच युद्ध किस स्थान पर लड़े गए ?
(अ) तराइन (ब) पानीपत
(स) खानवा (द) हल्दीघाटी (अ)

प्र.10 खानवा की विजय के बाद बाबर ने कौन सी उपाधि धारण की थी ?
(अ) बादशाह (ब) गाजी
(स) खलीफा (द) शहंशाह (ब)

प्र.11 भारत पर आक्रमण करने वाला प्रथम तुर्क आक्रमणकारी कौन था ?
उत्तर सुबुक्तगीन

प्र.12 महमूद गजनवी का भारत पर सबसे कुख्यात आक्रमण कौन सा था ?
उत्तर 16वाँ आक्रमण सोमनाथ मंदिर पर था जो सबसे कुख्यात आक्रमण था।

प्र.13 महमूद गजनवी के आक्रमण के समय गुजरात का शासक कौन था ?
उत्तर भीमदेव प्रथम।

प्र.14 महमूद का भारत पर अंतिम आक्रमण कब तथा किस के खिलाफ किया था ?
उत्तर महमूद का अंतिम आक्रमण 1027 ईसवी में था जो सिंध के जाटों के खिलाफ था।

प्र.15 मुहम्मद गौरी के भारत आक्रमण के समय अजमेर का शासक कौन था ?
उत्तर पृथ्वीराज चौहान

प्र.16 पृथ्वीराज तृतीय की माता का क्या नाम था?
उत्तर कर्पूरी देवी

प्र.17 तराइन का द्वितीय युद्ध कब तथा किन किन के बीच लड़ा गया?
उत्तर तराइन का द्वितीय युद्ध 1192 ईस्वी में तथा पृथ्वीराज चौहान और मुहम्मद गौरी के बीच लड़ा गया।

प्र.18 पृथ्वीराज चौहान का राजकवि कौन था ?
उत्तर चंदरबरदाई ।

प्र.19 चंद्रवरदाई ने कौन सा ग्रंथ लिखा ?
उत्तर पृथ्वीराज रासो।

प्र.20 किस भारतीय शासक ने दल पंगुल (विश्व विजेता) की उपाधि धारण की ?
उत्तर पृथ्वीराज चौहान।

प्र.21 हिंदी साहित्य का प्रथम महाकाव्य किसे माना जाता है?
उत्तर पृथ्वीराज रासो

प्र.22 मुगल शासकों पर विजय के कारण महाराणा कुंभा को क्या कहा जाता है ?
उत्तर हिंदू सुरत्राण ।

प्र.23 किस शासक को "युद्ध में स्थिर बुद्धि" वाला कहा जाता है ?
उत्तर महाराणा कुंभा।

प्र.24 "अभिनव भरताचार्य" किसे कहा गया है ?
उत्तर महाराणा कुंभा को।

प्र.25 महाराणा कुंभा के ग्रंथों के नाम बताइए ?
उत्तर संगीतराज, संगीत मीमांसा, संगीत क्रम दीपिका एवं सूड़प्रबंध।

प्र.26 गीत गोविंद किसकी रचना है ?
उत्तर जय देव की।

प्र.27 किस शासक को "राणों रासो" (विद्वानों का संरक्षक) कहा गया है ?
उत्तर महाराणा कुंभा का।

प्र.28 एकलिंग महात्म्य का लेखक कौन था ?
उत्तर कान्ह व्यास।

प्र.29 कुंभा के दरबार में प्रसिद्ध वास्तुशास्त्री कौन रहता था ?
उत्तर मंडन।

प्र.30 "वीर विनोद" ग्रंथ की रचना किसने की ?
उत्तर श्यामलदास।

प्र.31 विश्व की दूसरी सबसे लंबी दीवार कहां है?
उत्तर कुंभलगढ़।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.32 कुम्भा ने विजय स्तंभ का निर्माण किस विजय की स्मृति में करवाया था ?

उत्तर मालवा के शासक महमूद खिलजी पर विजय की स्मृति में।

प्र.33 भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष किसे कहा जाता है ?

उत्तर विजय स्तंभ।

प्र.34 विष्णु ध्वज किसे कहा जाता है ?

उत्तर विजय स्तंभ।

प्र.35 भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना कब व किसने की ?

उत्तर भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना 1526 ईसवी में बाबर ने की

प्र.36 खातोली का युद्ध कब तथा किन किन के बीच लड़ा गया ?

उत्तर खातोली का युद्ध 1517 ईस्वी में महाराणा सांगा व इब्राहिम लोदी के बीच लड़ा गया।

प्र.37 बाड़ी का युद्ध कब लड़ा गया ?

उत्तर 1518 ई. में महाराणा सांगा व इब्राहिम लोदी के बीच।

प्र.38 युद्ध में घायल महाराणा सांगा का राज्यछत्र किसने धारण किया ?

उत्तर झाला अज्जा।

प्र.39 खानवा विजय के बाद बाबर ने कौन सी उपाधि धारण की ?

उत्तर गाजी की उपाधि

प्र.40 गिरी सुमेल का युद्ध कब और किन के बीच में लड़ा गया?

उत्तर 1544 ईस्वी में मालदेव व शेरशाह सूरी के बीच ।

प्र.41 किसने कहा "मैं एक मुट्ठी भर बाजरे के लिए हिंदुस्तान की बादशाह खो बैठता।"

उत्तर शेरशाह सूरी।

प्र.42 अकबर ने नागौर दरबार का आयोजन कब किया ?

उत्तर 1570 ईस्वी में।

प्र.43 मारवाड़ का प्रताप किसे कहा जाता है ?

उत्तर राव चंद्रसेन को।

प्र.44 अकबर ने चित्तौड़ पर अधिकार कब किया ?

उत्तर 1568 ई. ।

प्र.45 महाराणा प्रताप का जन्म कब और कहां पर हुआ ?

उत्तर 1540 ईस्वी में कुंभलगढ़ दुर्ग में ।

प्र.46 महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक कब हुआ ?

उत्तर होली के त्योहार के दिन, 28 फरवरी 1572 ई. में गोगुंदा में ।

प्र.47 राव चंद्रसेन को प्रताप का अग्रगामी क्यों कहा जाता है ?

उत्तर राव चंद्रसेन ने अपनी मातृभूमि की रक्षा हेतु जो शुरुआत की थी उसी का अनुसरण महाराणा प्रताप ने किया था।

प्र.48 हल्दीघाटी का युद्ध कब और किन–के बीच हुआ ?

उत्तर हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 ईस्वी में महाराणा प्रताप व अकबर की सेना के सेनापति मानसिंह के बीच हुआ ।

प्र.49 किस इतिहासकार ने हल्दीघाटी के युद्ध में मुगलों की तरफ से भाग लिया ?

उत्तर बदायूनी।

प्र.50 किस शासक की मृत्यु पर औरंगजेब ने कहा "आज मजहब विरोध का दरवाजा टूट गया।"

उत्तर मारवाड़ शासक जसवंत सिंह।

प्र.51 दिवेर का युद्ध कब तथा किन के बीच में हुआ ?

उत्तर दिवेर का युद्ध 1582 ईस्वी में महाराणा प्रताप और मुगलों के बीच में।

प्र.52 कर्नल टॉड ने "मेवाड़ का मैराथन" किस युद्ध को कहा ?

उत्तर दिवेर का युद्ध

प्र.53 वीर दुर्गादास राठौड की मृत्यु कहां हुई एवम् अंतिम संस्कार किस नदी के तट पर किया गया ?

उत्तर दुर्गा दास की मृत्यु उज्जैन में हुई तथा शिप्रा नदी के तट के पास अन्तिम संस्कार किया गया

प्र.54 मराठा साम्राज्य का संस्थापक कौन था ?

उत्तर शिवाजी।

प्र.55 शिवाजी का जन्म कब और कहां पर हुआ ?

उत्तर 20 अप्रैल 1627 ई. में पुणे के पास शिवनेर दुर्ग में।

प्र.56 शिवाजी की माता का नाम क्या था ?

उत्तर जीजाबाई।

प्र.57 शिवाजी का बचपन किनके संरक्षण में बीता ?

उत्तर दादा कोंडदेव।

प्र.58 शिवाजी का पहला अभियान किस राज्य के विरुद्ध था ?

उत्तर बीजापुर।

प्र.59 पुरंदर की संधि कब और किन के बीच में हुई ?

उत्तर पुरंदर की संधि 1665 ईस्वी में शिवाजी एवं मिर्जा राजा जयसिंह के बीच

प्र.60 शिवाजी का राज्याभिषेक कब हुआ ?

उत्तर शिवाजी का राज्याभिषेक 1674 ई.में रायगढ़ में हुआ ।

प्र.61 मराठा साम्राज्य का द्वितीय संस्थापक किसे कहा जाता है ?

उत्तर बालाजी विश्वनाथ।

प्र.62 "हमें सुखे वृक्ष की जड़ों पर प्रहार करना चाहिए शाखाएं तो अपने आप गिर जाएगी ।" यह कथन किसका है ?

उत्तर बाजीराव।

प्र.63 पानीपत का प्रथम युद्ध कब तथा किन के मध्य लड़ा गया ?

उत्तर पानीपत का प्रथम युद्ध 1526 ईस्वी में इब्राहिम लोदी व बाबर के मध्य लड़ा गया।

प्र.64 रणकपुर का जैन मंदिर किसके द्वारा निर्मित है ?

उत्तर रणकपुर का जैन मंदिर महाराणा कुंभा के समय धरणक शाह द्वारा बनाया गया।

प्र.65 "परमभागवत एवं आदिवराह" किस शासक की उपाधि है ?

उत्तर महाराणा कुंभा

प्र.66 कर्नल टॉड ने हल्दीघाटी युद्ध को किस की संज्ञा दी ?

उत्तर मेवाड़ की थर्मोपोली ।

प्र.67 किस लेखक ने हल्दीघाटी युद्ध को खमनोर का युद्ध कहा ?

उत्तर अबुल फजल।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.68 राठौड़ों का यूलिसेस किसको कहा गया है ?

उत्तर वीर दुर्गादास राठौड़।

प्र.69 मारवाड़ की संकटकालीन राजधानी कहां थी ?

उत्तर सिवाना।

प्र.70 महाराणा प्रताप का सेनापति कौन था ?

उत्तर हकीम खां सूरी।

प्र.71 राणा सांगा और बाबर के बीच हुए संघर्ष के दो कारण बताइए?

उत्तर 1. सांगा पर वचन भंग का आरोप ।

2. सांगा द्वारा सल्तनत के क्षेत्रों पर अधिकार करना ।

प्र.72 विजय स्तंभ को भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष क्यों कहा जाता है ?

उत्तर अनेक हिंदू देवी देवताओं के कलात्मक प्रतिमाएं उत्कीर्ण होने के कारण विजय स्तंभ को पौराणिक हिंदू मूर्तिकला का अनमोल खजाना (भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष) कहा जाता है ।

प्र.73 खानवा युद्ध के दो परिणाम बताइए।

उत्तर 1. मेवाड़ की प्रतिष्ठा और शक्ति के कारण निर्मित राजपूत संगठन इस पराजय के साथ ही समाप्त हो गया।

2. भारतवर्ष में मुगल साम्राज्य स्थापित हो गया और बाबर स्थिर रूप से भारत का बादशाह बन गया ।

प्र.74 मुहम्मद गौरी का भारत पर आक्रमण करने के दो उद्देश्य बताइए।

उत्तर 1. धन संपदा प्राप्त करना।

2. साम्राज्य विस्तार की महत्वाकांक्षा।

प्र.75 कौन–कौन सी दो उपाधियां महाराणा कुंभा के महान संगीतज्ञाता होने की प्रमाण है ?

उत्तर 1. अभिनव भरताचार्य ।

2. वीणावादन प्रवीणेन।

प्र.76 महाराणा सांगा को एक सैनिक का भग्नावशेष क्यों कहा जाता है ?

उत्तर मृत्यु के समय तक राणा सांगा के शरीर पर तलवारों व भालों के कम से कम 80 घाव लगे हुए थे, जो उसे एक सैनिक का भग्नावशेष सिद्ध कर रहे थे ।

प्र.77 पुरंदर की संधि की प्रमुख शर्तें बताइए।

उत्तर शिवाजी को जून 1665 ईस्वी को जय सिंह के साथ पुरंदर की संधि करनी पड़ी ।

1. इस संधि के अनुसार शिवाजी को अपने 23 दुर्ग मुगलों के हवाले करने पड़े।

2. आवश्यकता पड़ने पर बीजापुर के विरुद्ध मुगलों की सहायता करने का आश्वासन दिया ।

3. शिवाजी को व्यक्तिगत रुप से मुगल दरबार में उपस्थित होने के लिए बाध्य नहीं किया गया ।

प्र.78 राणा सांगा की खानवा युद्ध में पराजय के क्या कारण रहे ?

उत्तर (1) राणा सांगा की पराजय का मुख्य कारण बयाना विजय के तुरंत बाद ही युद्ध न करके बाबर को तैयारी करने का पूरा समय देना था ।

(2) राजपूत सैनिक परंपरागत हथियारों से युद्ध लड़ रहे थे वे तीरकमान, भालों व तलवारों से बाबर की तोपों के गोलों का मुकाबला नहीं कर सकते थे ।

(3) हाथी पर सवार होकर भी सांगा ने बड़ी भूल की क्योंकि इससे शत्रु को उस पर ठीक निशाना लगा कर घायल करने का मौका मिला । उसके युद्धभूमि से बाहर जाने से सेना का मनोबल कमजोर हुआ

(4) राजपूत सेना में एकता और तालमेल का अभाव था क्योंकि संपूर्ण सेना अलग–अलग सरदारों के नेतृत्व में एकत्रित हुई थी।

प्र.79 महाराणा प्रताप की कोई चार चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

उत्तर (1) निहत्थे पर वार नहीं– करना उन्होंने कभी भी निहत्थे पर वार नहीं करने का प्रण ले रखा था । वह सदैव दो तलवार रखते थे एक तलवार दुश्मन को देने के लिए भी रखते थे।

(2) मेवाड़ का राजचिह्न सामाजिक समरसता का प्रतीक है। एक तरफ क्षेत्रीय व दूसरी तरफ भील योद्धा, सर्व समाज समभाव का सूचक है।

(3) स्वतंत्रता प्रेमी महाराणा प्रताप स्वाधीनता प्रेमी थे। अनेक कष्टों के बाद भी किसी भी कीमत पर अकबर की अधीनता स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हुए ।

(4) प्रेरणा पुरुष महाराणा प्रताप बाद में शिवाजी, छत्रसाल से लेकर अंग्रेजों के विरुद्ध स्वाधीनता संग्राम में स्वातंष्य योद्धाओं के प्रेरक बने ।

प्र.80 महाराणा प्रताप राव चंद्रसेन में क्या क्या समानता व असमानता थी ? बताइए ।

उत्तर **समानताएं** – चंद्रसेन व प्रताप दोनों को अपने भाई बंधुओं के विरोध का सामना करना पड़ा । प्रताप की भांति चंद्रसेन के अधिकार में मारवाड़ के कई भाग नहीं थे । मेवाड़ के मांडलगढ़ और चित्तौड़ पर तो मारवाड़ के मेड़ता,नागौर, अजमेर आदि स्थानों पर मुगलों का अधिकार था ।

असमानताएं – समानता के साथ–साथ दोनों शासकों की गतिविधियों में मूलभूत अंतर भी पाया जाता है। दोनों शासकों ने अपने अपने पहाड़ी क्षेत्रों में रहकर मुगलों को खूब छकाया किंतु प्रताप के समान चंद्रसेन चावंड जैसी कोई स्थाई राजधानी नहीं बसा पाया । विशेष अवसर पर चंद्र सेन की उपस्थिति व मुगल सेना को विकेंद्रित करने से प्रताप को सहयोग मिला।

प्र.81 "शिवाजी हिंदू स्वराज्य के समर्थक थे" स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर (1) 1645 ईसवी के आरंभ में शिवाजी ने दादा जी नरसप्रभु को हिंदवी स्वराज्य की योजना के संबंध में लिखा था जिससे उनका अभिप्राय संपूर्ण भारत के हिंदुओं को धार्मिक स्वतंत्रता दिलाना था । विचारशीलव क्रियाशील मराठों ने उसके विचारों को इसी संदर्भ में समझा ।

(2) शिवाजी अपने वीर्जित क्षेत्र पर चौथ(मालगुजारी का चौथा हिस्सा) और सरदेशमुखी क्षेत्र की आय का 1/10 भाग होता था उसे वसूल करते और जो यह कर देते थे । उस क्षेत्र में लूटमार नहीं की जाती थी ।यह प्रदेश हिंदू और मुस्लिम दोनों होते थे।

(3) शिवाजी के आगरा जाने का उद्देश्य अपनी आंखों से उत्तर भारत की दशा देखकर यह जानना था कि क्या उत्तरी भारत मुगल साम्राज्य के पंजे से मुक्त होने के लिए तैयार है ?

(4) मुगले से युद्ध करते समय शिवाजी ने राजपूत राजाओं से संघर्ष के स्थान पर मेलजोल की नीति अपनाई।

प्र.82 महाराणा कुंभा की सांस्कृतिक उपलब्धियां बताइए।

उत्तर **महाराणा कुम्भा की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ**

महाराणा कुम्भा का शासनकाल उसकी सांस्कृतिक उपलब्धियों के कारण भी विख्यात है। उसके समय में साहित्य एवं कला की महत्वपूर्ण उन्नति हुई। डॉ ओझा ने लिखा है कि "महाराणा कुम्भा के व्यक्तित्व में कटार कलम और कला की त्रिवेणी का अद्भूत समन्वय था। सांस्कृतिक दृष्टि से यह काल मेवाड़ के इतिहास का स्वर्ण–युग था।"

साहित्य के क्षेत्र में उपलब्धियां–

(1) उच्च कोटि का विद्वान– कुम्भा एक वीर योद्धा ही नहीं, अपितु एक विद्यानुरागी शासक भी था। वह स्वयं एक उच्च कोटि का विद्वान था। 'एकलिंग महात्म्य' के अनुसार "कुम्भा वेद, स्मृति, मीमांसा, उपनिषद्, व्याकरण, राजनीति और साहित्य में बड़ा निपुण था। महान संगीत ज्ञाता होने के कारण कुम्भा को 'अभिनव भरताचार्य' तथा 'वीणावादन प्रवीणेन' कहा जाता है। 'कीर्तिस्तम्भ प्रशस्ति' के अनुसार कुम्भा वीणा बजाने में निपुण था। उसने 'संगीतराज', 'संगीत मीमांसा, 'संगीत क्रम दीपिका', 'सूड प्रबंध' नाम ग्रन्थों की रचना की। उसने संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थ 'संगीत रत्नाकर' की टीका भी लिखी। कुछ विद्वानों के अनुसार कुम्भा ने 'कामराजरतिसार' नामक ग्रन्थ भी लिखा था जो सात अंगों में विभक्त है। उसने चण्डीशतक की व्याख्या, जयदेव के संगीत ग्रन्थ 'गीतगोविन्द' की टीकाएं भी लिखीं। कुम्भा एक अच्छा नाटककार भी था। उसने 'महाराष्ट्री' (मराठी), 'कर्णाटी' (कन्नड़) तथा मेवाड़ी भाषा में चार नाटकों की रचना की। उसने कीर्तिस्तम्भ के विषय पर एक ग्रन्थ लिखा और उसकों शिलाओं पर खुदवाकर विजय–स्तम्भ पर लगवाया।

(2) विद्वानों का संरक्षक– कुम्भा स्वयं ही विद्वान नहीं था, अपितु वह विद्वानों तथा साहित्यकारों का संरक्षक भी था। कुम्भा को 'राणौरासो' (विद्वानों का संरक्षक) कहा गया है। उसके दरबार में अनेक विद्वान आश्रय पाते थे। उसके दरबार में 'एकलिंग महात्म्य' का लेखक कान्ह व्यास तथा प्रसिद्ध वास्तुशास्त्री मण्डन रहते थे। मण्डन ने 'देवमूर्ति प्रकरण', प्रसादमण्डन', 'राजवल्लभ', 'रूपमण्डन', 'वास्तुमण्डन', 'वास्तुशास्त्र', 'वास्तुकार', आदि ग्रन्थों की रचना की। मण्डन के भाई नाथा ने 'वास्तुमंजरी' नामक ग्रन्थ लिखा। मण्डन के पुत्र गोविन्द ने 'उद्धार–धोरिणी', 'कलानिधि', तथा 'द्वार–दीपिका' नामक ग्रन्थों की रचना की। 'कलानिधि' देवालयों के शिखर विधान पर केन्द्रित है जिसे शिखर रचना व शिखर के अंग–उपांगों के सम्बन्ध में कदाचित एकमात्र स्वतंत्र ग्रन्थ कहा जा सकता है। आयुर्वेदज्ञ के रूप में गोविन्द की रचना 'सार–समुच्चय' में विभिन्न रोगों के निदान व उपचार की विधियां भी दी गई है। कुम्भा की पुत्री रमाबाई को 'वागीश्वरी' कहा गया है, वह भी अपने संगीत–प्रेम के कारण प्रसिद्ध रही है।

कवि मेहा महाराणा कुम्भा के समय का एक प्रसिद्ध रचनाकार था। उसकी रचनाओं में 'तीर्थमाला' प्रसिद्ध है जिसमें 120 तीर्थों का वर्णन है। मेहा कुम्भलगढ़ तथा रणकपुर के जैन मंदिर के निर्माण के दौरान उपस्थित था। हीरानन्द मुनि को कुम्भा अपना गुरू मानते थे और उन्हें 'कविराज' की उपाधि दी थी।

कला के क्षेत्र में उपलब्धियाँ– महाराणा कुम्भा का शासन काल भारतीय कला के इतिहास में स्वर्णिम काल कहा जा सकता है। उसके समय में स्थापत्य कला, मूर्तिकला, चित्रकला एवं संगीतकला के क्षेत्र में अत्यधिक उन्नति हुई।

स्थापत्य कला– (1) दुर्ग – महाराणा कुम्भा ने अनेक दुर्गों, मन्दिरों, राजप्रसादों, जलाशयों, आदि का निर्माण करवाया। मेवाड़ के कुल 84 दुर्गों में से अकेले महाराणा कुम्भा ने 32 दुर्गों का निर्माण करवाया। उसने सिरोही के निकट बसन्ती का दुर्ग बनवाया और मेरों के प्रभाव को रोकने के लिए मचान का दुर्ग बनवाया। पश्चिमी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए उसने आबू में अचलगढ़ के दुर्ग का पुनर्निर्माण करवाया। कुम्भलगढ़ का दुर्ग कुम्भा की सामरिक प्रतिभा का परिचायक है। इस दुर्ग का परकोटा 36 किलोमीटर लम्बा है जो चीन की दीवार के बाद विश्व की सबसे लम्बी दीवार मानी जाती है।

(2) मन्दिर– कुम्भा ने अनेक मंदिरों का भी निर्माण करवाया। कुम्भाकालीन मन्दिरों में चितौड़ का कुम्भा श्याम का मंदिर, श्रृंगार गौरी का मन्दिर तथा एकलिंगजी का मंदिर आदि उल्लेखनीय है। रणकपुर का प्रसिद्ध जैन मंदिर महाराणा कुम्भा के समय में ही बनवाया गया था। कुम्भा ने कुम्भलगढ़ तथा चितौड़गढ़ में अनेक राजप्रसादों का निर्माण भी करवाया।

(3) विजय स्तम्भ– महाराणा कुम्भा ने चितौड़गढ़ के दुर्ग में विजय स्तम्भ का निर्माण मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी पर विजय की स्मृति में करवाया था। इसका निर्माण प्रधान शिल्पी जैता व उसके तीन पुत्रों– नापा, पोमा और पूंजा की देख–रेख में हुआ। इस स्तम्भ की ऊँचाई 122 फीट है तथा इसमें 9 मंजिलें है, जिन पर चढ़ने के लिए घुमावदार सीढ़ियां बनी हुई है। यह हिन्दू देवी–देवताओं की मूर्तियों से सुसज्जित है। डॉ. गोपीनाथ शर्मा के अनुसार "यह हिन्दू देवी–देवताओं से सुसज्जित एवं व्यवस्थित संग्रहालय कहा जा सकता है।'' इसे 'विष्णु ध्वज' भी कहा जाता है।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय–5
(उपनिवेशवाद आक्रमण)

प्र.1 1857 की क्रांति के कोई चार राजनैतिक व प्रशासनिक कारण बताइए ?

उत्तर (1) लार्ड डलहौजी के व्यपगत सिद्वान्त से अंग्रेजों ने सतारा, नागपुर, झाँसी, मैसूर आदि राज्यों को हडप लिया था जिस कारण से जनता अंग्रेजो के खिलाफ थी।

(2) अवध पर कुशासन का आरोप लगाकर इसका अग्रेजी साम्राज्य में विलय कर लिया था।

(3) अंग्रेजों ने भारतीय जमीदारों की भूमि छीन ली थी।

(4) लार्ड कैंनिग ने घोषणा की थी कि बहादुरशाह जफर की मृत्यु के बाद बादशाह का पद समाप्त कर दिया जायेगा तथा उनके वंशजो को लाल किला खाली करना पडेगा बादशाह को नजराना देना बंद कर दिया व बादशाह का नाम सिक्को से हटाने से मुस्लिम जनता भी अंग्रेजो से नाराज हो गई।

(5) 1833 के चार्टर एक्ट के तहत ये घोषणा की गई थी कि धर्म, जाति, रंग व वंश का भेदभाव किये बिना सभी को योग्यता के आधार पर नियुक्ति दी जायेगी लेकिन अंग्रेजो ने ऐसा न करके उच्च पद केवल अंग्रेजो के लिये ही सुरक्षित रखे थे।

(6) अंग्रेजो की न्याय व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण भारतीय अंग्रेजो से असन्तुष्ट थे।

प्र.2 1857 की क्रांति के चार आर्थिक कारण बताइये ?

उत्तर (1) अंग्रेजो की आर्थिक शोषण की नीतियों ने भारत की आत्मनिर्भर ग्रामीण व्यवस्था को नष्ट कर दिया था , भू राजस्व की वजह से किसानों का आर्थिक शोषण होने लगा।

(2) अंग्रेजो ने भारत निर्मित सामान के निर्यात पर अत्यधिक कर लगा दिया तथा भारतीय मलमल, सुती व रेशमी कपडे पर इग्लैण्ड में 71 प्रतिशत तक कर लिया जाने लगा जिस कारण भारतीय कपड़ा उद्योग नष्ट हो गया।

(3) इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति के कारण मशीनो द्वारा बने कपडे भारतीय कपडो की अपेक्षा सस्ता होने के कारण प्रतिस्पर्धा में पिछड गये जिस कारण हस्त कला उद्योग नष्ट हो गये और बडे नगर उजड गये।

(4) भारत के धन निष्कासन के कारण सारा धन इंग्लैण्ड पहुंच गया जिससे अंग्रेज अमीर होते गये और भारतीय गरीब होते गये ।

प्र.3 1857 की क्रांति के चार सामाजिक कारण बताइये ?

उत्तर (1) अंग्रेज जाति भेदभाव की भावना से प्रेरित होकर भारतीयों को घृणा की दृष्टि से देखते थे।

(2) रेलवे की प्रथम श्रेणी की यात्रा भारतीयों के लिए वर्जित थी तथा भारतीय अंग्रेजो के साथ किसी भी सामाजिक उत्सव में भाग नहीं ले सकते थे व अंग्रेजो द्वारा संचालित कल्बो में भारतीयों का प्रवेश वर्जित था।

(3) आगरा के मजिस्ट्रेट ने एक आदेश पारित कर कहा कि भारतीय कितना भी बडा क्यूं न हो सडक पर चलने वाले हर अंग्रेज को सलाम करेगा तथा भारतीय घोडे या अन्य सवारी कर रहा हो तो उसे नीचे उत्तर कर तब तक खडे रहना होगा जब तक अंग्रेज वहां से चला न जाये।

(4) अंग्रेजो द्वारा भारतीय शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर पाश्चात्य शिक्षा को लागू करने का मुख्य उद्देश्य लिपिकीय वर्ग तैयार करना था जो अनुवादक की भूमिका अदा कर सके।

प्र.4 1857 की क्रांति के धार्मिक कारणो पर प्रकाश डालिये।

उत्तर (1) हिन्दू उत्तराधिकारी नियम के तहत धर्म परिवर्तित करने वाले व्यक्ति को पैतृक संपति से वंचित किया जाता था लेकिन अग्रेजो ने इस कानून को बदल दिया इस कारण से हिन्दू धर्म छोडकर ईसाई धर्म में लोग परिवर्तित होने लगे।

(2) अंग्रेजों ने ईसाई मिशनरियों को आर्थिक सहायता देना शुरू कर दिया जिससे उन्होंने लोगो को सुविधाये व राजकीय सेवाएं जैसे प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में परिवर्तित करना शुरू कर दिया था।

(3) 1813 के अधिनियम के तहत भारत में सभी धर्मो के प्रचार की छूट मिल गई जिसका मुख्य उद्‌देश्य ईसाई धर्म साहित्य का प्रचार प्रसार करना था।

(4) अब तक मंदिर व मस्जिद की संपति कर मुक्त थी अंग्रेजो ने उन पर कर लगाना शुरू कर दिया जिस कारण मंदिर व मस्जिद के पुजारी व मौलवी अंग्रेजो से नाराज हो गये।

प्र.5 1857 की क्रांति के सैनिक व तात्कालिक कारण बताइये ?

उत्तर **सैनिक कारण–**

(1) सेना में भारतीयों की संख्या अधिक होते हुए भी उनके वेतन, भत्ते व पदोन्नति में भेदभाव किया जाता था। भारतीय सैनिकों को 9 रूपये मासिक वेतन व यूरोपिय सैनिकों को 60–70 रूपये मासिक दिया जाता था।

(2) 1856 में लार्ड कैंनिंग ने सामान्य सेना भर्ती अधिनियम जारी किया जिसके तहत अब भारतीय सैनिकों को समुद्र पार भी जाना पड सकता था जिससे भारतीय सैनिकों में अंसतोष व्याप्त हुआ।

(3) 1854 के डाकघर अधिनियम के द्वारा सैनिकों को मिल रहीं नि'शुल्क डाक सुविधा को समाप्त कर दिया ।

तात्कालिक कारण– अंग्रेजों ने पुरानी ब्राउन बेस बन्दूक के स्थान पर एनफिल्ड राईफल्स का प्रयोग शुरू किया जिसके कारतुस के ऊपरी भाग को मुँह से काटना पडता था जिस कारण सैनिकों में यह बात फैल गई कि कारतूस पर गाय व सूअर की चर्बी लगी हुई है क्योंकि हिन्दू गाय को पवित्र व मुसलमान सूअर को निषिद्ध मानते थे जिस कारण सैनिको ने विद्रोह कर दिया।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.6 1857 की क्रांति की असफलता के कारणों की विवेचना किजिए।

उत्तर **(1) कुशल व योग्य नेतृत्व का अभाव** – इस संग्राम में लड़ने वालो के पास कुशल और योग्य नेतृत्व का अभाव था। बहादुर शाह वृद्ध व कमजोर शासक था जबकि नाना साहब, लक्ष्मी बाई, बेगम हजरत महल, कुंवर सिंह अपने–अपने उद्दश्यों के लिए लड़ रहे थे व उनमें आपस में कोई समन्वय नहीं था।

(2) क्रांति का समय से पूर्व होना – क्रांति योजनानुसार 31 मई 1857 को प्रारम्भ होनी थी लेकिन निश्चित तारीख से पूर्व क्रांति शुरू होने के कारण क्रांति सभी जगह एक साथ शुरू नहीं हो सकी। 31 मई से पहले 10 मई को ही क्रांति की शुरूआत हो गयी। ऐसे में अलग अलग समय और स्थानों पर हुई क्रांति का दमन करने में अंग्रेजों को सफलता मिल गयी।

(3) भारतीय नरेशों का असहयोग – अधिकांश रियासतो ने अपने स्वार्थवश विद्रोह का दमन करने के लिए अंग्रेजों का साथ दिया था लार्ड कैंनिग ने स्वयं इन राजाओं को ''तूफान को रोकने वाले बाँध'' के रूप बताया है।

(4) जमींदारों, व्यापारियों व शिक्षित वर्ग की तटस्थता – बडे जमीदार, व्यापारी साहूकार व शिक्षित वर्ग ने क्रांति को सहयोग न देकर तटस्थ रहे इसलिए क्रांतिकारियों को योग्य नेतृत्व नहीं मिला।

(5) सीमित साधन – अंग्रेजों के पास आधुनिक हथियार संसाधन व रसद सामग्री की आपूर्ति सामय पर हो रही थी जबकि भारतीयों के पास ऐसा नहीं था।

(6) निश्चित लक्ष्य तथा आदर्श का अभाव – क्रांतिकारियों ने क्रांति के शुरूआत में कोई एक लक्ष्य तय नहीं किया तथा ये भी निश्चित नहीं किया था कि क्रांति की सफलता के बाद प्रशासनिक ढांचा क्या होगा तथा इसके लिए कोई आदर्श प्रस्तुत नहीं किया था।

(7) अंग्रेजो की अनुकुल स्थितियां – लार्ड डलहौजी ने रेल –डाकतार का प्रचार प्रसार किया था जिस कारण समय पर सूचना मिलने पर अंग्रेजो को सैनिक सहायता समय पर पहुंची तथा विदेशों में जो सैनिक लड रहे थे वो भी समय पर भारत पहुंच गये थे।

(8) अंग्रेजो की कूटनीति – लार्ड कैंनिग ने देशी राजाओ के प्रति उदार नीति दिखाकर उन्हें अपने पक्ष में करने में सफल रहा तथा अन्य में फूट डालकर क्रांति का दमन करने में सफल रहा।

प्र.7 1857 की क्रांति के परिणाम बताइए ?

उत्तर 1857 की क्रांति में अंग्रेजों को सफलता तो जरूर मिली लेकिन उन्हे ये महसूस होने लगा कि हमें प्रशासनिक सामाजिक राजनैतिक स्थितियों में परिवर्तन करना जरूरी हो गया इसी के आधार पर अंग्रेजों ने भारत में कई परिवर्तन किये–

(1) कम्पनी के शासन का अंत – 1 नवम्बर 1858 को भारत सरकार अधिनियम द्वारा महारानी विक्टोरिया ने कम्पनी से शासन लेकर ब्रिटिश सरकार को सौंप दिया तथा भारत का शासन चलाने हेतु 15 सदस्यी इंडियन कौन्सिल का गठन किया तथा गर्वनर जनरल का नाम वायसराय कर दिया ।

(2) सैना का पुनर्गठन – 1861 की पील कमीशन की रिर्पोट के अनुसार सेना में ब्रिटिश सैनिकों की संख्या बढा दी गई तोप खाने व उच्च पद यूरोपियों के लिए आरक्षित कर दिये तथा यह भी व्यवस्था की गई की समुदाय व क्षैत्र के लोग सेना की एक टुकडी में न रहे।

(3) भारतीय नरेशों के प्रति नीति में परिवर्तन – अंग्रेजों ने साम्राज्य विस्तार की नीति का त्याग कर दिया दत्तक पुत्र गोद लेने की अनुमति दी तथा राजाओं के अधिकार गौरव व सम्मान की रक्षा का विश्वास दिलाया।

(4) फूट डालो राज करो की नीति को बढावा – अंग्रेजों ने साम्प्रदायिकता, क्षेत्रवाद व जातिवाद को बढावा देना शुरू कर दिया। अंग्रेजो ने साम्राज्य विस्तार की जगह आर्थिक शोषण को बढावा देना शुरू कर दिया समस्त वित्तीय भार तथा सार्वजनिक ऋणों का दबाव भारतीयों पर डाला जिससे भारत से अधिक धन निष्कासन होने लगा।

(5) राष्ट्रीय आंदोलन को प्रोत्साहन – 1857 की क्रांति में भारतीयों ने एक जुट होकर संघर्ष किया जिससे उन्हे लगा कि हम लोगो में जागृति लाकर अंग्रेजों को बाहर निकालने में सफलता प्राप्त कर सकते है। इसलिए राष्ट्रीय आंदोलन को एक नई दिशा मिली।

प्र.8 1857 की क्रांति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर **(1) सैनिक विद्रोह** – रॉबर्टस जॉन लारेन्स और सीले के अनुसार यह केवल सैनिक विद्रोह था इसके अलावा कुछ नहीं लेकिन समाज के प्रत्येक वर्ग ने इसमें भाग लिया था इसलिए यह कथन सत्य नहीं है।

(2) मुस्लिम प्रतिक्रिया – सर जैम्स आउट्रम व डब्ल्यू.के. टेलर के अनुसार यह मुस्लिम षडयन्त्र था जिसके आधार पर मुस्लिम शासन की पुन' स्थापना करना चाहते थे लेकिन इसमें हिन्दुओं ने भी भाग लिया इसलिए यह कथन सत्य नहीं है।

(3) राष्ट्रीय विद्रोह – बैन्जामिन डिजरैली ने तथा अशोक मेहता ने अपनी पुस्तक द ग्रेट रिबेलियन में इसे राष्ट्रीय विद्रोह की संज्ञा दी। राष्ट्रीय भावना के कारण सभी वर्गो के लोगों ने बिना भेदभाव के आपसी मतभेद भूलाकर अंग्रेजो को भारत से बाहर निकालने का सामूहिक प्रयास किया था

(4) भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्रम – डॉ एम.एस.सैन व वीडी सावरकर ने अपनी पुस्तक वार ऑफ इण्डियन इण्डिपेन्डेंस में इसे स्वतंत्रता का प्रथम संग्राम बताया पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने भी अपनी पुस्तक भारत एक खोज में लिखा कि सैनिक विद्रोह के रूप में शुरू हुआ यह विद्रोह शीघ्र ही जन विद्रोह व स्वतंत्रता संग्राम में परिवर्तित हो गया।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय 6
आधुनिक स्वाधीनता आंदोलन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

प्र.1 निम्न में से राजा राममोहन राय की पुस्तक नहीं है ?
(अ) तोहफात–उल–मुहीद्दीन
(ब) एकेश्वरवादियों का उपहार
(स) गुलाम गिरी
(द) प्रीसेप्टस ऑफ जीसस (स)

प्र.2 हेनरी विलियम डेरोजियो ने किस आन्दोलन का नेतृत्व किया?
(अ) अकाली आन्दोलन (ब) यंग बंगाल आंदोलन
(स) अलीगढ़ (द) अहमदिया (ब)

प्र.3 सती प्रथा विरोधी कानून कब पारित हुआ व कहां लागू हुआ?
(अ) 1828 ई. बम्बई (ब) 1829 ई. मद्रास
(स) 1829ई. कलकत्ता (द) 1830ई. कलकत्ता (स)

प्र.4 बम्बई व मद्रास प्रेसीडेन्सी में सती प्रथा कानून कब लागू हुआ?
(अ) 1829ई. (ब) 1828ई.
(स) 1830ई. (द) 1831ई. (स)

प्र.5 सत्यार्थ प्रकाश पुस्तक की रचना किसने व किस भाषा में की?
(अ)दयानन्द सरस्वती– संस्कृत
(ब)राजा राममोहन राय– बंगाली
(स)दयानन्द सरस्वती– हिन्दी में
(द) विवेकानन्द– अंग्रेजी में (स)

प्र.6 डी.के. कर्वे ने पूना में विधवाश्रम कब खोला ?
(अ) 1899ई. (ब) 1897ई.
(स) 1896ई. (द) 1900ई. (अ)

प्र.7 हरविलास शारदा ने शारदा एक्ट के माध्यम से कौनसी सामाजिक बुराई को रोकने का प्रयास किया ?
(अ) सती प्रथा (ब) बहु विवाह
(स) पर्दाप्रथा (द) बाल विवाह (द)

प्र.8 पारसी धर्म सुधारक बी.एम. मालाबारी के प्रयास से सम्मति आयु अधिनियम कब पारित किया गया ?
(अ) 1890ई. (ब) 1891ई.
(स) 1895ई. (द) 1875ई. (ब)

प्र.9 आजाद हिन्द फौज की स्थापना की गई ?
(अ) 1जून 1943 (ब) 4जुलाई 1943
(स) 1सितम्बर 1942 (द) 2 अक्टूबर 1943 (स)

प्र.10 भारत दुर्दशा नामक नाटक के लेखक कौन थे ?
(अ) बंकिमचंद्र (ब) अल्ताफ हुसैन
(स) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (द) विष्णुशास्त्री (स)

प्र.11 लैंड होल्डर्स सोसायटी की स्थापना कब हुई ?
(अ) 1839 (ब) 1838
(स) 1840 (द) 1837 (ब)

प्र.12 कांग्रेस के द्वितीय अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की ?
(अ) 1888 ई. जॉर्ज यूल
(ब) 1886ई. दादा भाई नौरोजी
(स) 1887ई. बदरूद्दीन तैयब
(द) 1885ई. व्योमेश चन्द्र बनर्जी (ब)

प्र.13 जॉर्ज यूल – प्रथम यूरोपीय अध्यक्ष, बदरूद्दीन तैयब – प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष, व्योमेश चन्द्र बनर्जी–प्रथम अध्यक्ष राजा राममोहन राय की मृत्यु कहां हुई थी ?
(अ) लंदन (ब) ब्रिस्टल
(स) शिकागो (द) कलकत्ता (ब)

प्र.14 प्रान्तों में द्वैध शासन व्यवस्था किस अधिनियम द्वारा लागू की गई ?
(अ) 1909 के अधिनियम द्वारा
(ब) 1919 के अधिनियम द्वारा
(स) 1935 के अधिनियम द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं (ब)

प्र.15 महात्मा गांधी ने कांग्रेस की अध्यक्षता कब की ?
(अ) 1924 बेलगांव (ब) 1920
(स) 1921 (द) कोई नहीं (अ)

प्र.16 भारत छोड़ो आंदोलन के समय किस नेता ने आजाद दस्ता बनाकर जनक्रांति में भाग लिया ?
(अ) महात्मा गांधी
(ब) डॉ. राममनोहर लोहिया
(स) श्रीमती अरूणा
(द) जयप्रकाश नारायण (द)

प्र.17 भारत छोड़ो आंदोलन के समय ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराया ?
(अ) श्रीमती अरूणा आसफ अली
(ब) महात्मा गांधी
(स) अच्युत पटवर्धन
(द) सरोजनी नायडू (अ)

प्र.18 केबिनेट मिशन में निम्न में से कौन शामिल थे ?
(अ) पैथिक लौरेन्स (ब) स्टेफरी क्रिप्स
(स) ए.वी.एलेक्जैण्डर (द) सभी (द)

प्र.19 ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने कब तक भारत को सत्ता सौंप देने की बात कही ?
(अ) जुलाई 1947 (ब) अगस्त 1947
(स) जून 1948 (द) अगस्त 1948 (स)

प्र.20 सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस को एकता दिवस के रूप में कब से मनाया जाता है ?
(अ) 2015 से (ब) 2017 से
(स) 2014 से (द) 2019 से (स)

शेखावाटी मिशन–100

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्र.1 प्राचीन भारतीय सभ्यता विश्व की महानतम् सभ्यता है – ''यह कथन किन विद्वानों ने कहे?

उत्तर विलियम जोन्स, मैक्समूलर

प्र.2 प्राचीन भारतीय ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद का कार्य कौनसी संस्था ने किया?

उत्तर बगांल एशियाटिक सोसायटी

प्र.3 राजा राममोहन राय ने कौन–कौन सी पत्रिकाओं का सम्पादन किया ?

उत्तर (अ) मिरातुल अखबार – फारसी
(ब) संवाद कौमुदी– बांग्ला
(स) बंगदूत– हिन्दी

प्र.4 आत्मीय सभा की स्थापना किसने, कब व कहाँ की ?

उत्तर राजा राममोहन राय, 1814 कलकता में।

प्र.5 ब्रह्म सभा की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर 1828 में राजा राममोहन राय ने।

प्र.6 तत्वबोधिनी सभा की स्थापना किसने, कब व क्यों की ?

उत्तर देवेन्द्र नाथ टैगौर ने , 1839 मे (राजा राममोहन राय के विचारों से प्रभावित होकर)

प्र.7 राजा राममोहन राय को इंगलैण्ड किसने भेजा था ?

उत्तर मुगल बादशाह अकबर द्वितीय

प्र.8 ब्रिटिश संसद ने भारतीय मामलों पर किस भारतीय से सर्वप्रथम परामर्श किया था?

उत्तर राजा राममोहन राय

प्र.9 भारतीय पत्रकारिता का अग्रदूत किसे कहा जाता है ?

उत्तर राजा राममोहन राय

प्र.10 प्रार्थना समाज की स्थापना कब, किसने व कहां की ?

उत्तर 1867 में आत्माराम पांडूरंग ने बम्बई में।

प्र.11 आर्य समाज की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्या था?

उत्तर हिन्दू धर्म व समाज में आई रूढ़ियों को समाप्त कर प्राचीन वैदिक धर्म को पुर्नस्थापित करना।

प्र.12 स्वामी दयानन्द किनसे प्रभावित होकर उनके शिष्य बन गए?

उत्तर स्वामी विरजानन्द

प्र.13 किसके परामर्श से स्वामी दयानन्द अपने विचारों का प्रचार प्रसार संस्कृत के स्थान पर हिन्दी में प्रारम्भ किया ?

उत्तर बंगाल के समाज सुधारक केशवचन्द्र सैन

प्र.14 स्वामी विवेकानन्द का जन्म कब व कहां हुआ था ?

उत्तर 12 जनवरी 1863 कलकत्ता में।

प्र.15 स्वामी विवेकानन्द किनके सहयोग से सितम्बर 1893 के विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए?

उत्तर खेतड़ी महाराज अजीत सिंह

प्र.16 शिकागो धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानन्द ने अपने भाषण का संबोधन किससे प्रारम्भ किया तथा भाषण में क्या कहा ?

उत्तर भाईयों एवं बहनों से, शून्य से प्रारम्भ कर भारतीय संस्कृति व धर्म की महत्ता को बड़े प्रभावशाली तरीके से पश्चिमी जगत के समक्ष रक्षा।

प्र.17 स्वामी विवेकानन्द के बारे में अमेरिका के प्रसिद्ध अखबार न्यूयार्क हैराल्ड ने क्या लिखा?

उत्तर शिकागो धर्म सम्मेलन में विवेकानन्द ही सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति हैं उनके भाषण सुनने के बाद लगता है कि भारत जैसे समुन्नत राष्ट्र में इसाई प्रचारकों को भेजा जाना कितनी मूखर्ता की बात है।

प्र.18 वैदान्त सोसायटी की स्थापना कब व कहां की ?

उत्तर स्वामी विवेकानन्द ने 1896, न्यूयार्क में।

प्र.19 रामकृष्ण मिशन की स्थापना कब , किसने व कहां की ?

उत्तर 5 मई 1897 को स्वामी विवेकानन्द ने वैलूर कलकत्ता मे।

प्र.20 रामकृष्ण मिशन की शिक्षाऐं मुख्य रूप से किस पर आधारित थी?

उत्तर वेदान्त दर्शन पर

प्र.21 रामकृष्ण मिशन का ध्येय वाक्य क्या है ?

उत्तर नर सेवा नारायण सेवा

प्र.22 सत्य शोधक समाज की स्थापना किसने की?

उत्तर ज्योतिबा फूले ने ।

प्र.23 ज्योतिबा फूले की दो पुस्तकों के नाम बताओ ?

उत्तर सार्वजनिक धर्म, व गुलामगिरि।

प्र.24 सत्यशोधक समाज का मुख्य ध्येय क्या था?

उत्तर समाज से अस्पृश्यता समाप्त करना।

प्र.25 थियोशोफिकल सोसायटी की स्थापना किसने, कब व कहां की?

उत्तर रूसी महिला हैलन पेट्रोवना ब्लावात्सकी एवं अमेरिका के एच. एस.अलकाट ने 1875 ,न्यूयॉर्क में।

प्र.26 थियोशोफिकल सोसायटी की स्थापना का उद्देश्य क्या था?

उत्तर मानवता का विकास व प्राचीन धर्म, दर्शन व वैज्ञानिक ज्ञान के अध्ययन में सहयोग।

प्र.27 हिन्दू विधवा पुर्नविवाह अधिनियम कब व किसके प्रयास से बना?

उत्तर 1856 में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

प्र.28 सिविल मैरिज एक्ट कब व किनके प्रयासों से बना तथा इसमें विवाह की उम्र सीमा क्या तय की?

उत्तर 1872 कैशव चन्द्र सैन के प्रयास के, बालिका–14 बालक–18

प्र.29 भारतीय स्वतंत्रता लीग की स्थापना किसने, कब व कहां की?

उत्तर रास बिहारी बोस ने 23 जून 1942 बैंकाक में।

प्र.30 द्वितीय विश्व युद्ध के समय अस्थाई भारत सरकार की स्थापना किसने, कब व कहां की?

उत्तर सुभाष चन्द्र बोस ने 21 अक्टूबर 1943 में सिंगापुर।

प्र.31 सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज के सैनिकों को कौन से नारे दिये?

उत्तर दिल्ली चलो तथा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

प्र.32 महात्मागांधी को राष्ट्रपिता नाम से किसने संबोधित किया?

उत्तर सुभाष चन्द्र बोस

प्र.33 आजाद हिन्दी फौज का मुख्यालय कहां बनाया गया ?

उत्तर रंगून एवं सिंगापुर

शेखावाटी मिशन–100

प्र.34 आजाद हिन्द फौज को सुभाष चन्द्र बोस ने कितनी ब्रिगेड़ों में बांटा ?

उत्तर गांधी, सुभाष, नेहरू एवं झांसी रानी

प्र.35 आजाद हिन्द फौज की अस्थाई सरकार ने अण्डमान व निकोबार का क्या नाम रखा ?

उत्तर अण्डमान का नाम शहीद व निकोबार का नाम स्वराज्य द्वीप

प्र.36 आजाद हिन्द फौज के किन किन अधिकारियों पर लाल किले में मुकदमा चलाया गया ?

उत्तर शाह नवाज खां, गुरूदयाल सिंह ढिल्लो एवं कर्नल सहगल

प्र.37 आजाद हिन्द फौज के अधिकारियों को मुकदमें में पैरवी किसने की थी ?

उत्तर भूलाभाई देसाई, तेजबहादुर सप्रू, कैलाशनाथ काटजू, आसफ अली, जवाहर लाल नेहरू

प्र.38 किस वायसराय ने विशेषाधिकार का प्रयोग करते हुए आजाद हिन्द फौज के अधिकारियों की सजा माफ की?

उत्तर वायसराय लार्ड वेवल

प्र.39 सुभाष चन्द बोस का जन्म कब व कहां हुआ?

उत्तर 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में

प्र.40 सुभाष चन्द्र बोस ने किस दल का गठन किया?

उत्तर फारवर्ड ब्लॉक का

प्र.41 ईस्ट इण्डिया एसोसियशन की स्थापना कब, कहां व क्यों की गई ?

उत्तर 1 दिसम्बर 1866 दादाभाई नौरोजी ने लंदन में की तथा इसका उद्‌देश्य ब्रिटिश जनता व संसद को भारतीय विषयों की जानकारी देना।

प्र.42 दादाभाई नौरोजी की पुस्तक का नाम बताइए ?

उत्तर पावर्टी एण्ड अन ब्रिटिश रूल इन इण्डिया

प्र.43 भारत का पितामह (ग्रैट ऑल्ड मैन ऑफ इण्डिया) किसे कहा जाता है तथा ये कांग्रेस के अध्यक्ष कितनी बार बने?

उत्तर दादा भाई नौरोजी को , तीन बार अध्यक्ष बने

प्र.44 पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना कब व किसने की ?

उत्तर 2 अप्रैल 1870 गणेश वासुदेव जोशी

प्र.45 अमृत बाजार पत्रिका के संपादक कौन थे? इसने किस संगठन की स्थापना की।

उत्तर शिशिर कुमार घोष ने, इण्डियन लीग की कलकत्ता में 25 सितम्बर 1875

प्र.46 कांग्रेस की स्थापना से पूर्व क्या नाम था ?

उत्तर इण्डियन नेशनल यूनियन

प्र.47 कांग्रेस की स्थापना किसने की ?

उत्तर एलेन अक्टावियन ह्यूम।

प्र.48 कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन कब, कहां हुआ तथा इसमें कितने प्रतिनिधि शामिल हुए ?

उत्तर 28 दिसम्बर 1885 को बम्बई के गोकुल दास तेजपाल संस्कृत स्कूल में 72 सदस्यों ने

प्र.49 लार्ड कर्जन ने बंगाल का विभाजन करने के पीछे अपना क्या तर्क दिया?

उत्तर प्रशासनिक सुविधा के लिए

प्र.50 स्वदेशी, स्वशासन बहिस्कार व राष्ट्रीय शिक्षा के कार्यक्रम कांग्रेस के किस अधिवेशन में पारित हुए ?

उत्तर 1906 कलकत्ता अधिवेशन में।

प्र.51 सूरत की फूट को कांग्रेस इतिहास की सबसे दुखद घटना किसने कहा?

उत्तर एनी बिसेण्ट ने

प्र.52 लाल बाल पाल के नाम से किनको जाना जाता है?

उत्तर लाला लाजपतराय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चन्द्र पाल

प्र.53 बाल गंगाधर तिलक के समाचार पत्रों के नाम बताईए?

उत्तर मराठा (अंग्रेजी में साप्ताहिक), केसरी (मराठी में दैनिक)

प्र.54 बाल गंगाधर तिलक ने कौनसे दो धार्मिक उत्सव प्रारम्भ किये?

उत्तर जनता में राष्ट्रीयता की भावना – 1893– गणेश उत्सव, 1895– शिवाजी उत्सव

प्र.55 बाल गंगाधर तिलक का नारा क्या था?

उत्तर स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है मैं इसे लेकर रहूंगा।

प्र.56 बाल गंगाधर तिलक द्वारा रचित दो पुस्तकों के नाम बताओ?

उत्तर आर्कटिक हॉम आफ द आर्यन्स, गीता रहस्य

प्र.57 इण्डिया अनरेस्ट के लेखक वेलेण्टाइन चिरोल ने तिलक के बारे मे क्या कहा?

उत्तर भारतीय अशांति का जनक

प्र.58 किस भारतीय का असहयोग आंदोलन के प्रारम्भ की दिनांक को मृत्यु हुई जिसे लोग बैताज बादशाह भी कहते थे?

उत्तर बाल गंगाधर तिलक

प्र.59 अनुशीलन समिति की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर वारिन्द्र कुमार घोष ने 1907 में।

प्र.60 खुदीराम बॉस को फांसी की सजा किस घटना में तहत् हुई थी?

उत्तर मुज्जफरपुर बम काण्ड में।

प्र.61 महात्मा गांधी सर्वप्रथम दक्षिण अफ्रीका किस कार्य से गये?

उत्तर दादा अब्दुला एण्ड कम्पनी के मुकदमें की पैरवी के लिए।

प्र.62 गांधीजी ने दक्षिणी अफ्रीका में किन संस्थाओं का घटन किया?

उत्तर नटाल इण्डियन कांग्रेस, टालस टॉय फार्म , फिनिक्स फार्म और भारत में साबरमती।

प्र.63 महात्मा गांधी ने किन – किन समाचार पत्रों का प्रकाशन किया?

उत्तर इण्डियन ऑपीनियन (दक्षिणी अफ्रीका), हरिजन यंग इण्डिया, नवजीवन।

प्र.64 गांधीजी ने प्रथम सत्याग्रह कब व कहां किया ?

उत्तर 1917 ई. में चम्पारण में।

प्र.65 महात्मा गांधी चम्पारण किनके निमंत्रण पर गए थे?

उत्तर राजकुमार शुक्ल के

शेखावाटी मिशन–100

प्र.66 महात्मा गांधी को केसर–ए–हिन्द की उपाधि कब प्रदान की तथा उपाधि को कब त्यागी?

उत्तर प्रथम विश्व युद्ध में अंग्रेजों का सहयोग करने पर, जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड के विरोध में त्यागी।

प्र.67 असहयोग आन्दोलन का कार्यक्रम व प्रस्ताव कांग्रेस के किस अधिवेशन में पारित हुआ?

उत्तर 1. सितम्बर 1920 के लाला लाजपतराय की अध्यक्षता में कलकत्ता में कार्यक्रम

2. दिसम्बर 1920 के विजय राघवाचार्य की अध्यक्षता में नागपुर में प्रस्ताव पारित

प्र.68 स्वराज दल की स्थापना कब, किसने व क्यों की?

उत्तर 1923 में परिवर्तनवादियों के अध्यक्ष चितरंजन दास व सचिव मोतीलाल नेहरू, कौंशिल में प्रवेश कर सरकार का विरोध करने के लिए।

प्र.69 पश्चिमोत्तर भारत में सविनय अवज्ञा आन्दोलन में प्रमुख भागीदारी किसने निभाई?

उत्तर अब्दुल गफार खान व उसके संगठन खुदाई खिदमतगार ने।

प्र.70 कांग्रेस ने कौन से गोलमैज सम्मेलन में व किस समझौते में भाग लिया?

उत्तर दूसरे गौलमेज सम्मेलन में, 1931 के गांधी इरविन समझौते के जिसे दिल्ली पैक्ट भी कहते हैं।

प्र.71 1935 के अधिनियम के तहत हुए चुनावों में कांग्रेस ने कितने प्रांतों में सरकार बनाई?

उत्तर 11 में से 6 प्रांतों में स्पष्ट बहुमत से तथा 2 प्रांतों में साझा सरकार बनाई।

प्र.72 मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस कब व क्यों मनाया?

उत्तर 22 दिसम्बर 1939 को, प्रांतों में कांग्रेस मंत्रीमण्डल द्वारा त्याग पत्र दिये जाने पर।

प्र.73 यह किसने व क्यों कहा कि भारत को ईश्वर के हाथों में या अराजकता में छोड़कर चले जाना चाहिए?

उत्तर महात्मा गांधी ने, द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी सैनिकों द्वारा भारत पर आक्रमण की सम्भावना के कारण।

प्र.74 भारत छोड़ों आंदोलन के कार्यक्रम व प्रस्ताव को कांग्रेस समिति ने कब स्वीकृति प्रदान की?

उत्तर कार्यक्रम को वर्धा में, प्रस्ताव को बम्बई मे।

प्र.75 भारत छोड़ो आंदोलन में गांधी ने क्या नारा दिया?

उत्तर 8 अगस्त 1942 को बम्बई के ग्वालिया टैंक में करो या मरो का नारा दिया ।

प्र.76 भारत छोड़ो आंदोलन के समय भारतीय नेताओं को कहाँ–कहाँ नजरबंद किया?

उत्तर महात्मा गांधी व सरोजिनी नायडू को पूना के आगा खाँ पैलेस में, अन्य नेताओं को अहमदनगर दुर्ग में।

प्र.77 भारत छोड़ो आंदोलन में किन महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?

उत्तर 1. अरूणा आसफ अली 2. सुचेता कृपलानी 3. उषा मेहता 4. सरोजिनी नायडू

प्र.78 वेवेल योजना कब व क्यों बनायी गई?

उत्तर 1945 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल ने भारत में संवैधानिक गतिरोध दूर करने के लिए

प्र.79 प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस किसने, कब व क्यों मनाया?

उत्तर मुस्लिम लीग ने 16 अगस्त 1946 को, पाकिस्तान की मांग के लिए 'लेके रहेंगे पाकिस्तान' 'लड़के लेंगे पाकिस्तान' के नारे लगाये।

प्र.80 अंतरिम सरकार की स्थापना कब व किसके नेतृत्व में हुई?

उत्तर 2 सितम्बर 1946 को जवाहर लाल नेहरू

प्र.81 संविधान सभा की प्रथम बैठक कब आयोजित हुई? इसमें अस्थाई व स्थाई अध्यक्ष किसे बनाया?

उत्तर 9 दिसम्बर 1946 को अस्थाई अध्यक्ष – सच्चिदानन्द सिन्हा, 11 दिसम्बर 1946 से स्थाई अध्यक्ष – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

प्र.82 भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम ब्रिटिश संसद में कब प्रस्तुत किया गया? तथा कब पारित हुआ?

उत्तर 4 जुलाई 1947 को प्रस्तुत किया, एवं 18 जुलाई 1947 को पारित हुआ।

प्र.83 भारत और पाकिस्तान के गर्वनर व प्रधानमंत्री कौन थे?

उत्तर भारत का गर्वनर लार्ड माउण्ट बैटन व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे। पाकिस्तान के गर्वनर मो. अली जिन्हा व प्रधानमंत्री लियाकत अली थे।

प्र.84 पाकिस्तान शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया ?

उत्तर जनवरी 1933 में लंदन में, केम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र चौधरी रहमत अली ने 'अब या फिर कभी नहीं' पत्र में किया।

प्र.85 मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान का प्रस्ताव कब पारित किया?

उत्तर 23 मार्च 1940 को मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन मे।

प्र.86 देशी रियासतों के भारतीय संघ में विषय हेतु कौनसे दो समझौते दस्तावेज थे?

उत्तर 1. इन्स्ट्रूमेण्ट ऑफ एक्सेशन 2. स्टैंडस्टिल एग्रीमेण्ट

प्र.87 15 अगस्त 1947 तक कौनसी रियासतें भारत में शामिल नहीं हुई थी?

उत्तर 1. जूनागढ़ 2. हैदराबाद 3. कश्मीर

प्र.88 कश्मीर भारत का कौनसा राज्य बना व किस अनुच्छेद के तहत विशेष राज्य का दर्जा दिया गया?

उत्तर 15वां राज्य व अनुच्छेद 370 के तहत

लघुत्तरात्मक प्रश्न :–

प्र.1 ब्रह्म समाज का प्रथम विभाजन कब तथा किन शाखाओं में हुआ?

उत्तर 1867 में 1. आदि ब्रह्म समाज 2. भारत ब्रह्म समाज

प्र.2 ब्रह्म समाज का प्रथम विभाजन किन परिस्थितियों में हुआ?

उत्तर देवेन्द्रनाथ राजा राममोहन राय के विचारों पर चलना चाहते थे। कैशवचन्द्र सैन ने सामाजिक सुधार व सभी धर्मों का प्रचार प्रसार करना चाहते थे।

प्र.3 भारत का ब्रह्म समाज का विभाजन कब व क्यों हुआ?

उत्तर 1878 में कैशवचन्द्र सैन द्वारा अपनी 13 वर्षीय पुत्री का बाल विवाह कूच विहार के राजा से करने के कारण।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.4 राजा राममोहन राय के कोई चार सामाजिक सुधार बताइए?

उत्तर 1. जातिप्रथा, अस्पृश्यता

2. सती प्रथा, बाल विवाह, बहु विवाह व पर्दा प्रथा का विरोध

3. विधवा पुनर्विवाह का समर्थन 4. स्त्री शिक्षा पर बल

प्र.5 राजा राममोहन राय के चार धार्मिक सुधार बताइए?

उत्तर 1. एक ब्रह्म (एकेश्वरवाद) पर बल

2. निरर्थक धार्मिक अनुष्ठानों व आडम्बरों का विरोध

3. सभी पंथों की मौलिक एकता पर बल

4. मूर्ति पूजा में अविश्वास

प्र.6 राजा राममोहन राय के राजनैतिक विचार बताइए? कोई चार

उत्तर 1. वरिष्ठ सेवाओं में भारतीयकरण

2. कार्यपालिका का न्यायपालिका से पृथक्करण

3. जूरी द्वारा न्यायव्यवस्था लागू करना

4. भारतीयों व यूरोपीय लोगों के बीच न्याय की समानता

प्र.7 राजा राममोहन राय के शिक्षा के क्षेत्र में चार योगदान बताइए?

उत्तर 1. अंग्रेजी शिक्षा का समर्थन किया।

2. अंग्रेजी शिक्षा के लिए स्कूल व कॉलेज की स्थापना

3. बांग्ला व्याकरण का संकलन कर वेद उपनिषदों का बांग्ला में अनुवाद

4. पत्रकारिता में योगदान

प्र.8 दयानन्द सरस्वती के सामाजिक सुधार बताइए?

उत्तर 1. वर्ण व्यवस्था को जन्म के स्थान पर कर्म के आधार पर मानना।

2. जाति प्रथा, छुआछूत, बाल विवाह, पर्दा प्रथा, बहुविवाह का विरोध।

3. विधवा स्त्रियों की स्थिति सुधारने के लिए विधवाश्रम की स्थापना।

4. स्त्री–पुरूष समानता व स्त्री शिक्षा के लिए कार्य।

प्र.9 स्वामी दयानन्द सरस्वती के चार धार्मिक सुधारों के बारे में बताइए?

उत्तर 1. बहुदेववाद, अवतारवाद, मूर्तिपूजा, पशुबलि में अविश्वास।

2. कर्मकाण्डों एवं अंधविश्वासों का विरोध।

3. वेदों को हिन्दू धर्म का वास्तविक आधार मानना।

4. शुद्ध वैदिक परम्परा में विश्वास मानते हुए वेदों की ओर लौटो का नारा।

प्र.10 शुद्धि आंदोलन से आप क्या समझते है?

उत्तर आर्य समाज ने मतांतरित हिन्दुओं का शुद्धीकरण कर पुनः मूलधर्म में शामिल करना शुद्धि आन्दोलन था।

प्र.11 स्वामी दयानन्द सरस्वती के राजनैतिक विचारों के बारे में बताइए?

उत्तर 1. स्वराज्य शब्द का सबसे पहले प्रयोग किया

2. स्वदेशी, स्वराज्य, स्वभाषा व स्वाभिमान कीबात कही।

3. यह कहा कि बुरे से बुरा स्वदेशी राज्य अच्छे से अच्छे विदेशी राज्य से अच्छा होता है, कहते हुए स्वदेशी पर जोर दिया।

प्र.12 स्वामी दयानन्द सरस्वती/आर्य समाज के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को बताइए?

उत्तर 1. दयानन्द एंग्लो वैदिक स्कूल व कॉलेज की लाहौर में स्थापना

2. वैदिक शिक्षा पद्धति से शिक्षा प्रदान के लिए कांगड़ी गुरूकुल की स्थापना

3. हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में स्थापित करने का प्रयास

प्र.13 स्वामी विवेकानन्द के सामाजिक विचारों एवं कार्यों को बताइए?

उत्तर 1. समाज में संकीर्णताओं एवं कुरीतियों का विरोध

2. उन्होंने जातीय भेदभावों का विरोध कर समानता की बात की।

3. निर्धनता व अज्ञानता को समाप्त करने पर बल तथा यह कहा कि जब तक करोड़ो व्यक्ति भूखे व अज्ञानी है तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को देशद्रोही ही मानता हूं जो उन्हीं के खर्चे पर शिक्षा ग्रहण करता है लेकिन परवाह नहीं ।

प्र.14 स्वामी विवेकानन्द के धार्मिक विचार बताइए?

उत्तर 1. हिन्दू धर्म की मौलिकता एवं विशेषताओं को लोगों के सामने रखा

2. मनुष्य की आत्मा को ईश्वर का अंश बताया

3. ईश्वर की आराधना का रूप दीन दुखी एवं दरिद्रों की सेवा को माना।

प्र.15 स्वामी विवेकानन्द के राष्ट्रीय दृष्टिकोण वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक है, स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 1. भारतीयों में आत्मसम्मान व आत्मविश्वास की भावना का विकास किया।

2. स्वतंत्रता, समानता व स्वतंत्र चिंतन की बात कर युवाओं को नई दिशा दी

3. मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति पर बल देते थे।

प्र.16 सुभाषचन्द्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष कितनी बार बने?

उत्तर दो बार , 1938–हरिपुरा, 1939–त्रिपुरी

प्र.17 सुभाषचन्द्र बोस ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से त्यागपत्र क्यों दिया तथा उनके बाद अध्यक्ष कौन बना?

उत्तर 1939 के त्रिपुरी अधिवेशन में पट्टाभिसीतारम्मैया को पराजित कर अध्यक्ष बने लेकिन गांधीजी के विरोध के कारण त्याग पत्र दिया बाद में राजेन्द्र प्रसाद अध्यक्ष बने।

प्र.18 लार्ड लिटन की दमनकारी नीतियों के बारे में बताइए?

उत्तर 1. 1877 के भयंकर अकाल के बाद भी दिल्ली में भव्य दरबार आयोजित कर ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी घोषित करना।

2. 1878 में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट द्वारा भारतीय समाचार पत्रों पर प्रतिबंध

3. 1878 में शस्त्र एक्ट द्वारा भारतीयों के शस्त्र रखने पर प्रतिबंध

प्र.19 इल्बर्ट बिल विवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर 1883 में वायसराय की परिषद् के विधि सदस्य पी.सी. इल्बर्ट प्रस्ताव लाए जिसमें भारतीयन्यायाधीशों कोयूरोपियनों के मुकदमो का निर्णय का अधिकार दिया गया। इस प्रस्ताव को इल्बर्ट बिल कहा गया, लेकिन यूरोपियों के विरोध के कारण यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका।

प्र.20 इण्डियन एसोसियन की स्थापना कब हुई तथा इस संगठन के महत्वपूर्ण कार्य बताइए?

उत्तर 26 जुलाई 1876 को कलकत्ता में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी व आनन्द मोहन बॉस ने की।

कार्य – 1. हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रयास

2. सामुहिक राष्ट्रीयता का विकास

3. सिविल सेवा में आयु कम करने, वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट व शस्त्र एक्ट का विरोध

प्र.21 कांग्रेस की स्थापना के बाद उसके गठन को किस तरह परिभाषित किया गया?

उत्तर 1. ए.ओ. ह्यूम ने भारतीयो के बढ़ते असंतोष को रोकने के लिए सुरक्षा वाल्व के रूप में

2. उदारवादियों ने अंग्रेजी प्रहार से बचने के लिए तड़ित चालक के रूप में।

प्र.22 कांग्रेस की स्थापना के चार उद्देश्य बताइए?

उत्तर 1. भारतीयों के बीच व्यक्तिगत सम्पर्क एवं मित्रता स्थापित करना

2. भारतीयों के बीच जाति, धर्म, प्रान्तीय द्वेष मिटाकर राष्ट्रीय एकता की भावना बढ़ाना

3. राजनीति व सामाजिक प्रश्नों पर भारत के मत को व्यक्त करना

4. आगामी वर्ष की सार्वजनिक हित की नीति निर्माण

प्र.23 उदारवादियों ने ब्रिटिश सरकार से अपनी मांगे मनवाने में क्या सफलता प्राप्त की?

उत्तर 1.1892 के अधिनियम में केन्द्र व प्रान्तीय विधान परिषदों में भारतीय सदस्यों की वृद्धि करवाना

2. अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली लागू करवाना।

3. सदस्यों को प्रश्न पूछने व बजट पर बहस करने का अधिकार

प्र.24 कांग्रेस के प्रति विभिन्न ब्रिटिश वायसरायों की क्या नीतियां रही? बताइयें।

उत्तर 1. लार्ड डफरिन ने प्रथम वर्ष इसका स्वागत किया लेकिन बाद में कांग्रेस को जनता का सूक्ष्म भाग बताया।

2. लार्ड कर्जन कांग्रेस को समाप्त करना चाहता था।

3. अंग्रेज सरकार सर सैयद्द अहमद खान के नेतृत्व में यूनाईटेड पैट्रियाटिक एसोशियसन बनाकर कांग्रेस विरोधियों को एक मंच पर लाने का कार्य किया।

प्र.25 बंग–भंग आंदोलन के समय भारतवासियों ने विरोध स्वरूप क्या क्या कार्यक्रम आयोजित किये?

उत्तर 1. 16 अक्टूबर 1905 को शोक दिवस मनाया

2. रविन्द्रनाथ टैगोर ने 16 अक्टूबर को राखी दिवस के रूप में मनाया

3. रविन्द्रनाथ टैगोर का आमार सोनार बांग्ला गीत गाया जो बाद में बाग्लादेश का राष्ट्रीयगीत बना।

4. देवताओं से पहले मातृभूमि की पूजा का आह्वान किया गया।

प्र.26 स्वदेशी आन्दोलन के समय क्या–क्या कार्य किए गए?

उत्तर 1. स्वदेशी वस्तुऐं अपनाना 2. विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार 3. आत्मनिर्भरता लाना।

प्र.27 मुस्लिम लीग की स्थापना कब व किसने की? तथा इसके प्रथम अध्यक्ष कौन थे।

उत्तर 30 दिसम्बर 1906 को सलीमुल्ला खां ने ढ़ाका में, प्रथम अध्यक्ष नवाब वकार उल मुल्क थे।

प्र.28 1909 के अधिनियम की प्रमुख विशेषताऐं बताइए?

उत्तर (1) साम्प्रदायिक आधार पर निर्वाचन प्रणाली प्रारम्भ की गई– मुस्लिम, जमींदारों व व्यापारियों के लिए पृथक निर्वाचन मण्डल

(2) गर्वनर जनरल की कार्यकारिणी में एक भारतीय सदस्य की नियुक्ति (एस.पी.सिंहा प्रथम भारतीय बने)

(3) केन्द्रीय व प्रान्तीय व्यवस्थापिका में सदस्यों का विस्तार

(4) व्यवस्थापिका के सदस्यों को बजट पर बहस, पूरक प्रश्न पूछने व मत देने का अधिकार दिया।

प्र.29 असहयोग आन्दोलन के कारण बताइए?

उत्तर 1. रोलट एक्ट 2. जलियावाला बाग हत्याकाण्ड

3. खिलाफत आन्दोलन 4.1919 के अधिनियम से असंतुष्टि

प्र.30 असहयोग आंदोलन के कार्यक्रमों के बारे में बताइए?

उत्तर दो प्रकार के – असहयोगात्मक व रचनात्मक कार्यक्रम

असहयोगात्मक – 1. सरकारी उपाधियों व अवैतनिक पदों का त्याग

2. सरकारी उत्सवों का बहिष्कार

3. सरकारी स्कूल व कॉलेज एवं अदालतों का बहिष्कार

4. करों की अदायगी से इनकार

5. विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार

रचनात्मक – 1. राष्ट्रीय स्कूलों व कॉलेजों की स्थापना

2. झगड़ों का निपटारा पंचायत में

3. स्वदेशी वस्तुओं का निर्माण

4. शराबबंदी

5. हिन्दू मुस्लिम एकता को प्रोत्साहित

6. अस्पृश्यता का उन्मूलन

शेखावाटी मिशन–100

प्र.31 चौरी चौरा काण्ड के बारे में आप क्या जानते हैं?

उत्तर 5 फरवरी 1922 को उत्तरप्रदेश के देवरिया जिले के चौरी चौरा नामक स्थान पर असहयोग आंदोलन के शांतिपूर्ण जुलूस को पुलिस ने दबाना चाहा तो भीड़ उग्र हो गई जिस पर एक थानेदार व 21 सिपाहियों को जिंदा जला दिया। जिस पर बारदोली में कांग्रेस कमेटी की बैठक कर 12 फरवरी 1922 को असहयोग आंदोलन को समाप्त कर दिया।

प्र.32 साइमन कमीशन क्या था?

उत्तर भारत में संवैधानिक सुधारों पर सुझाव देने हेतु 1927 में ब्रिटिश सरकार ने साइमन की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया जिसमें एक भी भारतीय नहीं होने के कारण इसका विरोध किया। पंजाब में इसका विरोध करते हुए लाला लाजपतराय की मृत्यु हो गई।

प्र.33 नेहरू रिपोर्ट के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तर भारत सचिव बर्कन हैड ने भारतीय नेताओं को एक ऐसा संविधान बनाने की चुनौती दी जो सभी वर्गों कोमान्य हो। इस पर सर्वदलीय बैठक कर 1928 में बम्बई में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जिसमें तेज बहादुर स्प्रू, सर अली इमाम, सरदार मंगल सिंह आदि सदस्य थे।

इसमें निम्न प्रस्ताव थे –

1. भारत को औपनिवेशिक स्वराज्य का दर्जा
2. भारत में सभी को राजनैतिक व धार्मिक स्वतंत्रता
3. साम्प्रदायिक निर्वाचन समाप्त कर मुसलमानों के लिए सीटें आरक्षित
4. केन्द्र में द्विसदनीय व्यवस्थापिका
5. प्रान्तों को स्वायतता

प्र.34 किन कारणों से कांग्रेस पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित करना पड़ा?

उत्तर नेहरू रिपोर्ट को लागू न करने के कारण दिसम्बर 1929 में लाहौर (रावी नदी) में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित किया तथा स्वराज्य का अर्थ पूर्ण स्वाधीनता बताया गया व 26 जनवरी 1930 को पूर्ण. स्वाधीनता दिवस मनाया गया।

प्र.35 सविनय अवज्ञा आन्दोलन के कारणों की विवेचना कीजिए?

उत्तर 1. नेहरू रिपोर्ट को अस्वीकृत करना
2. औपनिवेशिक स्वराज्य प्रदान नहीं करना
3. गांधी की 11 सूत्रीय मांगे स्वीकार नहीं करना जिनमें नमक कर समाप्त, विदेशी कपड़ों का आयात कम व राजनैतिक कैदियों को छोड़ना आदि थी।

प्र.36 दांडी मार्च पर टिप्पणी लिखिए?

उत्तर गांधीजी की 11 सूत्रीय मांग स्वीकार नहीं करने पर 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से अपने चुने हुए78 समर्थकों के साथ 240 मील लम्बी पदयात्रा 24 दिन में 6 अप्रेल 1930 को पूरी कर दाण्डी पहुंचकर समुद्रतट पर नमक हाथ में लेकर नमक कर तोड़कर सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ किया। सुभाष चन्द्र बोस ने इसकी तुलना नेपोलियन की एलबा से पेरिस मार्च से की।

प्र.37 सविनय अवज्ञा आन्दोलन के कार्यक्रमों की चर्चा कीजिए?

उत्तर 1. नमक कानून को तोड़कर स्वयं नमक बनाना
2. महिलाओं द्वारा शराब व विदेशी वस्त्रों की दुकानों पर धरना देना।
3. विदेशी वस्त्रों की होली जलाना।
4. सरकारी स्कूल, कॉलेज छोड़ना
5. छुआछूत त्यागना।
6. सरकारी सेवाओं से त्यागपत्र देना।

प्र.38 सविनय अवज्ञा आन्दोलन का क्या महत्व रहा? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 1. सर्वप्रथम महिलाओं, युवाओं व किसानों की सक्रिय भागीदारी रही।
2. वन नियमों का उल्लंघन हुआ
3. गढ़वाली सैनिकों ने आंदोलनकारियों पर गोली चलाने से मना किया।
4. सोलापुर में आंदोलनकारियों ने समानान्तर सरकार चलाई।
5. नागा राजकुमारी गैडिनल्यू ने विद्रोह किया।

प्र.39 भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कहां–कहां समानान्तर सरकारे बनी?

उत्तर 1. बलिया में चितु पांडे के नेतृत्व में समानान्तर सरकार बनी।
2. बंगाल के मिदनापुर मे जातीय सरकार के रूप में राष्ट्रीय सरकार रही।
3. महाराष्ट्र के सतारा की समानान्तर सरकार सबसे लम्बे समय 1945 तक चली।

प्र.40 केबिनेट मिशन में क्या क्या सुझाव दिए?

उत्तर 1. एक भारत संघ का निर्माण जिसमें ब्रिटिश भारत व देशी रियासतें

2. प्रान्तों को पृथक समुह बनाने का अधिकार

3. संविधान सभा का गठन, प्रत्येक 10 लाख की आबादी अप्रत्यक्ष चुनाव द्वारा गठन

4. प्रमुख दलों से अंतरिम सरकार का गठन

प्र.41 माउण्ट बैटन योजना की प्रमुख विशेषताऐं बताईए ?

उत्तर 1. भारत दो भागों भारतीय संघ व पाकिस्तान में बंटेगा।

2. भारत संघ में संविधान को नहीं मानने की छूट होगी।

3. बंगाल व पंजाब का सीमांकन होगा।

4. देशी रियासतें भारत में या पाकिस्तान में या फिर स्वतंत्र भी रह सकती है।

प्र.42 भारत विभाजन के कारणों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर 1. मुस्लिम लीग व जिन्ना की भूमिका।

2. अंग्रेजों की फूट डालो व राज करो की नीति।

3. तुष्टिकरण की नीति।

4. अंतरिम सरकार की विफलता।

5. साम्प्रदायिक दंगे

प्र.43 उन परिस्थितियों के बारे में बताइए जिसके कारण अंग्रेज भारत छोड़ने को मजबूर हुए।

उत्तर 1. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद इंग्लैण्ड की दुर्बल स्थिति

2. इंग्लैण्ड में श्रमिक दल की सरकार

3. भारतीय सेना में विद्रोह

4. साम्प्रदायिक दंगे

निबंधात्मक प्रश्न :–

प्र.1 स्वामी विवेकानन्द के सामाजिक, धार्मिक विचारों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय जागृति में उनके योगदान का वर्णन कीजिए।

इस प्रश्न का उत्तर लघूतरात्मक उत्तर संख्या 13,14,15 व अति लघुतरात्मक 14 से 21 तक

प्र.2 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में आजाद हिन्द फौज व सुभाष चन्द्र बोस के योगदान को बताइए?

इस प्रश्न का उत्तर अति लघुतरात्मक उत्तर संख्या 31 से 40 तक

प्र.3 भारत में राष्ट्रवाद के उदय व विकास के कारणों का वर्णन कीजिए।

इस प्रश्न का उत्तर लघूतरात्मक प्रश्न संख्या 18,19 व पुस्तक में पृष्ठ संख्या 118 व 119 पर

प्र.4 असहयोग आन्दोलन के कारण, कार्यक्रमों का वर्णन करते हुए महत्व को समझाइए?

इस प्रश्न का उत्तर लघूतरात्मक 29, 30, 31

प्र.5 सविनय अवज्ञा आन्दोलन के कारण, कार्यक्रम व महत्व को बताइए,?

इस प्रश्न का उत्तर लघूतरात्मक 35 से 38 तक व अति लघूतरात्मक 70

प्र.6 भारत विभाजन के कारणों का वर्णन कीजिए ?

इस प्रश्न का उत्तर लघूतरात्मक प्रश्न 42 व पुस्तक पृष्ठ सं. 139–140

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय–7
(राजस्थान का स्वाधीनता संग्राम एवं एकीकरण)

प्र.1 निम्न लिखित विचारकों में से किसने स्वधर्म, स्वभाषा, स्वदेश तथा स्वराज का सुत्रपात सर्वप्रथम किया?
(अ) महात्मा गांधी
(ब) स्वामी दयानंद सरस्वती
(स) भगत सिंह
(द) विवेकानन्द जी (ब)

प्र.2 आर्य समाज की स्थापना किसने की?
(अ) महात्मा गांधी
(ब) स्वामी दयानंद सरस्वती
(स) राजा राममोहन राय
(द) विवेकानन्द जी (ब)

प्र.3 स्वामी दयानन्द सरस्वती ने ''वैदिक यंत्रालय'' नामक छापेखाना कहा स्थापित किया था?
(अ) अजमेर (ब) उदयपुर
(स) कोटा (द) जयपुर (अ)

प्र.4 विजय सिंह पथिक ने 1920ई में किस समाचार पत्र का प्रकाशन आरम्भ किया?
(अ) मराठा (ब) प्रताप
(स) राजस्थान केसरी (द) नवीन राजस्थान (स)

प्र.5 वीर सतसई के रचयिता कौन है?
(अ) सुर्यमल्ल मिश्रण (ब) अमीर खुसरों
(स) केसरी सिंह बारहठ (द) सागरमल गोपा (अ)

प्र.6 1857 की क्रांति के समय राजस्थान की किस छावनी में ब्रिटिश सिपाही नियुक्त थे?
(अ) नसीराबाद
(ब) एरिनपुरा
(स) नीमच
(द) किसी भी छावनी में नहीं (अ)

प्र.7 राजस्थान में 1857 की क्रांति का प्रारम्भ किस स्थान से हुआ?
(अ) नसीराबाद (ब) मेरठ
(स) आऊवा (द) नीमच (अ)

प्र.8 राजस्थान का वर्तमान स्वरूप कब अस्तित्व में आया?
(अ) 26 जनवरी 1950 (ब) 15 अगस्त 1947
(स) 30 मार्च 1949 (द) 1 नवम्बर 1956 (द)

प्र.9 निम्न में से किसने बिजौलिया किसान आंदोलन का नेतृत्व किया?
(अ) नयनूराम शर्मा (ब) हरिभाऊ उपाध्याय
(स) विजयसिंह पथिक (द) जमनालाल (स)

प्र.10 नवीन राजस्थान नामक समाचार पत्र किस संस्था ने निकाला?
(अ) राजस्थान सेवा संघ (ब) मारवाड हितकारिणी सभा
(स) हरिजन सेवा संघ (द) सर्व सेवा संघ (अ)

प्र.11 1857 ई की क्रांति के समय राजस्थान का ए.जी.जी. कौन था?
(अ) मेजर बर्टन
(ब) जार्ज पैट्रिक लारेंस
(स) लार्ड बैटिंग
(द) लार्ड विलियम बैटिंग (ब)

प्र.12 कौनसा ब्रिटिश कमाण्डर 1857 की क्रांति में नसीराबाद में मारा गया?
(अ) मैक मोसन (ब) कर्नल पैनी
(स) कर्नल अबोट (द) कमाण्डर हेथकोट (ब)

प्र.13 राजस्थान में नीमच छावनी में क्रांति की शुरूआत कब हुई?
(अ) 28 मई 1857 (ब) 3 जून 1857
(स) 21 अगस्त 1857 (द) 10 मई 1857 (ब)

प्र.14 नीमच में किस ब्रिटिश सैन्य अधिकारी ने सिपाहियों को गीता, कुरान की शपथ दिलाई तथा खुद ने बाइविल की कसम खाई?
उत्तर कर्नल अबोट ने।

प्र.15 आऊवा के ठाकुर खुशाल सिंह व जोधपुर की सेना के बीच युद्ध कब व कहां हुआ?
उत्तर 8 सितम्बर 1857 को बिथौड़ा व चैलावास में, इसमें जोधपुर की सेना की पराजय हुई थी।

प्र.16 कौनसा ब्रिटिश सैन्य अधिकारी आऊवा में मारा गया, जिसका सिर आऊवा के किले पर टांग दिया गया?
उत्तर मौक मेसन

प्र.17 मारवाड़ व मेवाड़ के किन जागीरदारों ने 1857 की क्रांति में ठाकुर खुशाल सिंह के प्रस्ताव पर क्रांतिकारियों का सहयोग किया?
उत्तर मेवाड़ का ठाकुर समंदसिंह , आलनियावास का ठाकुर अजीतसिंह, आसोप के ठाकुर श्योनाथसिंह बोगावा के ठाकुर जोधसिंह आदि ने।

प्र.18 आऊवा पर ब्रिटिश सैनिकों का कब्जा कब हुआ?
उत्तर 24 जनवरी, 1858 ।

प्र.19 प. अर्जुन लाल सेठी का जन्म कब और कहा हुआ?
उत्तर 1880 ई में जयपुर में

प्र.20 अर्जुन लाल सेठी प्रारम्भिक काल में .... ठिकाने में कामदार नियुक्त हुए?
उत्तर चौमू

प्र.21 जोरावर सिंह बारहठ किसके शिष्य थे?
उत्तर अर्जुन लाल सेठी के ।

प्र.22 काकोरी कांड के किस आरोपी को अर्जुन लाल सेठी ने राजस्थान में छुपाया था?
उत्तर अशफाकउल्ला खां।

प्र.23 राजस्थान के किस क्रांतिकारी ने दुर्व्यवहार के कारण वैलूर जैल में 70 दिन का अनशन रखा था?
उत्तर अर्जुन लाल सेठी ने।

प्र.24 जैसलमेर में गुण्डाराज नामक पुस्तक किसने लिखी?
उत्तर सागरमल गोपा ने।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.25 किस क्रांतिकारी को जैसलमेर जेल में जिंदा जलाकर मार डाला?

उत्तर सागरमल गोपा को।

प्र.26 नीमच में किस रियासत की सेना ने समय पर पहुंचकर ब्रिटिश स्त्री, पुरूष व बच्चो को बचाया?

उत्तर उदयपुर की ।

प्र.27 नीमच के क्रांतिकारियों ने आगरा से कितना सरकारी खजाना लुटा?

उत्तर एक लाख छब्बीस हजार नौ सौ रूपये।

प्र.28 किस ब्रिटिश अधिकारी को कोटा में क्रांतिकारियों ने हत्या कर शव शहर में घुमाया?

उत्तर मेजर बर्टन।

प्र.29 कोटा में 1857 की क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका किनकी थी?

उत्तर जयदयाल और मेहराब खां।

प्र.30 किस ब्रिटिश सैन्य अधिकारी ने क्रांतिकारियों से कोटा को छुडाया था?

उत्तर जनरल रोबर्टस ने।

प्र.31 तांत्या टोपे को किसने विश्वासघात करके पकड़वाया था?

उत्तर नरवर के जागीरदार मानसिंह ने।

प्र.32 तांत्या तोपे की फांसी कब हुई?

उत्तर अप्रैल 1859 ई में।

प्र.33 विजय सिंह पथिक का मूल नाम क्या था?

उत्तर भूपसिंह ।

प्र.34 राजस्थान का कौनसा क्रांतिकारी टाटगढ़ जैल में बंद रहा ?

उत्तर विजय सिंह पथिक को।

प्र.35 राजस्थान सेवा संघ की स्थापना कब व किसने की ?

उत्तर 1919 ई में विजय सिंह पथिक ने।

प्र.36 राजस्थान सेवा संघ का मुख्यालय अजमेर कब स्थानान्तरित हुआ?

उत्तर 1920 ई में

प्र.37 बिजौलिया किसान आंदोलन में पथिक जी का कौनसा निर्णय गलत साबित हुआ, जिससे आंदोलन का नेतृत्व उनके हाथ से निकल गया?

उत्तर माल भूमि छोड़ने का निर्णय ।

प्र.38 श्रीमान्.............................. नौकरी करेगा तो अंग्रेजों को कौन निकालेगा?

उत्तर अर्जुन लाल

प्र.39 शुद्र मुक्ति व स्त्री मुक्ति पुस्तकों के रचयिता कौन है?

उत्तर अर्जुन लाल सेठी जी ने

प्र.40 महेन्द्र कुमार नाटक किसने लिखा?

उत्तर अर्जुन लाल सेठी ने।

प्र.41 किस क्रांतिकारी का 22 सितम्बर 1941 को अजमेर में गुमनाम जीवन व्यतित करते हुए निधन हो गया?

उत्तर अर्जुन लाल सेठी का।

प्र.42 चेतावनी रा चूंगट्या किसने लिखी?

उत्तर केसरी सिंह बाहरठ ने।

प्र.43 चेतावनी रा चूंगट्या पढ़कर मेवाड़ के किस महाराणा का मन बदल जाने से दिल्ली दरबार में शामिल नही हुआ?

उत्तर मेवाड़ महाराणा फतेहसिंह

प्र.44 राजस्थान के किस क्रांतिकारी को बरेली जेल में यातनाएं देकर मार डाला?

उत्तर प्रताप सिंह बारहठ को।

प्र.45 1912 में दिल्ली में वायसराय हार्डिग्स पर बम फेंकने की साजिस में किस राजस्थानी क्रांतिकारी का हाथ था?

उत्तर जोरावर सिंह बारहठ का।

प्र.46 बिजौलिया किसान आंदोलन कितने समय तक चला?

उत्तर 1897 ई से 1941 ई तक 44 वर्षो तक

प्र.47 बिजौलिया किसान आंदोलन के प्रमुख नेताओं के नाम लिखिए?

उत्तर विजय सिंह पथिक , साधु सीताराम दास , माणिक्य लाल वर्मा आदि।

प्र.48 किसान पंच बोर्ड की स्थापना किसकी अध्यक्षता में की गई?

उत्तर मन्नालाल की अध्यक्षता में 1916 में ।

प्र.49 रूपा जी व कृपा जी नामक किसान किस किसान आंदोलन में शहीद हुए?

उत्तर बेंगु किसान आंदोलन में।

प्र.50 डाबडा काण्ड किस किसान आंदोलन से संबंधित है?

उत्तर मारवाड़ किसान आंदोलन से।

प्र.51 सीकर किसान आंदोलन के समय सीकर के राव राजा कौन थे?

उत्तर राव राजा कल्याण सिंह ।

प्र.52 राजस्थान जाट क्षत्रिय सभा की स्थापना कब हुइ?

उत्तर 1931 ई.।

प्र.53 जाट प्रजापति महायज्ञ किसने व कहां आयोजित कराया?

उत्तर ठाकुर देशराज ने पलथाना सीकर में 20 जनवरी 1934 ई में।

प्र.54 जाट प्रजापति महायज्ञ में जागीरदारों व किसानों के मध्य टकराव किस विवाद पर हुआ?

उत्तर किसान यज्ञपति कुंवर हुक्मसिंह को हाथी पर बैठाकर जुलुस निकालना चाहता था, जबकि रावराजा व जागीरदार इसके खिलाफ थे अतः हाथी पर बिठाकर जुलुस निकालने के मुद्दे पर विवाद पैदा हो गया।

प्र.55 कटराथल में किसकी अध्यक्षता में महिला सम्मेलन में 10000 महिलाओं ने भाग लिया?

उत्तर किशोरी देवी के नेतृत्व में।

प्र.56 चेताराम, टीकूराम, तुलछाराम तथा आशाराम नामक शहीद किसानों का सम्बन्ध किस किसान आंदोलन से है?

उत्तर सीकर किसान आंदोलन से।

प्र.57 किस किसान आंदोलन की गुंज 1935 में ब्रिटिश संसद में गुंजी ?

उत्तर सीकर किसान आंदोलन की ।

प्र.58 पंचपाने क्या है?

उत्तर शेखावाटी किसान आंदोलन के पांच ग्राम समूह (बिसाऊ, डुंडलोद,मलसीसर, मंडावा व नवलगढ़) पंचपाने कहलाये।

प्र.59 बुन्दी किसान आंदोलन के प्रमुख नेताओं के नाम लिखो?

उत्तर पं. नयनूराम, रामनारायण चौधरी, और हरिभाई किंकर ।

प्र.60 अलवर किसान आंदोलन शुरू होने का क्या कारण था?

उत्तर जंगली सूअरों का उत्पात व उनको मारने की अनुमति न होना।

प्र.61 नीमूचणा काण्ड का संबंध किस किसान आंदोलन से है?

उत्तर अलवर किसान आंदोलन से ।

प्र.62 भीलों को वन पुत्र अथवा जंगली शिशु की संज्ञा किस विद्वान नें दी?

उत्तर कर्नल टॉड ने।

प्र.63 सम्पा सभा की स्थापना किसने की?

उत्तर गोविन्द गिरी।

प्र.64 जरायम पेशा कोम से क्या अभिप्राय है?

उत्तर सन् 1924 ई में अंग्रेजी सरकार ने मीणाओं को जरायम पेशा कोम अर्थात् जन्मजात अपराधी जाति घोषित किया।

प्र.65 जरायम पेशा अधिनियम किस जाति पर लगाया गया था व यह अंतिम रूप से कब रद्द हुआ?

उत्तर मीणा जाति पर व यह आजादी के बाद सन् 1952 में अंतिम रूप से रद्द हुआ।

प्र.66 अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद् की स्थापना कब हुई?

उत्तर 1927 ई में।

प्र.67 कांग्रेस ने किस अधिवेशन में प्रस्ताव पारित कर देशी रियासतों के लोगों द्वारा संचालित स्वतंत्रता संग्राम को समर्थन दिया?

उत्तर 1938 ई के कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में।

प्र.68 मारवाड़ हितकारिणी सभा की स्थापना किसने की?

उत्तर चांदमल सुराणा ने।

प्र.69 मारवाड़ सेवा संघ की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर जयनारायण व्यास नें 1920 ई में।

प्र.70 मारवाड़ राज्य लोक परिषद् की स्थापना कब व किसने की?

उत्तर जयनारायण व्यास ने अक्टुम्बर 1929 ईं में।

प्र.71 जोधपुर प्रजामंडल की स्थापना कब हुई तथा इसके प्रथम अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर जोधपुर प्रजामंडल की स्थापना 1934 ई में हुई व इसके प्रथम अध्यक्ष भंवरलाल सर्राफ थे।

प्र.72 बीकानेर प्रजा परिषद् की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर रघुवरदयाल ने 22 जुलाई 1942 ई।

प्र.73 बीकानेर दमन विरोधी दिवस कब मनाया गया?

उत्तर 26 अक्टुम्बर 1944 ई को।

प्र.74 दुधवा खारा किसान आंदोलन का संबंध किस रियासत से है?

उत्तर बीकोनर रियासत से

प्र.75 जैसलमेर प्रजामण्डल की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर मीठालाल व्यास ने 1945 ई।

प्र.76 मेवाड़ प्रजामण्डल की स्थापना कब व किसने की?

उत्तर 24 अप्रैल 1938 ई में माणिक्य लाल वर्मा व बलवंत सिंह मेहता ने।

प्र.77 ''मेवाड़ का वर्तमान शासन'' नामक पुस्तक किसने प्रकाशित की?

उत्तर माणिक्य लाल वर्मा ने।

प्र.78 अखिल भारतीय राज्य लोक परिषद् का सातवा अधिवेशन कहा हुआ तथा इसकी अध्यक्षता किसने की?

उत्तर उदयपुर में जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता मे।

प्र.79 हाडौती प्रजामण्डल की स्थापना कब व किसने की ?

उत्तर सन् 1934 ई में पं. नयनूराम शर्मा ने।

प्र.80 बुंदी प्रजामण्डल की स्थापना कब व किसने की?

उत्तर सन् 1931 ई में कांतिलाल ने।

प्र.81 कोटा प्रजामण्डल की स्थापना कब व किसने की?

उत्तर 1939 ई में पं. अभिन्न हरि व पं. नयनूराम शर्मा ने।

प्र.82 बुंदी राज्य लोक परिषद् की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर ऋषि दत्त मेहता ने 1944 ई में।

प्र.83 सर्वप्रथम किस रियासत ने राजस्थान में संवैधानिक सुधारों की घोषणा की?

उत्तर झालावाड़ रियासत में 1946 ई मे।

प्र.84 चरखा संध की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर 1927 ई में जमनालाल बजाज ने।

प्र.85 राजस्थान में सर्वप्रथम किस प्रजामण्डल की स्थापना हुई?

उत्तर जयपुर प्रजामंडल की ।

प्र.86 जयपुर प्रजामंडल की स्थापना कब व किसने की?

उत्तर कपूरचन्द पाटनी के सन् 1931 ई में।

प्र.87 जयपुर प्रजामण्डल का प्रथम अधिवेशन कब व किसकी अध्यक्षता में हुआ?

उत्तर 9 मई 1938 ई को जमनालाल बजाज ने।

प्र.88 अलवर प्रजामण्डल की स्थापना कब हुई?

उत्तर 1938 ई मे।

प्र.89 उत्तरदायी शासन की मांग स्वीकार करने पर भरतपुर के किस महाराजा को हराकर ब्रिटिश सरकार ने उनके अल्पवयस्क पुत्र को गद्दी पर बिठा दिया?

उत्तर महाराजा किशनसिंह ने।

प्र.90 धौलपुर प्रजामंडल की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर सन् 1936 ई में कृष्ण दत्त पालीवाल ने की।

शेखावाटी मिशन–100

प्र.91 तासीमों काण्ड क्या है?

उत्तर 12 नवम्बर 1946 को धौलपुर रियासत के तासीमों गांव में उत्तरदायी शासन व नागरिक अधिकारों की मांगो को लेकर अधिवेशन कर रहे प्रजामण्डल के कार्यकत्ताओं पर पुलिस ने गोलीबारी की, व बाद में जनता के दबाव में आकर इसकी जांच के आदेश भी दिए।

प्र.92 करौली प्रजामण्डल की स्थापना कब की गई?

उत्तर 1938 ई।

प्र.93 बांसवाड़ा प्रजामंडल की स्थापना किसने व कब की ?

उत्तर 1943 ई में भूपेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने।

प्र.94 डूंगरपुर प्रजामंडल की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर हरिदेव जोशी तथा भोगीलाल पाड्या ने 1944 ई में।

प्र.95 सिरोही प्रजामण्डल की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर गोकुल भाई भट्ट ने 1939 ई मे।

प्र.96 किशनगढ़ प्रजामण्डल की स्थापना कब हुई?

उत्तर सन् 1939 ई में।

प्र.97 1944 में डूंगरपुर में सेवा संघ की स्थापना किसने की?

उत्तर भोगीलाल पांड्या ने।

प्र.98 किस अधिनियम द्वारा ब्रिटिश सरकार की सर्वोच्चता पुनः देशी रियासतों को हस्तांतरित कर दी गई?

उत्तर भारत शासन अधिनियम 1947 की धारा–8 के द्वारा।

प्र.99 रियासत सचिवालय की स्थापना कब व किसकी अध्यक्षता में स्थापित हुई?

उत्तर 5 जुलाई 1947 ई को सरदार वल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता मे।

प्र.100 स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राजस्थान में कितनी रियासतें थी?

उत्तर 19 रियासतें व 3 ठिकाने ।

प्र.101 भारत सरकार के रियासत सचिवालय के अनुसार रियासत के स्वतंत्र अस्तित्व के लिए क्या शर्ते थी?

उत्तर आय एक करोड रूपये वार्षिक तथा जनसंख्या 10 लाख अथवा अधिक हो।

प्र.102 रियासती विभाग के सचिव कौन थे?

उत्तर वी.पी. मेनन ।

प्र103 राजस्थान का एकीकरण कब प्रारम्भ हुआ?

उत्तर 18 मार्च 1948 ई को।

प्र.104 राजस्थान का एकीकरण कब पूर्ण हुआ?

उत्तर 1 नवम्बर 1956 ई में।

प्र.105 राजस्थान के एकीकरण में प्रथम चरण में मत्स्य संघ का नाम ''मत्स्य संघ'' क्यों व किसके सुझाव पर रखा था?

उत्तर मत्स्य संघ का नाम के. एम. मुंशी के सुझाव पर रखा गया क्योकि महाभारत काल में इस क्षेत्र को मत्स्य नाम से जाना जाता था।

प्र.106 मत्स्य संघ का उद्घाटन किसने किया?

उत्तर तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री एन. वी. गाडविल ने।

प्र.107 मत्स्य संघ का प्रधानमंत्री कौन थे?

उत्तर शोभाराम (अलवर से)

प्र.108 मत्स्य संघ का राजप्रमुख किसको बनाया गया था?

उत्तर धौलपुर के महाराज उदयभान सिंह को

प्र.109 संयुक्त राजस्थान संघ (पूर्व राजस्थान संघ) का निर्माण कब हुआ?

उत्तर 25 मार्च 1948 ई को।

प्र.110 संयुक्त राजस्थान संघ (पूर्व राजस्थान संघ) में कितनी रियासते विलय हुई?

उत्तर 9 रियासतें।

प्र.111 संयुक्त राजस्थान संघ (पूर्व राजस्थान संघ) का प्रधानमंत्री कौन था?

उत्तर गोकुल लाल असावा।

प्र.112 संयुक्त राजस्थान संघ (पूर्व राजस्थान संघ) का उद्घाटन किसने किया?

उत्तर एन. वी. गाडगिल ने।

प्र.113 संयुक्त राजस्थान का राजप्रमुख कौन था?

उत्तर कोटा के महाराज भीमसिंह।

प्र.114 मेवाड़ का राजस्थान संध में विलय कब हुआ?

उत्तर 18 अप्रैल 1948 ई को।

प्र.115 राजस्थान संघ में मेवाड़ के विलय के बाद प्रधानमंत्री कौन बना?

उत्तर माणिक्य लाल वर्मा।

प्र.116 वृहत राजस्थान का निर्माण किन–किन रियासतों के विलय से हुआ?

उत्तर वृहत् राजस्थान का निर्माण राजस्थान संघ में जयपुर, जोधपुर, बीकानेर व जैसलमेर रियासतों के विलय के बाद हुआ।

प्र.117 वृहत् राजस्थान का उद्घाटन कब व किसने किया?

उत्तर 30 मार्च 1949 ई को सरदार वल्लभ भाई पटेल ने ।

प्र.118 राजस्थान संघ में मेवाड़ विलय का उद्घाटन किसने किया?

उत्तर जवाहर लाल नेहरू ने।

प्र.119 वृहत् राजस्थान की राजधानी किसे बनाया गया?

उत्तर जयपुर को।

प्र.120 निम्न को सुमेलित किजिए?

सरकारी कार्यालय	मुख्यालय
(क) – शिक्षा	(1) उदयपुर
(ख) – खनिज	(2) बीकानेर
(ग) – हाईकोर्ट	(3) भरतपुर
(घ) – कृषि विभाग	(4) जोधपुर

प्र.121 राजस्थान की कौनसी रियासते उत्तरप्रदेश में विलय की इच्छुक थी?

उत्तर भरतपुर व धौलपुर।

प्र.122 मत्स्य संघ को राजस्थान में विलय हेतु किस समिति का गठन किया था?

उत्तर शंकर देव राय समिति का।

प्र.123 मत्स्य संघ का राजस्थान में विलय कब हुआ?

उत्तर 15 मई 1949 ई को।

प्र.124 सिरोही का विलय राजस्थान में कब हुआ?

उत्तर 26 जनवरी 1950 ई को।

प्र.125 26 जनवरी 1950 को सिरोही का कौनसा क्षेत्र राजस्थान के बजाए गुजरात में मिला दिया गया?

उत्तर माउण्ट आबु व देलवाड़ा क्षेत्र ।

प्र.126 माउण्ट आबु व देलवाड़ा का राजस्थान में विलय कब हुआ?

उत्तर 1 नवम्बर 1956 ई को।

प्र.127 अजमेर– मेरवाड़ा का राजस्थान में विलय कब हुआ?

उत्तर 1 नवम्बर 1956 ई को।

प्र.128 भारत में राजप्रमुख का पद कब खत्म हुआ?

उत्तर 1 नवम्बर 1956 ई को संसद द्वारा संविधान में 7 वां संशोधन करके राजप्रमुख का पद खत्म करके उसके स्थान पर राज्यपाल पद का सृजन किया।

प्र.129 राजस्थान का प्रथम राज्यपाल कौन था?

उत्तर सरदार गुरूमुख निहाल सिंह ।

प्र.130 राजस्थान दिवस किस तारीख को मनाया जाता है?

उत्तर 30 मार्च को।

प्र.131 निम्न को सुमेलित कीजिए–

पॉलिटिकल एजेन्ट	स्थान
विलियम ईडन	कोटा
कैप्टन शॉवर्स	जयपुर
मैक मोसन	उदयपुर
मैजर बर्टन	जोधपुर

प्र.132 राजस्थान में किसान आंदोलन के क्या कारण थे?

उत्तर अंग्रेजी नियंत्रण से पूर्व सामंतो तथा किसानों का आपसी संबंध सहयोग व विश्वास पर आधारित था। जागीरदार किसानों के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाकर अकाल की स्थिति में कर माफ या कम कर देते थे, परन्तु अंग्रेजी नियंत्रण में आने से सामंत उनको नियमित खिराज (कर) देते थे। पाश्चात्य प्रभाव के सम्पर्क से सामंतो के खर्चे भी बढ़ गए, जिससे वे किसानों का आर्थिक शोषण करने लगे। इस कारण किसान व सामंत के परम्परागत संबंधों में बदलाव आ गया और अब किसानो पर नए लाग–बाग थोप दिए जाते व जबरदस्ती बेगार ली जाने लगी। इस कारण किसानों में असंतोष बढ़ता गया जिससे वे संगठित होकर आंदोलन को मजबूर हो गए।

प्र.133 सन् 1857 की क्रांति में एरिनपुरा में विद्रोह तथा ठाकुर खुशाल सिंह की भूमिका का वर्णन किजिए।

उत्तर राजस्थान में एरिनपुरा छावनी में 21 अगस्त 1857 ई को सैनिकों ने विद्रोह कर अधिकारियों का आदेश मानने से मना कर दिया और लेटीनेन्ट कारमोली को क्रांतिकारी अपने साथ ले गए और उन्हे तीन दिन बाद छोड़ा, क्रांतिकारियों का भील सैनिकों ने सहयोग किया।

आऊवा के ठाकुर खुशाल सिंह के जोधपुर महाराजा के साथ संबंध अच्छे नहीं थे, इस कारण आऊवा के ठाकुर ने क्रांतिकारियों का साथ देकर उनका नेतृत्व स्वीकार कर लिया तथा 8 सितम्बर 1857 को आऊवा के ठाकुर खुशालसिंह के नेतृत्व में क्रांतिकारियों व जोधपुर की सेना के बीच बिठोड़ा व चैलावास में संघर्ष हुआ जिसमें जोधपुर की सेना पराजित हुई तथा उनके अस्त्र–शस्त्र क्रांतिकारियों के हाथ लगे तथा जोधपुर का किलेदार अनारसिंह मारा गया तथा अंग्रेज लेटीनेन्ट जान बचाकर भागा फिर 18 सितम्बर को लारेन्स के नेतृत्व में आऊवा पर फिर आक्रमण हुआ पर मात खानी पड़ी , क्रांतिकारियों ने युद्ध में जोधपुर के पोलिटिकल एजेन्ट मौक मेसन को मारकर उसका सिर आऊवा के किले पर टांग दिया इसके बाद आऊवा के ठाकुर ने मेवाड़ के प्रमुख जागीरदार समंदरसिंह तथा मेवाड व मारवाड़ के जागीरदारों से अंग्रेजों के विरूद्ध सहायता का आश्वासन प्राप्त किया।

इसके पश्चात् 19 जनवरी 1858 को बम्बई से सैनिको की टुकड़ी नसीराबाद होती हुई आऊवा पहुंची, इसके अलावा जोधपुर से मोरीसन तथा दुसरी और से कर्नल हाल्मस ने तीन तरफ से आऊवा को घेर लिया परन्तु 23 जनवरी को अंधेरे, तुफान व वर्षा का फायदा उठाकर क्रांतिकारी बच निकले, अंग्रेजो ने आऊवा ठाकुर के निवास को तहस–नहस कर दिया व 24 जनवरी 1858 को आऊवा पर अंग्रेजो का कब्जा हो गया।

प्र.134 राजस्थान में 1857 ई के स्वतंत्रता संग्राम के असफलता के क्या कारण माने जाते है? बताइए

उत्तर राजस्थान में 1857 ई की क्रांति की असफलता के निम्न कारण माने जाते है–

(1) **नेतृत्व का अभाव** :– राजस्थान 1857 ई की क्रांति के समय अनेक रियासतों में विभाजित था, अनेक जगहो पर क्रांति हुई परन्तु उनका कोई सर्वमान्य नेता नही था, ज्यादात्तर शासक अंग्रेजों के साथ थे, विद्रोही सामंत व सैनिकों ने मुगल बादशाह के नेतृत्व में संघर्ष का प्रयास किया परन्तु मुगल बादशाह कमजोर शासक भी था व दिल्ली के बाहर राजस्थान में नेतृत्व प्रदान नही कर सका फलस्वरूप क्रांतिकारी एकजुट होकर संघर्ष नही कर सके जिससे उनको क्रांति में निराशा हाथ लगी।

(2) **समन्वय का अभाव** :– राजस्थान में क्रांति की शुरूआत अलग–अलग स्थानों पर अलग–अलग समय पर हुई साथ ही नसीराबाद, नीमच, आऊवा , कोटा के क्रांतिकारियों में आपसी सम्पर्क व तालमेल का अभाव दिखाई दिया इसी कारण वे सफल नहीं हो सका।

(3) **रणनीति का अभाव** :– क्रांतिकारियों के पास कोई योजनाबद्ध रणनीति नही थीं, जिससे विद्रोह के बाद बिखराव आता चला गया, जबकि अंग्रेज योजना बनाकर क्रांतिकारियों की शक्ति को नष्ट करते गए। अंग्रेजों के लिए रसद व हथियारों की आपूर्ति संपूर्ण भारत से हो रही थी, जबकि क्रांतिकारियों के पास साधनों का अभाव था।

(4) **शासकों का असहयोग** :– क्रांतिकारियों को राजस्थान के शासकों का सहयोग नही मिला, बल्कि वे तो राजस्थान में व राजस्थान के बाहर भी अंग्रेजों की सहायता कर रहे थे जिस प्रकार बीकानेर के महाराजा सरदार सिंह ने किया । इस प्रकार शासकों के असहयोग भी क्रांति की असफलता का एक कारण है।

प्र.135 राजस्थान में 1857 ई के स्वतंत्रता संग्राम के क्या परिणाम निकले ? स्पष्ट किजिए।

उत्तर राजस्थान में 1857 ई के स्वतंत्रता संग्राम के निम्नलिखित दूरगामी परिणाम निकले –

(1) **देशी राज्यों के प्रति नीति में परिवर्तन**:– राजस्थान में राजाओ ने क्रांति को रोकने में बांध का कार्य किया इस कारण अंग्रेजों को ये समझ में आ गया की ये शासक जनता के विद्रोह की स्थिति में अंग्रेजों के लिए उपयोगी सिद्ध होगे। अतः शासको को संतुष्ट करने के लिए गोद निषेध का कानुन समाप्त कर दिया, राजाओं को पाश्च्यात्य संस्कृति में डालने के लिए, उनके लिए अंग्रेजी शिक्षा का प्रबन्ध किया उनकी सेवाओं के लिए पुरस्कार व उपाधियां दी गई, जिससे की ब्रिटिश ताज व पश्चिमी संस्कृति के प्रति शासकों में आस्था बढे।

(2) **सामंतों की शक्ति नष्ट करना** :– सामंत वर्ग ने क्रांति में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया था अतः इनकी शक्ति समाप्त करने के लिए इनसे सैनिक सेवा के बदले नगद राशि ली जाने लगी, जिससे सामंतों को अपनी सेना भंग करनी पडी, सामंतों से न्यायालय का शुल्क लिया जाने लगा, सामन्तों के न्यायिक अधिकार छीन लिए गये तथा राहदारी शुल्क वसुली का अधिकार भी छीन लिया तथा जो सामंत व्यापारियों से ऋण लेते थे उसे वसुलने हेतु भी कानून बना दिया गया इन बदलावों से व्यापारी वर्ग व जनता में सामंतों का प्रभाव समाप्त होने लग गया।

(3) **नौकरशाही में परिवर्तन** :– पहले राज्य प्रशासन के महत्वपूर्ण पदों पर सामंतों का अधिकार था, क्रांति के बाद नौकरशाही में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त, स्वामी भक्त व्यक्तियों की नियुक्ति की जाने लगी जिससे राजभक्त अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त मध्यम वर्ग का उदय हुआ।

(4) **यातायात के साधन** :– क्रांति के समय अंग्रेजों की सेनाओं को एक स्थान से दुसरे स्थान पर जाने के लिए बहुत कठिनाईयों का सामना करना पड़ा था अतः अपने व्यापारिक व सैनिक हितो को ध्यान में रखते हुए यातायात के साधनों का विकास किया नसीराबाद, नीमच, देवली को अजमेर व आगरा से सड़कों से जोड़ा गया, रेलमार्ग बनाए गए, अंग्रेजों ने देशी राज्यो पर भी सड़क व रेल निर्माण हेतु दबाव डाला जिससे यातायात के साधनों का तीव्रता से विकास हुआ।

(5) **सामाजिक परिवर्तन** :– अंग्रेजी शिक्षा का महत्व बढ़ जाने से मध्यम वर्ग का विकास हुआ, मध्यम वर्ग ने अंग्रेजी शिक्षा लेकर प्रशासन व अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंग्रेजों ने व्यापारिक स्वार्थ– वश वैश्य वर्ग को प्रोत्साहन दिया जिससे कालान्तर में राजपूत वर्ग व ब्राह्मण वर्ण का प्रभाव कम हो गया। मेयो कॉलेज के माध्यम से राज परिवारों को पाश्च्यात्य विचारों व विलासता में डाला गया, अंग्रेज ठिकानेदारों से निश्चित कर व सैन्य खर्च लेते लेने लगे जिससे जनता से कर वसूली कठोरता से होने लगी।

प्र.136 राजस्थान में जनजागृति के क्या कारण थे? स्पष्ट किजिए।

उत्तर राजस्थान में जनजागृति व नवीन राजनैतिक चेतना के निम्नलिखित कारण थे–

(1) **स्वामी दयानन्द सरस्वती का प्रभाव** :– राजस्थान में स्वदेशी व स्वराज को प्रेरणा देने वाले पहले समाज सुधारक दयानंद सरस्वती थे। उनका स्वधर्म, स्वभाषा, स्वदेशी व स्वराज्य का सिद्धान्त जनता व शासकों ने सहर्ष स्वीकार किया, इसके अलावा उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज द्वारा भी जनजागृति का कार्य किया गया दयानंद सरस्वती द्वारा अजमेर में भी वैदिक यंत्रालय नामक छापा खाना स्थापित किया। जिससे जनता में पत्र–पत्रिकाएं पढ़कर जागृति आयी, स्वामी जी ने 1883 ई में परोपकारिणी सभा स्थापित की जिसने भी जनजागृति का कार्य किया।

शेखावाटी मिशन–100

(2) समाचार पत्रों तथा साहित्य का योगदान :– राजस्थान में 1885 में राजपुताना गजट, 1889 में राजस्थान समाचार व 1920 में राजस्थान केसरी समाचार का प्रकाशन शुरू हुआ, जिससे अंग्रेजी नीतियों की आलोचना की जाती थी, उन्हें पढ़कर जनता जागृति आयी। इनके अलावा केसरी सिंह बारहट , जयनारायण व्यास, पं. हीरालाल शास्त्री व अर्जुन लाल सेठी आदि की देशप्रेम की कविताओं व रचनाओं ने वैचारिक क्रांति लाने का कार्य किया। वीर रस के महाकवि सुर्यमल्ल मिश्रण की रचना ''वीर सतसई'' का भी स्वदेश प्रेम जगाने में महत्वूर्ण स्थान रहा।

(3) मध्यम वर्ग की भूमिका :– इस वर्ग में शिक्षक, वकील व पत्रकार थे, जिससे सामान्य जनता को नेतृत्व मिला और लोगों में जागृति आयी, इस वर्ग से जयनारायण व्यास, मास्टर भोलानाथ, मघाराम वैद्य, अर्जुन लाल सेठी , विजयसिंह पथिक आदि थे।

(4) प्रथम विश्व युद्ध का प्रभाव :– राजस्थान के सभी राज्य के सैनिक प्रथम विश्व युद्ध में लड़ने देश के बाहर गये तथा वापस आकर अन्य देशों में जनक्रांति का अनुभव जनता के साथ बांटा दूसरी और विश्व युद्ध का भार जनता पर करों के रूप में पड़ा जिससे जनता में असंतोष बढ़ गया।

(5) बाह्य वातावरण का प्रभाव :– राजस्थान के विभिन्न जन आंदोलनों के नेताओं का राष्ट्रीय स्तर के अन्य नेताओं के साथ संपर्क बढ़ा उनका प्रभाव राजस्थान के जनमानस पर भी पड़ा। जयनारायण व्यास तथा हरिभाऊ उपाध्याय जैसे नेताओं ने गांधीवादी विचार जनता में फैलाए तथा रासबिहारी बोस के विचारों से प्रेरित अर्जुनलाल सेठी, गोपाल सिंह खरवा व बारहट परिवार आदि ने स्वतंत्रता की अलख जगाई।

प्र.137 'मत्स्य संघ' के वृहत् राजस्थान में विलय की प्रकिया स्पष्ट कीजिए।

उत्तर भौगोलिक, जातीय, आर्थिक दृष्टिकोण से अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली एक से थे। चारों राज्यों शासकों को 27 फरवरी, 1948 को दिल्ली बुलाकर उनके समक्ष संघ का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सहर्ष स्वीकार कर लिया गया। श्री के. एम. मुंशी के सुझाव पर इस संघ का नाम मत्स्य संघ रखा गया। 28 फरवरी, 1948 को दस्तावेज पर हस्ताक्षर किये गये। 18 मार्च, 1948 को इस संघ का उद्घटन केन्द्रीय मंत्री एन. वी. गाडगिल ने किया। संघ की जनसंख्या 18 लाख व वार्षिक आय दो करोड़ रुपयें थी। धौलपुर के महाराज उदयभान सिंह को राजप्रमुख नियुक्त कर एक मन्त्रिमण्डल का उद्घाटन किया तथा शोभाराम कुमावत (अलवर) को मत्स्य संघ का प्रधानमंत्री बनाया गया एवं संघ में शामिल चारों राज्यों में से एक–एक सदस्य लेकर मन्त्रिमण्डल बनाया गया।

प्र.138 सिरोही किस प्रकार राजस्थान में सम्मिलित हुआ ?

उत्तर 10 अप्रैल, 1948 को हीरालाल शास्त्री ने सरदार पटेल को पत्र लिखा कि सिरोही का अर्थ है– गोकुल भाई भट्ट बिना गोकुल भाई के हम राजस्थान नहीं चला सकते। इस बीच सिरोही के प्रश्न को लेकर राजस्थान की जनता में काफी उत्साह फैल चुका था। 18 अप्रैल , 1948 को संयुक्त राजस्थान के उद्घाटन के अवसर पर राजस्थान के कार्यकर्त्ताओं का एक शिष्ट मण्डल पं. नेहरू से मिला और उन्हें सिरोही के सम्बन्ध में प्रदेश की जन भावनाओं से अवगत कराया। पं. नेहरू की सरदार पटेल वार्ता के पश्चात् अत्यन्त चतुराई से जनवरी, 1950 में माउण्ट आबू सहित सिरोही का 304 वर्ग मील क्षेत्र के 89 गांव गुजरात में व शेष सिरोही राजस्थान में मिला दिया गया।

प्र.139 संयुक्त राजस्थान में विलय के लिए मेवाड़ के महाराणा ने क्या–क्या शर्तें रखी थीं ?

उत्तर संयुक्त राजस्थान के उद्घाटन के तीन दिन बाद संयुक्त राजस्थान में मेवाड़ विलय के प्रश्न पर वार्ता आरम्भ हुई। सर राममूर्ति ने भारत सरकार को महाराणा की प्रमुख तीन माँगों से अवगत कराया–

(1) महाराणा को संयुक्त राजस्थान का वंशानुगत राजप्रमुख बनाया जाए।

(2) उन्हें बीस लाख रुपये वार्षिक प्रिवीपर्स दिया जाए और

(3) यह कि उदयपुर को संयुक्त राजस्थान की राजधानी बनाया जाए।

रियासत विभाग ने संयुक्त राजस्थान के शासकों से बात करके मेवाड़ को संयुक्त राज्य राजस्थान में विलय करने का निश्चय किया।

प्र.140 सीकर किसान आंदोलन की प्रमुख घटनाएं एवं इसमें महिलाओं के योगदान का वर्णन किजिए।

उत्तर इस आंदोलन का प्रारम्भ सीकर ठिकाने के राव राजा कल्याण सिंह द्वारा पच्चीस प्रतिशत तक भू–राजस्व वृद्धि करने से हुआ व 1923 ई. में वर्षा कम होने पर भी नयी दर से लगान वसूली की। राजस्थान सेवा संघ के मन्त्री रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में किसानों ने इसके विरुद्ध आवाज उठाई।

1931 ई. में 'राजस्थान जाट क्षेत्रीय सभा' की स्थापना के बाद किसान आन्दोलन को नई ऊर्जा मिली। किसानों को धार्मिक आधार पर संगठित करने के लिए ठाकुर देशराज ने पलथाना में एक सभा कर 'जाट प्रजापति महायज्ञ' करने का निश्चय किया। बसन्त पंचमी 20 जनवरी, 1934 को सीकर के यज्ञाचार्य पं. खेमराज शर्मा की देख–रेख में यह यज्ञ आरम्भ हुआ। यज्ञ की समाप्ति के बाद किसान यज्ञपति पं. हुक्म सिंह को हाथी पर बैठाकर जुलूस निकालना चाहते थे किन्तु राव राजा कल्याण सिंह और ठिकाने के जागीरदार इसके विरूद्ध थे। इससे लोगों में जागीरदारों के प्रति रोष उत्पन्न हुआ और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

शेखावाटी मिशन–100

प्रसिद्ध किसान नेता छोटूराम ने जयपुर महाराजा को तार द्वारा सूचित किया कि एक भी किसान को कुछ हो गया तो अन्य स्थानों पर भारी नुकसान होगा और जयपुर राज्य को गम्भीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। अन्ततः किसानों की जिद्द के आगे सीकर ठिकाने को झुकना पड़ा और स्वयं ठिकाने ने जुलूस के लिए सजा–सजाया हाथी प्रदान किया । सात दिन तक चलने वाले इस यज्ञ कार्यक्रम में स्थानीय लोगों सहित उत्तर प्रदेश, पंजाब लुहारू, पटियाला और हिसार जैसे स्थानों में लगभग तीन लाख लोग उपस्थित हुए।

सीकर किसान आंदोलन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सिहोट के ठाकुर मानसिंह द्वारा सोतिया का बास नामक गाँव में किसान महिलाओं के साथ किए गए दुर्व्यवहार के विरोध में 25 अप्रैल, 1934 ई. में कटराथल नामक स्थान पर श्रीमती किशोरी देवी की अध्यक्षता में एक विशाल महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सीकर ठिकाने ने उक्त सम्मेलन को रोकने के लिए धारा 144 लगा दी। इसके बावजूद कानून तोड़कर महिलाओं का यह सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में लगभग दस हजार महिलाओं ने भाग लिया जिससे श्रीमती दुर्गा देवी शर्मा, श्रीमती फूला देवी, श्रीमती रमा बाई जोशी, श्रीमती उत्तमा देवी आदि प्रमुख थीं। 25 अप्रैल, 1935 ई को जब राजस्व अधिकारियों का दल लगान वसूल करने के लिए कूदन गाँव पहूंचा तो एक वृद्ध महिला धापी दादी द्वारा उत्साहित किए जाने पर किसानों ने संगठित होकर लगान देने से इन्कार कर दिया। पुलिस द्वारा किसानों के विरोध का दमन करने के लिए गोलियां चलाई गई जिसमें चार किसान चेताराम, टीकूराम, तुलछाराम तथा आशाराम शहीद हुआ और 175 को गिरफ्दार किया गया। इस वीभत्स हत्याकाण्ड के बाद सीकर किसान आंदोलन की गुंज ब्रिटिश संसद में भी सुनाई दी। जून, 1935 ई में जब इस हाऊस ऑफ कामन्स में प्रश्न पूछा गया तो जयपुर के महाराजा पर मध्यस्थता के लिए दबाव पड़ा और जागीरदार को समझौते के लिए विवश होना पड़ा। 1935 ई के अन्त तक किसानों की अधिकांश माँगें स्वीकार कर ली गई। आन्दोलन का नेतृत्व करने वाले प्रमुख नेताओं में सरदार हरलाल सिंह, नेतराम सिंह, पृथ्वीसिंह गोठड़ा, पन्ने सिंह वाटड़ानाऊ, हरूसिंह पलथाना, गोरू सिंह कटराथल, ईश्वर सिंह भैरूपुरा, लेखराम कसवाली आदि शामिल थे।

प्र.141 राजस्थान के एकीकरण के समय राजस्थान की प्रमुख रियासतों की समस्याएं क्या थी?

उत्तर राजस्थान की प्रमुख रिसासतों की समस्याएँ निम्नलिखित थीं–

(1) साम्प्रदायिक झगड़े – स्वतंत्रता एवं विभाजन के पश्चात् हुए साम्प्रदायिक झगड़े प्रमुख कारण थे। अलवर तथा भरतपुर में मेव जाति पर समस्या पुनः उठ खड़ी हुई। गाँधीजी की हत्या में अलवर राज्य का नाम आने से भी अलवर की रियासत विवाद का विषय बनी हुई थी।

(2) जोधपुर की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति– जोधपुर की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति अत्यन्त ही महत्वपूर्ण थी। पाकिस्तान जोधपुर को अपने राज्य में मिलाने के लिए प्रयत्नशील था।

(3) मेवाड़ के महाराणा एवं जागीरदारों की अनिच्छा – मेवाड़ के महाराणा एवं जागीरदार भी अपनी गौरवपूर्ण ऐतिहासिक स्थिति के कारण राजस्थान संघ में विलय के इच्छुक नहीं थे।

(4) बीकानेर का महत्त्व – बीकानेर सीमान्त राज्य होने के कारण भारत के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण प्रदेश था। यद्यपि भारत की संविधान निर्मात्री सभा में बीकानेर का प्रतिनिधित्व था, फिर भी बीकानेर के शासकों की आकांक्षा अपना स्वतन्त्र अस्तित्व बनाये रखने की थी।

इस प्रकार तत्कालीन परिस्थितियों में इन रियासतों की समस्याओं ने राजस्थान के एकीकरण में बाधा उत्पन्न की परन्तु अंत में सरदार पटेल के दूरदर्शिता से इनका राजस्थान में विलय करके एक एकीकृत राज्य का निर्माण हुआ।

प्र.142 राजस्थान के किसान आंदोलन का क्या महत्त्व रहा ?

उत्तर राजस्थान के किसान आंदोलनों का राजस्थान व राष्ट्रीय स्तर पर बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है। इन किसान आंदोलनों ने शासकों और अंग्रेजी सरकार की दमनकारी नीति को देश के सामने रखा जिससे लोगो में राजनैतिक उत्तेजना का विकास हुआ तथा लोगो में सामन्ती व्यवस्था को समाप्त करने तथा प्रजातांत्रिक शासन की भावना को बल मिला।

प्र.143 बिजौलिया किसान आंदोलन में विजयसिंह पथिक के स्थान पर आप स्वंय नेतृत्वकर्त्ता होते तो आंदोलन में उनके द्वारा लिये गये निर्णयों में से कौनसा निर्णय नहीं लेते ? बताइए।

उत्तर अगर मैं ''विजय सिंह पथिक'' के स्थान पर बिजौलिया किसान आंदोलन का नेतृत्वकर्त्ता होता तो 1927 ई में किसानों को मालभूमि छोड़ने की सलाह नही देता, क्योंकि इस निर्णय से किसानों की उपजाऊ भूमि जब्त होने से उनका मनोबल टुट गया था।

प्र.144 बीकानेर षड्यंत्र केस पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर 1932 में जब बीकानेर के महाराजा गंगासिंह द्वितीय गोलमेल सम्मेलन में शामिल होने लंदन गए तो स्वामी गोपालदास, कन्हैयालाल ढुंढ, चन्दनमल बहड आदि नेताओं ने बीकानेर एक दिग्दर्शक नामक पम्पलेट बांटे और बीकानेर की वास्तविक दमनकारी नीतियों का खुलासा किया, जिस पर महाराज ने लंदन से लौटकर इन नेताओं पर सार्वजनिक सुरक्षा कानुन लगाकर बीकानेर षड्यंत्र केस के नाम पर गिरदार किया ।

प्र.145 राजस्थान के प्रमुख समाचार पत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर राजपूताना गजट, राजस्थान समाचार, राजस्थान केसरी, नवीन राजस्थान, नवज्योति, नवजीवन, जयपुर समाचार व लोकवाणी आदि।

प्र.146 1857 ई की क्रांति के समय राजस्थान में कुल कितनी सैनिक छावनियां थी ? नाम लिखिए।

उत्तर 1857 ई की क्रांति के समय राजस्थान में 6 सैनिक छावनियां थी –

(1) नसीराबाद (2) नीमच
(3) देवली (4) ब्यावर
(5) एरिनपुरा (6) खेरवाड़ा।

प्र.147 आऊवा के ठाकुर खुशाल सिंह का क्रांतिकारियों को सहयोग देने का मूल कारण क्या था ?

उत्तर इसका मुख्य कारण यह था कि पिछले कुछ वर्षो से ठाकुर खुशाल सिंह और जोधपुर महाराजा के आपसी संबंध तनावपूर्ण थे और इस कारण तत्काल परिस्थितियों का ठाकुर खुशाल सिंह लाभ उठाना चाहता था।

प्र.148 राजस्थान के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बताइए।

उत्तर प. अर्जुन लाल सेठी, सागरमल गोपा, दामोदर दास राठी, स्वामी गोपाल दास, केसरी सिंह बारहठ, प्रतापसिंह बारहठ, जोरावर सिंह बारहठ, राव गोपाल सिंह खरवा व विजय सिंह पथिक आदि।

प्र.149 खालसा भूमि व जागीर भूमि से क्या तात्पर्य है?

उत्तर वह भूमि जो सीधे शासक के नियंत्रण में थी खालसा भूमि कहलाती थी व जो भूमि जागीरदारों व ठिकानेदारों के नियंत्रण में होती थी उसे जागीर भूमि कहते थे।

निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए।

(1) नासिक (2) प्रयाग
(3) भीमबेटका (4) बाँरा
(5) रोपड़ (6) बनावली
(7) राखीगढ़ी (8) कालीबंगा
(9) धौलावीरा (10) प्रभास पाटन
(11) लोथल (12) दैमाबाद
(13) बैरकपुर (14) दिल्ली
(15) मेरठ (16) अवध
(17) कानपुर (18) झांसी
(19) बिहार (20) गोवा
(21) पाण्डिचेरी (22) सतारा
(23) बम्बई (24) मद्रास
(25) कलकत्ता (26) मथुरा
(27) खेतड़ी (28) अलीगढ़
(29) पूना (30) कटक
(31) सूरत (32) नागपुर
(33) अहमदाबाद (34) चम्पारण
(35) अमृतसर (36) दाण्डी
(37) शोलापुर (38) आऊवा
(39) कोटा (40) नसीराबाद
(41) सीकर (42) पटना
(43) जूनागढ़ (44) नीमूचणा
(45) लखनऊ

शेखावाटी मिशन–100

मॉडल प्रश्न पत्र 2021

इतिहास

समयः– 3¼ घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक – 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश –

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तरपुस्तिका में लिखे।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न संख्या 24 व 25 के उत्तर मानचित्र में अंकित करने हैं।

(खण्ड अ)

प्र.1 दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों (1 से 10) के उत्तर उत्तर पुस्तिका में लिखे –

1. सिंधु सरस्वती सभ्यता के निम्न स्थान से अग्निवेदिकाऐं प्राप्त नहीं हुई है–
(अ) कालीबंगा (ब) धौलावीरा (स) राखीगढ़ी (द) बाणावली

2. वृहतकथा मंजरी ग्रंथ के रचयिता कौन है –
(अ) विष्णु शर्मा (ब) विशाखदत्त (स) क्षेमेन्द्र (द) शुद्रक

3. ऋगवेद का उपवेद है –
(अ) आयुर्वेद (ब) शिल्पवेद (स) गंधर्ववेद (द) धनुर्वेद

4. भारत को जम्बू द्वीप किस पुराण में कहा गया है –
(अ) विष्णुपुराण (ब) भागवत पुराण (स) मत्स्य पुराण (द) अग्नि पुराण

5. मराठा साम्राज्य का द्वितीय संस्थापक किसे कहा जाता है –
(अ) शिवाजी (ब) बाजीराव (स) बालाजी विश्वनाथ (द) शंभाजी

6. निम्न में महात्मा गांधी द्वारा प्रकाशित अखबार व पत्रिका नहीं है–
(अ) न्यू इण्डिया (ब) यंग इण्डिया (स) हरिजन (द) नवजीवन

7. साम्प्रदायिक आधार पर निर्वाचन प्रणाली लागू की गई–
(अ) 1919 का अधिनियम (ब) 1935 का अधिनियम (स) 1892 का अधिनियम (द) 1909 का अधिनियम

8. ''कांग्रेस का या ता विभाजन स्वीकार करना है अथवा आत्महत्या करनी है'' यह कथन किसका है–
(अ) महात्मा गांधी (ब) जवाहरलाल नेहरू (स) गोविन्दवल्लभ पंत (द) सरदार पटेल

9. अमृत बाजार पत्रिका के संपादक थे –
(अ) शम्भू चन्द्र मुखर्जी (ब) महादेव गोविन्द रानाडे (स) शिशिर कुमार घोष (द) मनमोहन घोष

10. मत्स्य संघ का वृहत राजस्थान में विलय एकीकरण के किस चरण में हुआ –
(अ) प्रथम चरण (ब) चतुर्थ चरण (स) पंचम चरण (द) तृतीय चरण

प्र.2 किन अभिलेखों में अशोक का नाम 'अशोक' मिला है?

प्र.3 समुद्रगुप्त ने दक्षिणी भारत के राज्यों के प्रति किस नीति को अपनाया?

प्र.4 किस चौल राजा ने गंगैकोण्डचोल की उपाधि धारण की?

प्र.5 विजस्तम्भ को भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष क्यों कहा जाता है?

प्र.6 कांग्रेस के तीसरे अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे?

प्र.7 बाल गंगाधर तिलक की दो पुस्तकों के नाम बताइए?

प्र.8 स्वराज दल की स्थापना कब व किसने की?

निम्न प्रश्नों में रिक्त स्थान की पूर्ति कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें–

प्र.9 ....ने अवध में 1857 की क्रांति का नेतृत्व किया।

प्र.10 अखिल भारतीय संघ की व्यवस्था का प्रावधान ....के अधिनियम में था?

प्र.11 क्रांतिकारियों ने ....का सर धड़ से अलग करके आउवा के किले पर लटका दिया।

शेखावाटी मिशन–100

(खण्ड ब)

प्रश्न संख्या 12 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

प्र.12 नवपाषाणकाल की दो विशेषताऐं बताइए?

प्र.13 वेदांग साहित्य क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्र.14 करिकाल ने कहां व किस नगर की स्थापना की?

प्र.15 राव चन्द्रसेन को महाराणा प्रताप का अग्रगामी क्यों कहा जाता है?

प्र.16 अगर आप राणा सांगा के स्थान पर होते तो खानवा के युद्ध में क्या रणनीति अपनाते?

प्र.17 आजाद हिन्द फौज ने अण्डमान एवं निकोबार को जीतकर इनका क्या नाम रखा?

प्र.18 आप किस आधार पर कह सकते हैं कि 1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों ने देशी राज्यों के प्रति नीति में परिवर्तन किया था।

प्र.19 एकीकरण के समय राजस्थान की रियासतों की प्रमुख समस्याऐं कौनसी थी? कोई दो बताइए।

(खण्ड स)

प्रश्न संख्या 20 से 23 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

प्र.20 शैल चित्रकला के बारे में आप क्या जानते है? समझाइए।

अथवा

इतिहास लेखन में वंशावलियों का योगदान बताइए।

प्र.21 महाराणा सांगा की सांस्कृतिक उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

पुरन्दर की संधि कब व किसके मध्य हुई? तथा इसकी शर्तों का उल्लेख कीजिए।

प्र.22 1857 की क्रांति के सामाजिक व धार्मिक कारण बताइए।

अथवा

आप किस आधार पर 1857 की क्रांति को भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मानते है? स्पष्ट कीजिए।

प्र.23 जनजातिय आन्दोलन में गोविन्द गुरू की भूमिका का वर्णन कीजिए।

अथवा

सीकर किसान आंदोलन का वर्णन कीजिए ।

(खण्ड द)

प्र.24 भारत के मानचित्र में निम्नलिखित स्थलों को दर्शाइए–

1. दिल्ली	2. बम्बई	3. शोलापुर	4. लखनऊ	5. सतारा

अथवा

1. मेरठ	2. बरेली	3. मद्रास	4. कलकत्ता	5. झांसी

प्र.25 भारत के मानचित्र में निम्न ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए–

1. अजमेर	2. कानपुर	3. आउवा	4. कालीबंगा	5. लौथल

अथवा

1. कोटा	2. नसीराबाद	3. धौलावीरा	4. बैरकपुर	5. बूंदी

(खण्ड य)

प्रश्न संख्या 26 से 28 तक प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए–

प्र.26 सिंधु सरस्वती सभ्यता की कला, लिपि व विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धियां बताइए?

अथवा

प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी के पुरातात्विक स्रोतों का वर्णन कीजिए?

अथवा

प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी के धार्मिक साहित्य के स्रोतों का वर्णन कीजिए?

प्र.27 गुप्तकालीन कला साहित्य व विज्ञान के क्षेत्र में हुए विकास का वर्णन कीजिए?

अथवा

मौर्यकालीन केन्द्रीय प्रशासन का वर्णन कीजिए।

अथवा

अशोक के धम्म व उसकी जनकल्याणकारी अवधारणा को समझाइए?

प्र.28 स्वामी विवेकानन्द के सामाजिक व धार्मिक विचार बताते हुए उनके राष्ट्रीय दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत में राष्ट्रीयता के उदय व विकास के कारणों का वर्णन कीजिए।

अथवा

सविनय अवज्ञा आन्दोलन के कारण व कार्यक्रम बताइए तथा इसका भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।

शेखावाटी मिशन–100

ALLEN CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN)
path to success
SIKAR, RAJASTHAN

सपने होंगे सच

Pre-Nurture & Career Foundation Division

Class 6th to 10th | NTSE | OLYMPIADS & BOARD

Admission Open

Session 2021-22

New Batches for

Class 6th to 10th

7 April & 12 May 2021

(*ENGLISH MEDIUM*)

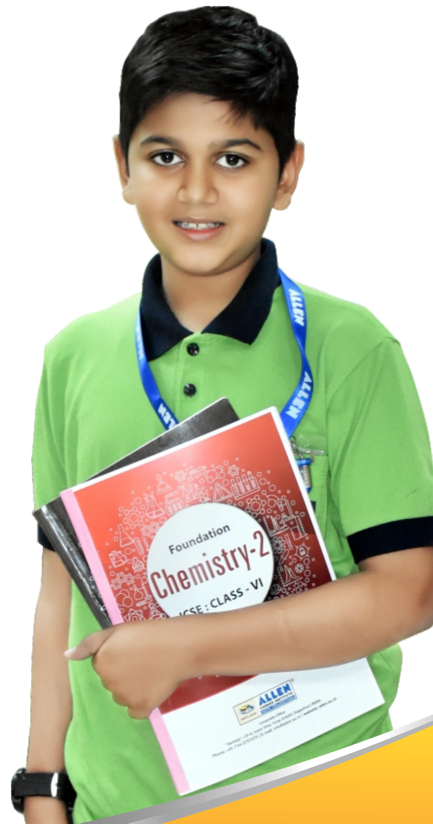

Strong Foundation Leads to

EXTRAORDINARY RESULTS

ALLEN SIKAR

Classroom Students

Qualified for

INMO

Indian National Mathematical Olympiad

&

INJSO

Indian National Junior Science Olympiad

(Conducted by HBCSE)

KRISH GUPTA

Class: 10th

DINESH BENIWAL

Class: 10th

HIMANSHU THALOR

Class: 9th

ALLEN® SIKAR Result : JEE (Adv.) 2020

प्रथम वर्ष में ही JEE (Adv.) का सर्वश्रेष्ठ परिणाम

AIR **736**

AIR **836**

SUBHASH
Classroom Student

KULDEEP SINGH CHOUHAN
Classroom Student

ALLEN® SIKAR Result : JEE (Main) 2021 (Feb. Attempt)

दो साल बेमिसाल

एलन सीकर ने गढ़े कीर्तिमान,
जेईई-मेन में दिए
शेखावाटी टॉपर्स

MATHEMATICS 100 PERCENTILE

शेखावाटी टॉपर

शेखावाटी गर्ल्स टॉपर

ROHIT KUMAR
Classroom
99.9892474 %tile

SAKSHI GUPTA
Classroom
99.8925637 %tile

ALLEN® SIKAR Result : NEET (UG) 2020

प्रथम वर्ष में एलन सीकर, क्लासरूम के 165 + विद्यार्थियों को मिला सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश

680/720
AIR **695**
AIIMS Jodhpur

675/720
AIR **866**
AIIMS Jodhpur

LAVPREET KAUR GILL
Classroom Student

AYUSH SHARMA
Classroom Student

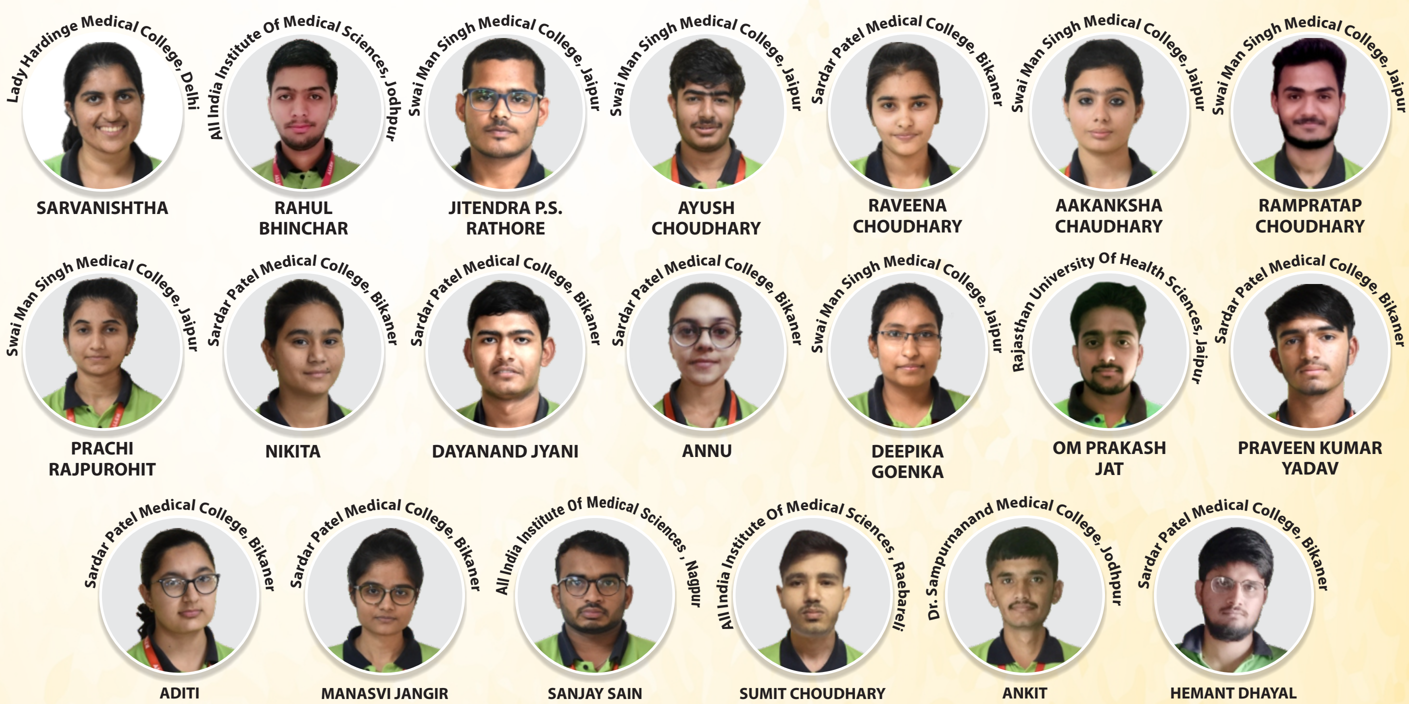

UPCOMING NEW BATCHES for JEE (Main+Adv.) & NEET (UG)

(Hindi & English Medium)

NURTURE BATCH	ENTHUSIAST BATCH	LEADER BATCH
(For Class 10th to 11th Moving Students) Starting from	(For Class 11th to 12th Moving Students) Starting from	(For Class 12th Appeared / Pass Students) Starting from
2, 9, 16 June & 30 June 2021	**7 April 2021** Both 11th & 12th syllabus will be covered	**2 June & 16 June 2021**

ALLEN® SIKAR

TEAM **ALLEN** @ SIKAR

एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट
(ASAT)

04, 11, 25 अप्रैल 2021 | 09, 23, 30 मई 2021,
06, 13, 20, 27 जून 2021

90% तक स्कॉलरशिप

ALLEN® CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN) *path to success*

DOWNLOAD **FREE** SAMPLE PAPERS

ALLEN Sikar Center: "SANSKAR," Near Piprali Circle,
Sikar-Jhunjhunu Bypass, Piprali Road, Samrathpura, Sikar
Tel.: 01572-262400 | **E-mail** : sikar@allen.ac.in

Corporate Office : "SANKALP", CP-6, Indra Vihar, Kota (Raj.) INDIA, 324005
Tel.: 0744-2757575 | **Email**: info@allen.ac.in | **Web**: www.allen.ac.in

ALLEN Info & Admission App
Download from Google play

www.allen.ac.in/sikar | facebook.com/allensikar | twitter.com/allensikar | youtube.com/allencareerinstitute